mayank bhardwaj

05 May 1998

12:35 PM

Gzb

Model: Web-JanmaKundliPlus

Order No: 120480501

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/05/1998**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:35:00 घंटे**
इष्ट	17:25:43 घटी
स्थान	**Gzb**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:08 उत्तर
रेखांश	77:27:13 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:11 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:14:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:17 घंटे
साम्पातिक काल	03:06:38 घंटे
सूर्योदय	05:36:42 घंटे
सूर्यास्त	18:57:34 घंटे
दिनमान	13:20:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:45:57 मेष
लग्न के अंश	28:21:55 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1920	वैशाख	15
पंजाबी	संवत : 2055	वैशाख	23
बंगाली	सन् : 1405	वैशाख	21
तमिल	संवत : 2055	चिथिराई	22
केरल	कोल्लम : 1173	मेदम	22
नेपाली	संवत : 2055	वैशाख	22
चैत्रादि	संवत : 2055	वैशाख	शुक्ल 9
कार्तिकादि	संवत : 2055	वैशाख	शुक्ल 9

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि ____: 9
तिथि समाप्ति काल _____: 05:54:45
जन्म तिथि _____: 10
सूर्योदय कालीन नक्षत्र ____: मघा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 15:35:10 घंटे
जन्म योग _____: मघा
सूर्योदय कालीन योग ____: ध्रुव
योग समाप्ति काल _____: 26:20:23 घंटे
जन्म योग _____: ध्रुव
सूर्योदय कालीन करण ____: कौलव
करण समाप्ति काल _____: 05:54:45 घंटे
जन्म करण _____: तैतिल
भयात _____: 58:45:32
भभोग _____: 66:15:57
भोग्य दशा काल _____: केतु 0 वर्ष 9 मा 13 दि

घात चक्र

मास _____: ज्येष्ठ
तिथि _____: 3-8-13
दिन _____: शनिवार
नक्षत्र _____: मूल
योग _____: धृति
करण _____: बव
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: मार्जार
लग्न _____: मीन
सूर्य _____: धनु
चन्द्र _____: मकर
मंगल _____: मकर
बुध _____: तुला
गुरु _____: कुम्भ
शुक्र _____: मीन
शनि _____: वृश्चिक
राहु _____: मेष

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

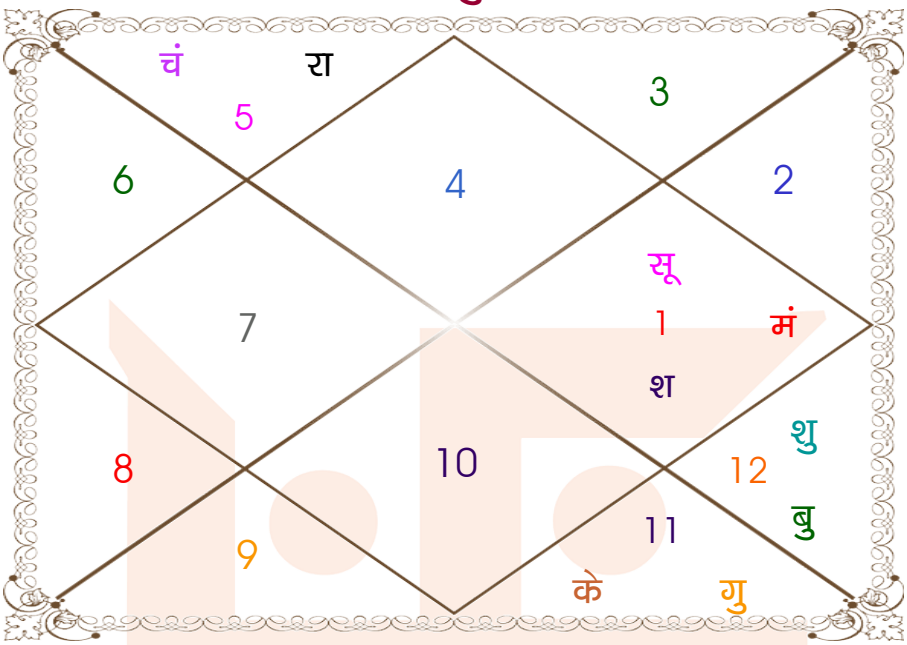

चन्द्र कुंडली

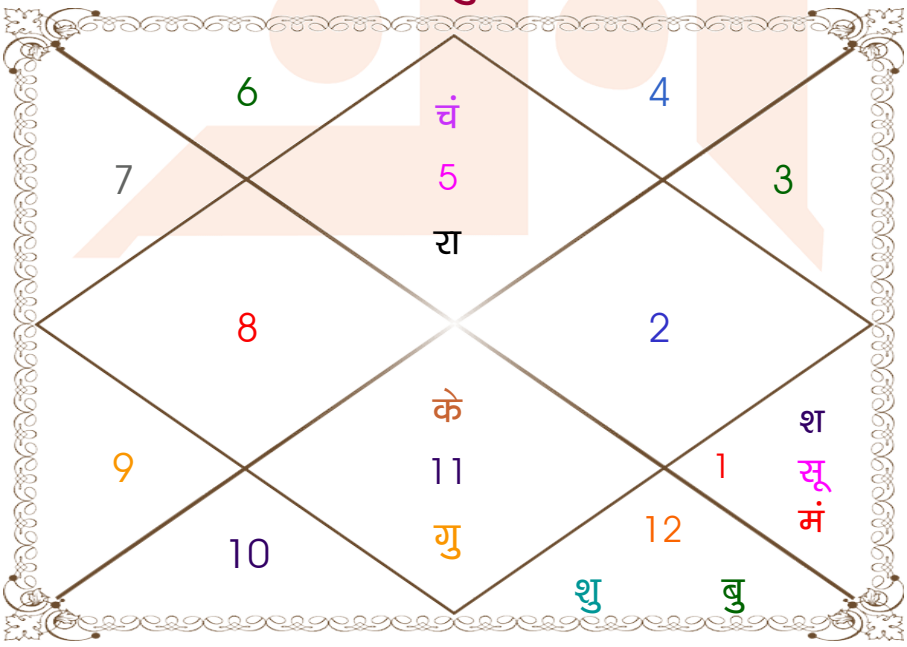

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

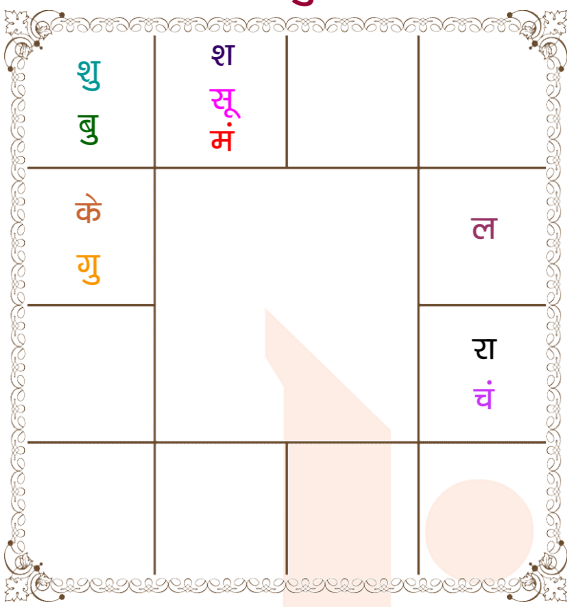

लग्न कुंडली

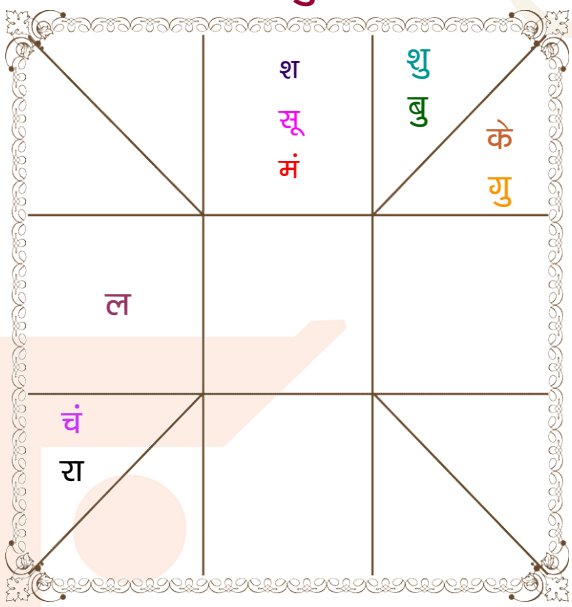

विंशोत्तरी
केतु 0वर्ष 9मा 13दि

केतु

05/05/1998

18/02/2112

केतु	16/02/1999
शुक्र	16/02/2019
सूर्य	16/02/2025
चन्द्र	16/02/2035
मंगल	16/02/2042
राहु	17/02/2060
गुरु	17/02/2076
शनि	16/02/2095
बुध	18/02/2112

योगिनी
भद्रिका 0वर्ष 6मा 22दि

भ्रामरी

26/11/2025

26/11/2029

भ्रामरी	07/05/2026
भद्रिका	26/11/2026
उल्का	28/07/2027
सिद्धा	07/05/2028
संकटा	27/03/2029
मंगला	07/05/2029
पिंगला	27/07/2029
धान्या	26/11/2029

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:21:55	309:43:47	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मेष	20:45:57	00:58:07	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
चंद्र			सिंह	11:50:06	11:59:08	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
मंगल		अ	मेष	22:35:13	00:43:42	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			मीन	24:12:19	01:00:15	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			कुंभ	26:31:13	00:11:12	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र			मीन	07:50:56	01:07:39	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	उच्च राशि
शनि		अ	मेष	02:14:50	00:07:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु			सिंह	14:29:15	00:00:13	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	14:29:15	00:00:13	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	18:50:57	00:00:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:19:52	00:00:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	13:28:06	00:01:28	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			मेष	25:16:49	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:54

लग्न-चलित

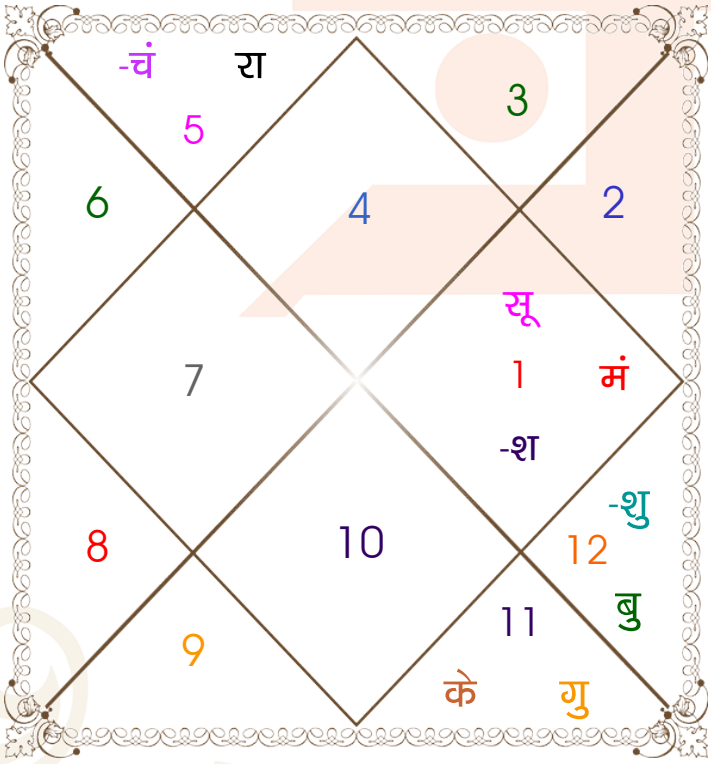

चन्द्र कुंडली

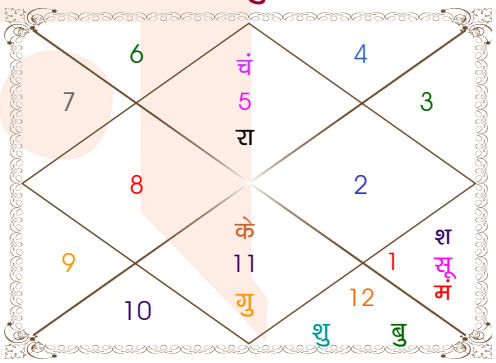

नवमांश कुंडली

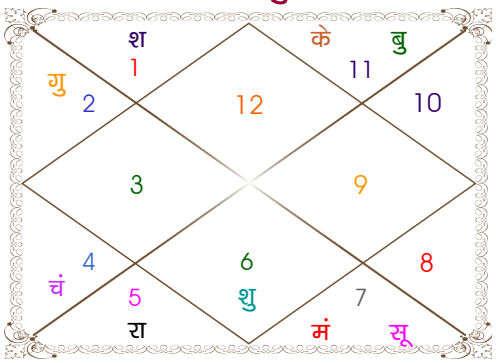

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	कर्क	12:51:04	कर्क	28:21:55
2	सिंह	12:51:04	सिंह	27:20:13
3	कन्या	11:49:22	कन्या	26:18:31
4	तुला	10:47:40	तुला	25:16:49
5	वृश्चिक	10:47:40	वृश्चिक	26:18:31
6	धनु	11:49:22	धनु	27:20:13
7	मकर	12:51:04	मकर	28:21:55
8	कुम्भ	12:51:04	कुम्भ	27:20:13
9	मीन	11:49:22	मीन	26:18:31
10	मेष	10:47:40	मेष	25:16:49
11	वृष	10:47:40	वृष	26:18:31
12	मिथुन	11:49:22	मिथुन	27:20:13

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कर्क	28:21:55
2	सिंह	23:37:53
3	कन्या	22:55:58
4	तुला	25:16:49
5	वृश्चिक	28:03:35
6	धनु	29:16:05
7	मकर	28:21:55
8	कुम्भ	23:37:53
9	मीन	22:55:58
10	मेष	25:16:49
11	वृष	28:03:35
12	मिथुन	29:16:05

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा

चलित कुंडली

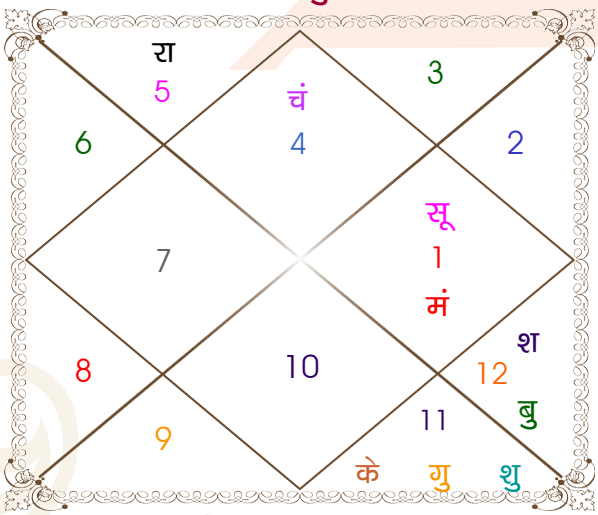

भाव कुंडली

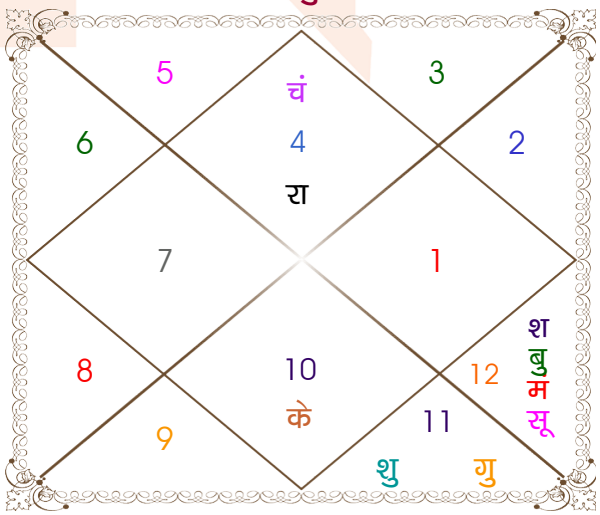

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	मातृ	पितृ	वृद्ध	दीप्त	भोजन	28.21	69 %
चंद्र	पुत्र	मातृ	कुमार	मुदित	नेत्रपाणि	4.06	11 %
मंगल	भ्रातृ	भ्रातृ	वृद्ध	विकल	शयन	0.00	40 %
बुध	अमात्य	ज्ञाति	बाल	भीत	सभा	0.31	24 %
गुरु	आत्मा	धन	मृत	निपीदित	कौतुक	2.40	37 %
शुक्र	ज्ञाति	कलत्र	वृद्ध	दीप्त	सभा	21.45	37 %
शनि	कलत्र	आयु	बाल	विकल	उपवेशन	0.20	25 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	खल	नेत्रपाणि	0.00	88 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	खल	सभा	0.00	88 %
कुल						56.62	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा
मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती
अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा

चलित कुंडली

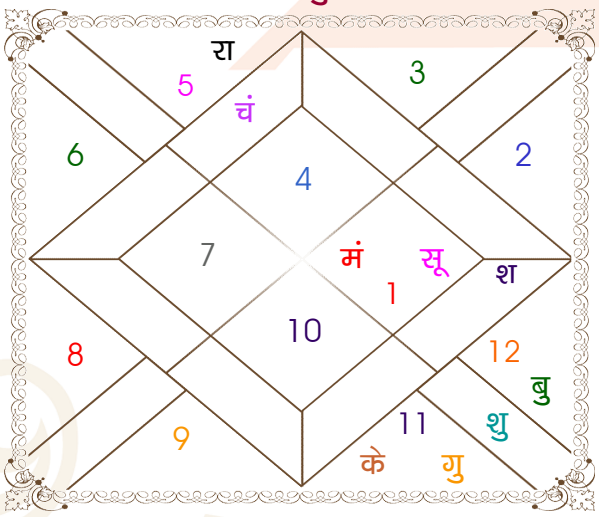

लग्न-चलित

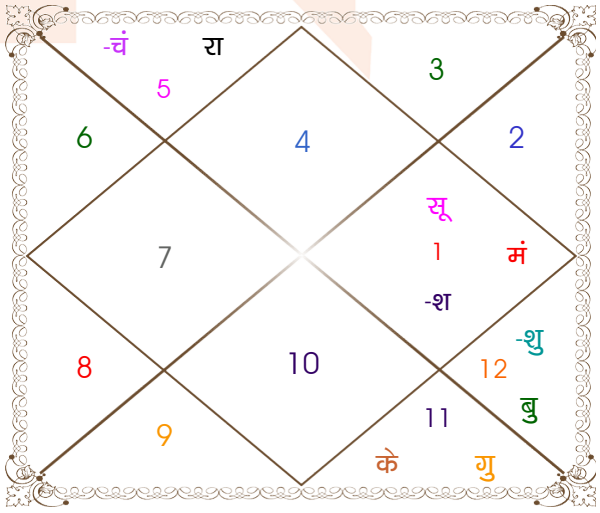

सुदर्शन चक्र

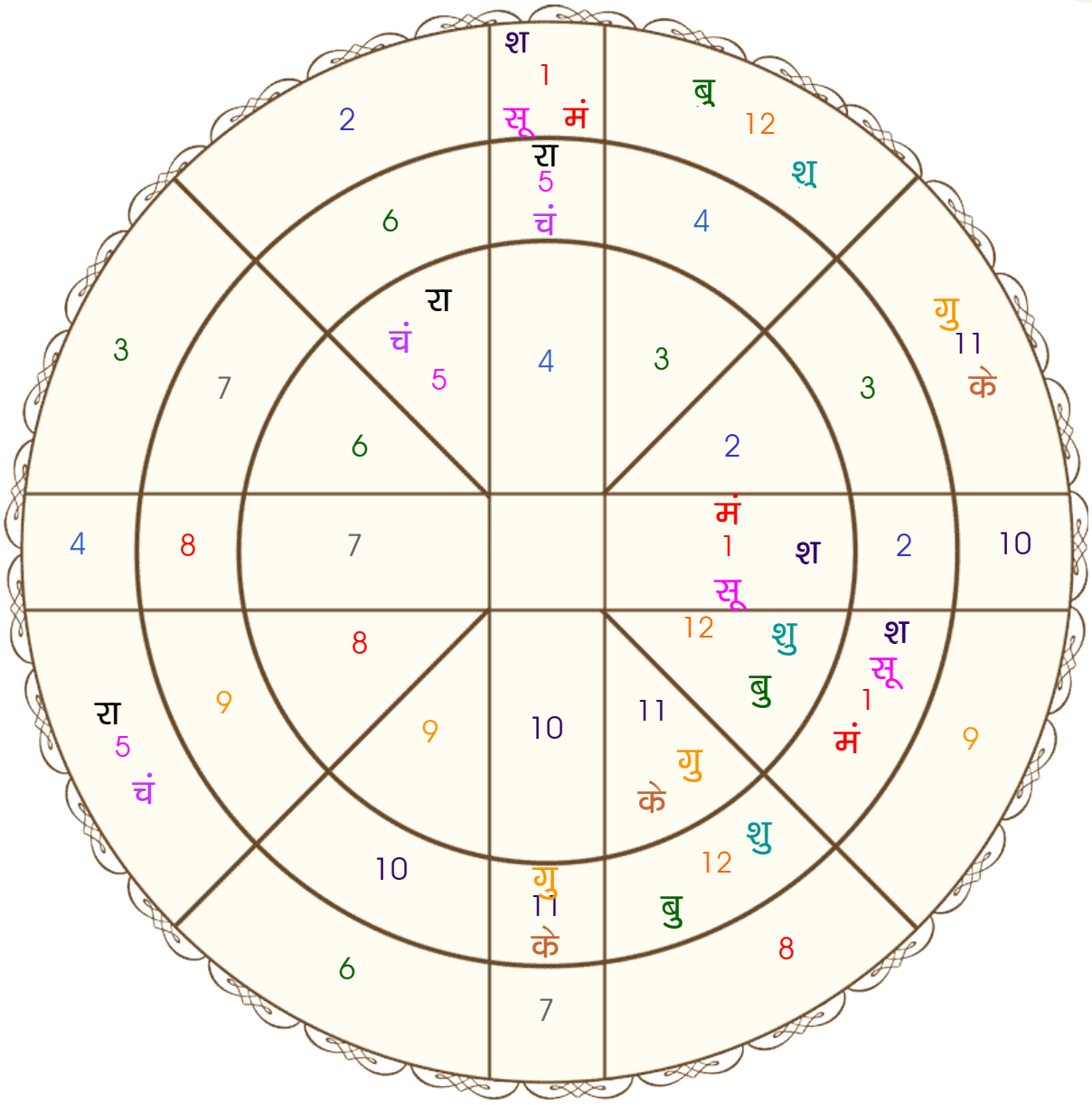

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 8 मास 24 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मेष	20:52:04	मंगल	शुक्र	गुरु	बुध
चंद्र		सिंह	11:56:13	सूर्य	केतु	बुध	शुक्र
मंगल		मेष	22:41:20	मंगल	शुक्र	शनि	शुक्र
बुध		मीन	24:18:26	गुरु	बुध	राहु	राहु
गुरु		कुंभ	26:37:20	शनि	गुरु	शुक्र	शुक्र
शुक्र		मीन	07:57:03	गुरु	शनि	केतु	शनि
शनि		मेष	02:20:57	मंगल	केतु	शुक्र	शनि
राहु		सिंह	14:35:22	सूर्य	शुक्र	शुक्र	गुरु
केतु		कुंभ	14:35:22	शनि	राहु	केतु	शुक्र
हर्ष		मक	18:57:04	शनि	चंद्र	बुध	राहु
नेप	व	मक	08:25:59	शनि	सूर्य	शुक्र	चंद्र
प्लूटो	व	वृश्चि	13:34:13	मंगल	शनि	राहु	शनि

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कर्क	28:28:02	चंद्र	बुध	शनि	बुध
2	सिंह	23:44:00	सूर्य	शुक्र	शनि	गुरु
3	कन्या	23:02:05	बुध	चंद्र	सूर्य	शनि
4	तुला	25:22:56	शुक्र	गुरु	बुध	गुरु
5	वृश्चि	28:09:42	मंगल	बुध	शनि	शनि
6	धनु	29:22:12	गुरु	सूर्य	राहु	राहु
7	मक	28:28:02	शनि	मंगल	शनि	बुध
8	कुंभ	23:44:00	शनि	गुरु	शनि	गुरु
9	मीन	23:02:05	गुरु	बुध	चंद्र	केतु
10	मेष	25:22:56	मंगल	शुक्र	बुध	गुरु
11	वृष	28:09:42	शुक्र	मंगल	शनि	शनि
12	मिथु	29:22:12	बुध	गुरु	सूर्य	शुक्र

के.पी. अयनांश : 23:43:47

फॉरच्युना : वृश्चिक 19:32:11

लग्न कुंडली

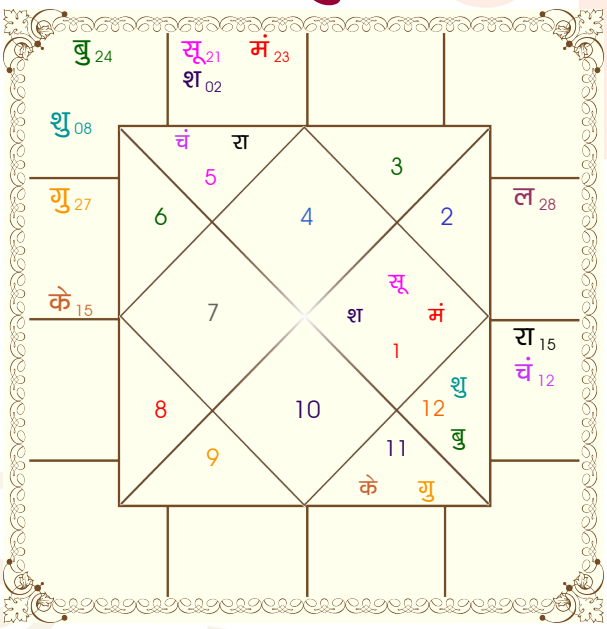

भाव कुंडली

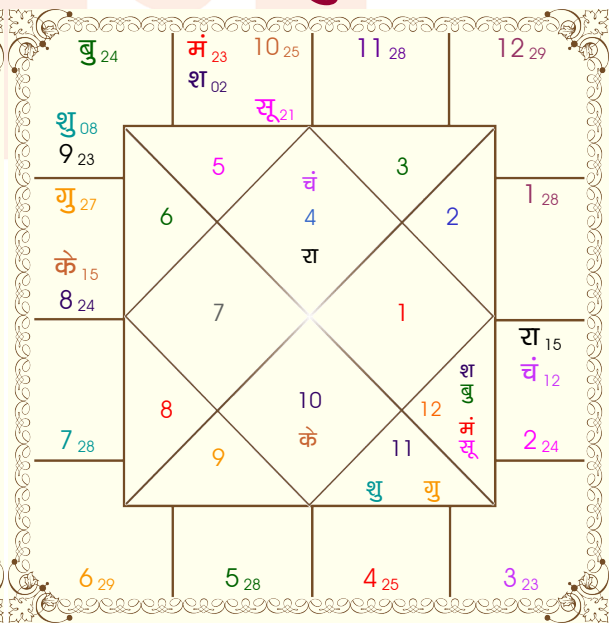

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, राहु, केतु,
2	सूर्य-
3	बुध,
4	सूर्य- मंगल- शुक्र- राहु-
5	मंगल-
6	गुरु,
7	चंद्र, शुक्र- शनि+ केतु,
8	सूर्य, मंगल, गुरु+ शुक्र+ शनि- राहु,
9	सूर्य, मंगल, बुध+ गुरु, शुक्र, शनि,
10	मंगल-
11	सूर्य- मंगल- शुक्र- राहु-
12	बुध,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 4- 8, 9, 11-
चंद्र	1, 7,
मंगल	4- 5- 8, 9, 10- 11-
बुध	3, 9+ 12,
गुरु	6, 8+ 9,
शुक्र	4- 7- 8+ 9, 11-
शनि	7+ 8- 9,
राहु	1, 4- 8, 11-
केतु	1, 7,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	बुध
लग्न राशि स्वामी	चन्द्र
राशि नक्षत्र स्वामी	केतु
राशि स्वामी	सूर्य
वार स्वामी	मंगल
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	बुध

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	के	चं रा	--	चं
2	--	--	--	सू
3	--	--	बु	बु
4	--	--	सू मं रा	शु
5	--	--	--	मं
6	--	--	गु	गु
7	चं श	के	शु	श
8	सू मं गु रा	गु शु	शु	श
9	बु शु	सू मं बु श	गु	गु
10	--	--	--	मं
11	--	--	सू मं रा	शु
12	--	--	बु	बु

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	2	6	मेष	9
चंद्र	1	3	सिंह	1
मंगल	5,10	7,11	मेष	9
बुध	3,12	1,5,9	मीन	9
गुरु	6,9	4,8,12	कुम्भ	8
शुक्र	4,11	2,10	मीन	8
शनि	7,8	---	मेष	9
राहु	---	---	सिंह	1
केतु	---	---	कुम्भ	7

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	4,11	2,10	8	6,9	4,8,12	8
चंद्र	---	---	7	3,12	1,5,9	9
मंगल	4,11	2,10	8	7,8	---	9
बुध	3,12	1,5,9	9	---	---	1
गुरु	6,9	4,8,12	8	4,11	2,10	8
शुक्र	7,8	---	9	---	---	7
शनि	---	---	7	4,11	2,10	8
राहु	4,11	2,10	8	4,11	2,10	8
केतु	---	---	1	---	---	7

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य 20.77	चंद्र 131.84	मंगल 22.59	बुध 354.21	गुरु 326.52	शुक्र 337.85	शनि 2.25	राहु 134.49	केतु 314.49	हर्ष 288.85	नेप 278.33	प्लूटो 223.47
सूर्य 20.77	-- 0.00	-- 0.00	युति 9.82	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00
चंद्र 131.84	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	सप्त 0.33	-- 0.00	-- 0.00	युति 9.62	सप्त 9.62	-- 0.00	-- 0.00	चतु 2.73
मंगल 22.59	युति 9.82	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	8वां 5.78
बुध 354.21	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	युति 6.66	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00
गुरु 326.52	तृती 0.19	सप्त 0.33	तृती 1.55	-- 0.00	-- 0.00	युति 3.75	-- 0.00	सप्त 3.06	युति 3.06	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00
शुक्र 337.85	-- 0.00	-- 0.00	अष्ट 0.92	-- 0.00	युति 3.75	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00
शनि 2.25	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	युति 6.66	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	10वा 8.04	-- 0.00
राहु 134.49	-- 0.00	युति 9.62	-- 0.00	-- 0.00	सप्त 3.06	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	सप्त 10.00	-- 0.00	-- 0.00	चतु 2.89
केतु 314.49	-- 0.00	सप्त 9.62	-- 0.00	नवां 0.90	युति 3.06	-- 0.00	-- 0.00	सप्त 10.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00
हर्ष 288.85	चतु 2.63	-- 0.00	चतु 1.67	तृती 0.50	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	युति 4.52	-- 0.00
नेप 278.33	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	तृती 2.98	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	युति 4.52	-- 0.00	-- 0.00
प्लूटो 223.47	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	-- 0.00	पंच 0.30	-- 0.00	-- 0.00	चतु 2.89	तृती 0.48	तृती 0.67	-- 0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	118.37	147.34	176.31	205.28	236.31	267.34	298.37	327.34	356.31	25.28	56.31	87.34
सूर्य	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--
20.77	0.00	0.00	0.00	8.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.90	0.00	0.00
चंद्र	युति	--	अष्ट	--	--	अष्टां	सप्त	--	--	--	--	--
131.84	1.60	0.00	0.68	0.00	0.00	0.70	1.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	4था	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति	--	तृती
22.59	8.22	0.96	0.00	9.60	9.25	0.00	0.00	0.00	0.00	9.60	0.00	0.96
बुध	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु
354.21	1.39	0.00	9.76	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.76	0.00	2.56	2.05
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	5वां
326.52	0.00	9.96	0.00	9.92	0.00	0.00	0.00	9.96	0.00	2.84	3.00	9.96
शुक्र	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
337.85	0.00	4.53	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.53	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	पंच	--	सप्त	--	--	10वा	--	--	युति	--	3रा	चतु
2.25	1.58	0.00	8.13	0.00	0.00	8.71	0.00	0.00	8.13	0.00	8.13	0.84
राहु	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
134.49	0.00	2.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
314.49	0.00	2.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.23	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--
288.85	5.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त
278.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.07
प्लूटो	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--
223.47	0.00	0.00	0.00	0.00	2.24	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.24	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	118.37	143.63	172.93	205.28	238.06	269.27	298.37	323.63	352.93	25.28	58.06	89.27
सूर्य	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--
20.77	0.00	2.19	0.00	8.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.90	0.00	0.00
चंद्र	युति	--	--	--	--	--	सप्त	सप्त	--	--	--	--
131.84	1.60	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.60	3.29	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	4था	पंच	--	सप्त	8वां	--	--	--	--	युति	--	--
22.59	8.22	2.89	0.00	9.60	8.40	0.00	0.00	0.00	0.00	9.60	0.00	0.00
बुध	पंच	षष्ठ	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु
354.21	1.39	0.62	9.91	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.91	0.00	1.60	0.73
गुरु	--	सप्त	--	9वां	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	5वां
326.52	0.00	9.55	0.00	9.92	0.00	0.00	0.00	9.55	0.00	2.84	2.76	9.59
शुक्र	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--
337.85	0.00	0.82	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.82	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	पंच	--	सप्त	--	--	10वा	--	--	युति	--	3रा	चतु
2.25	1.58	0.00	5.61	0.00	0.00	9.52	0.00	0.00	5.61	0.00	9.05	2.13
राहु	--	युति	--	--	--	अष्टां	--	--	--	--	--	--
134.49	0.00	5.76	0.00	0.00	0.00	0.94	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	अष्टां
314.49	0.00	5.76	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.76	0.00	0.00	0.00	0.94
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	--	--
288.85	5.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.43	0.00	1.44	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	--	--	--	युति	--	अष्ट	--	--	--	सप्त
278.33	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.82	0.00	0.89	0.00	0.00	0.00	5.82
प्लूटो	--	--	--	--	युति	अष्ट	--	--	--	--	सप्त	--
223.47	0.00	0.00	0.00	0.00	0.43	0.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.43	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

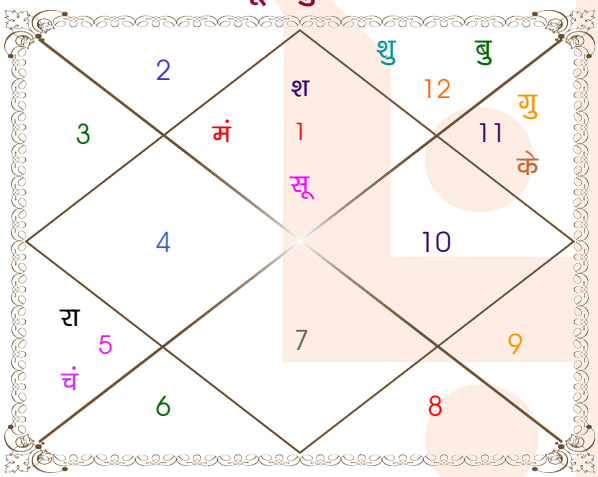

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

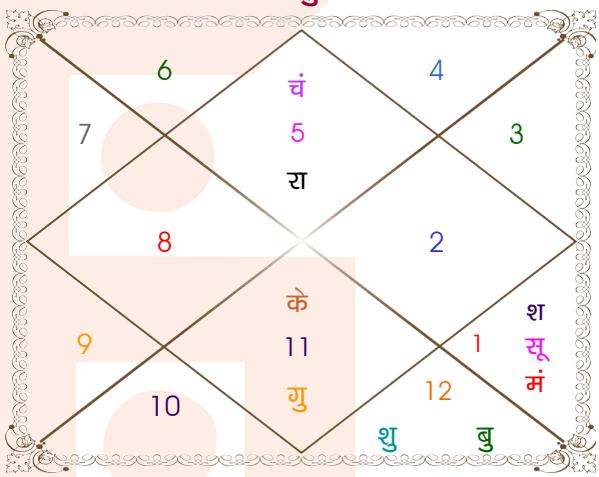

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

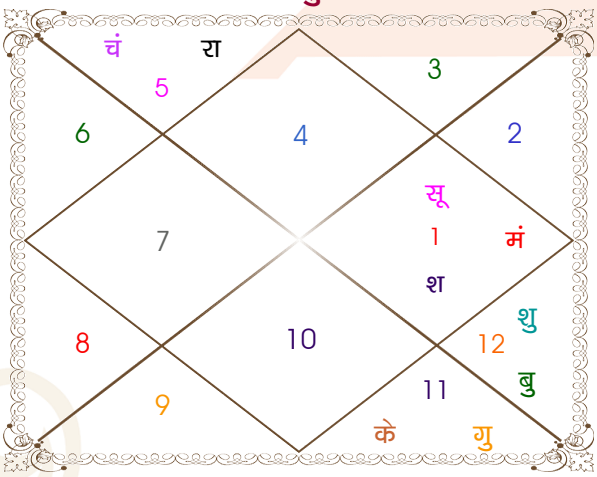

देह विचारः

होरा कुंडली

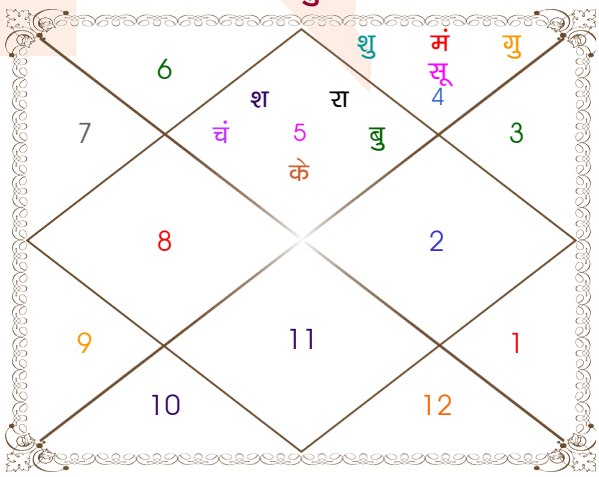

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

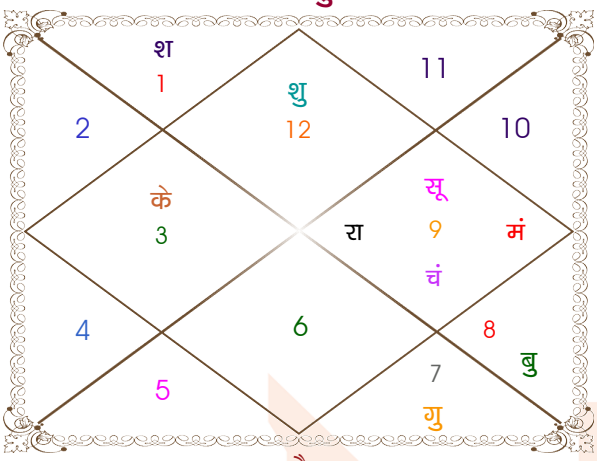

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

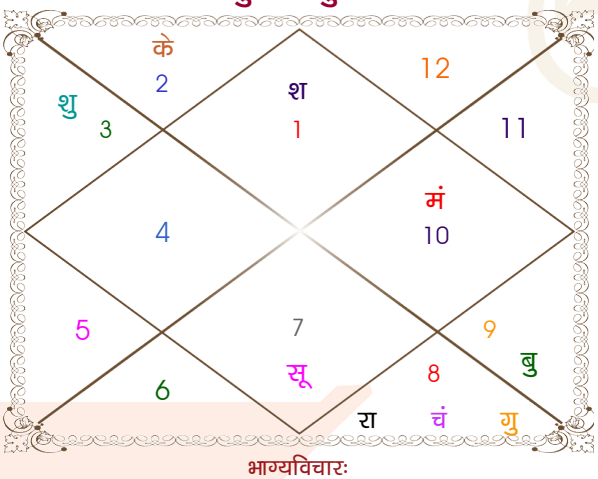

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

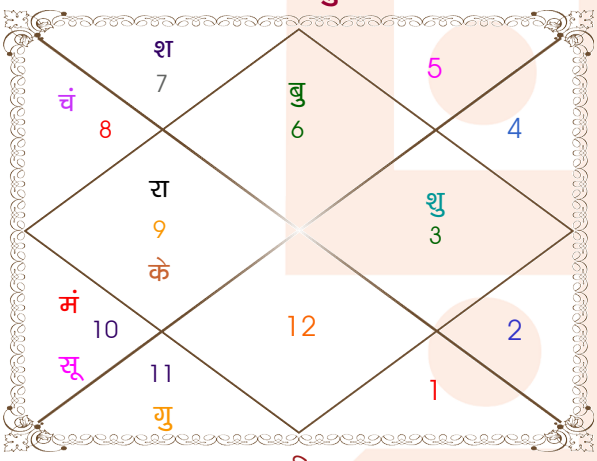

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

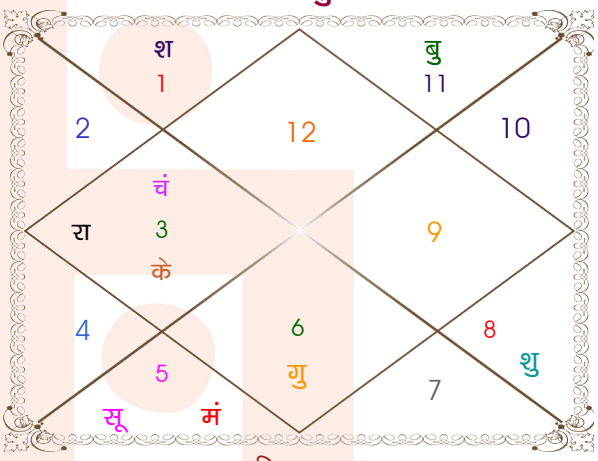

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

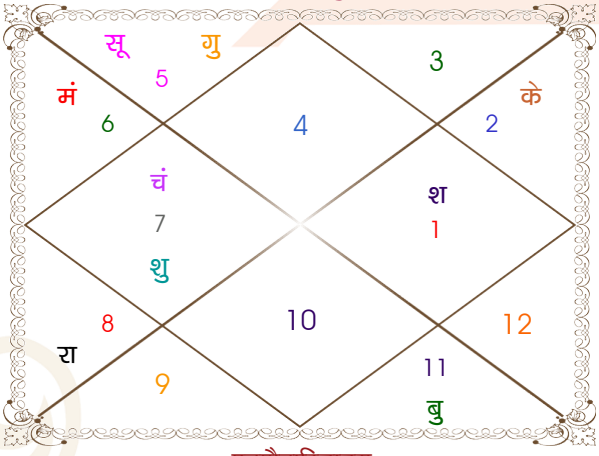

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

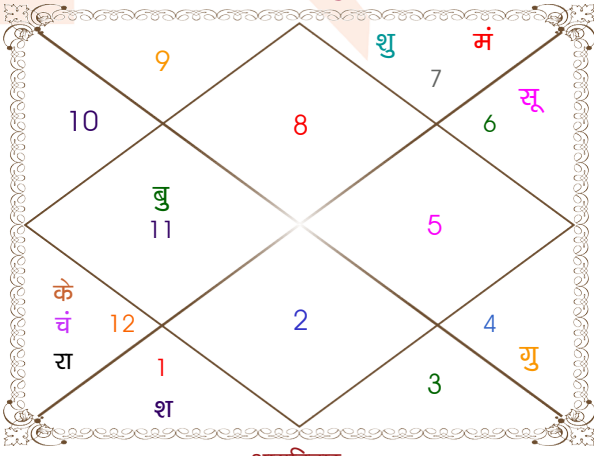

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

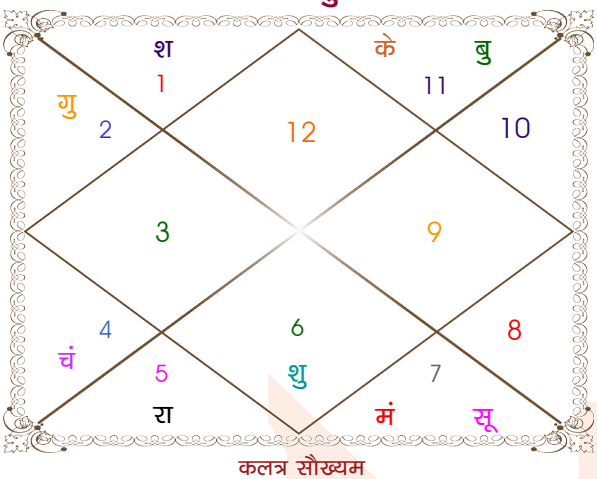

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

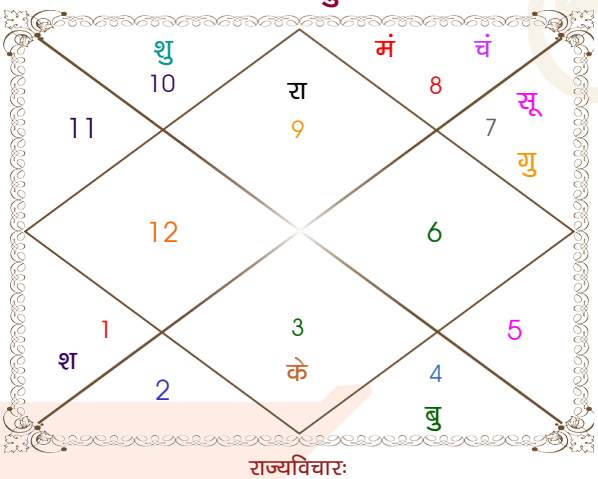

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

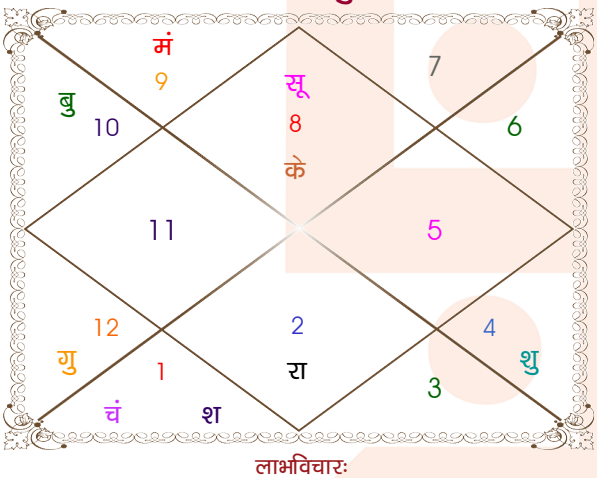

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

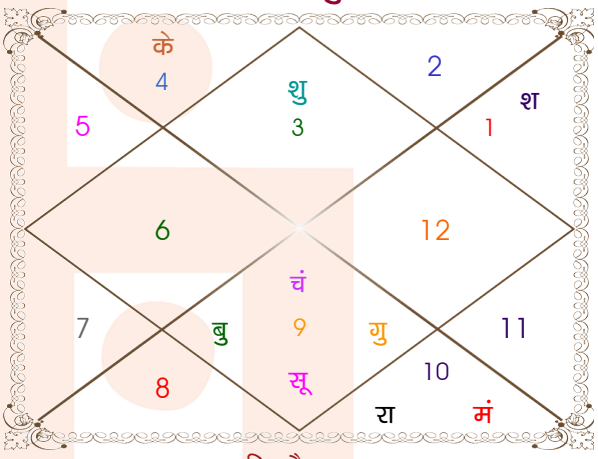

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

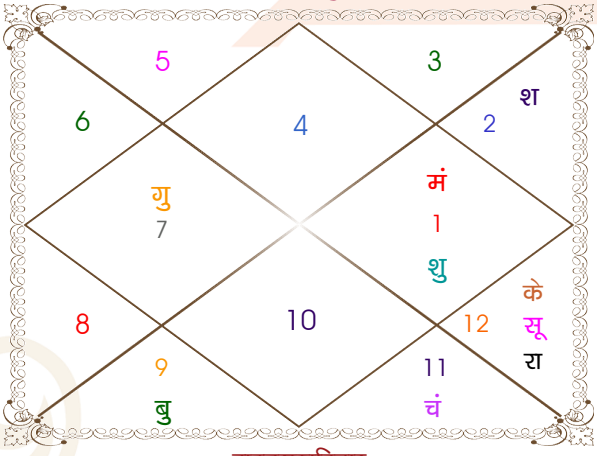

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

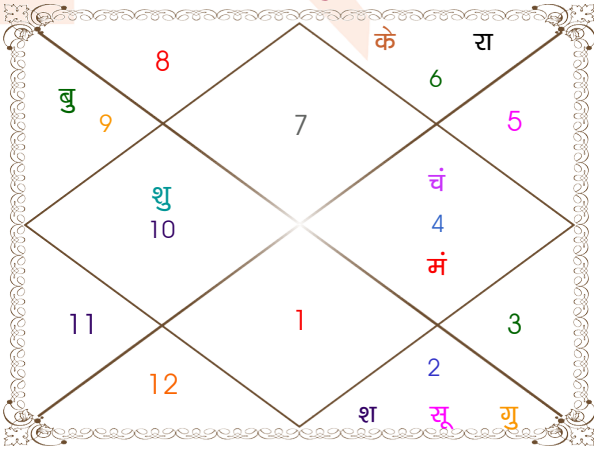

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

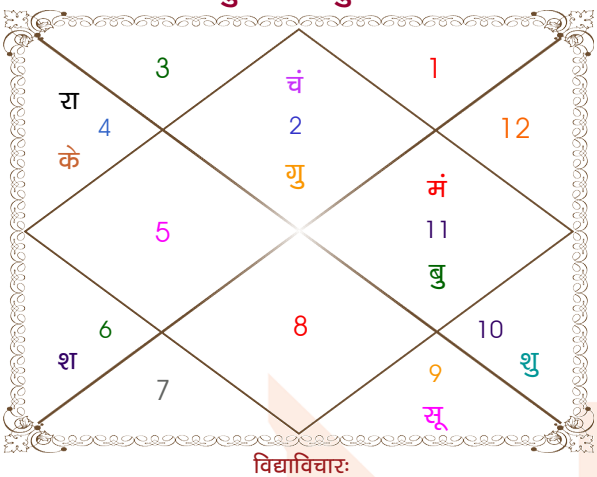

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

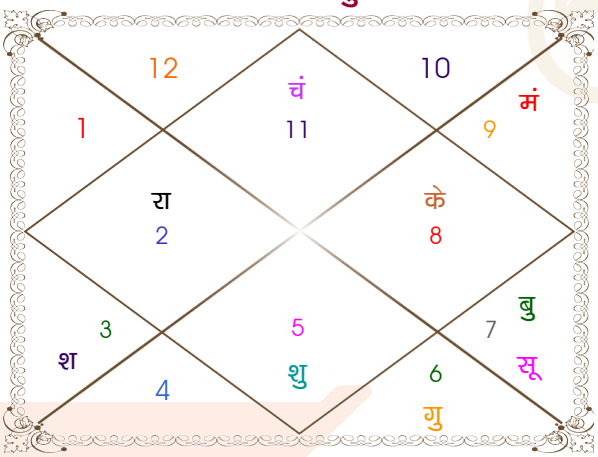

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

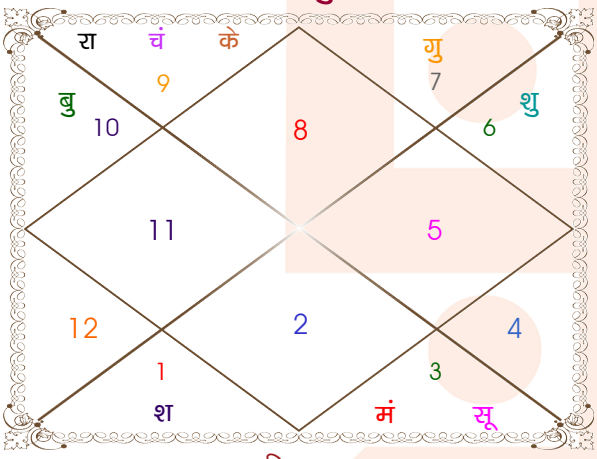

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

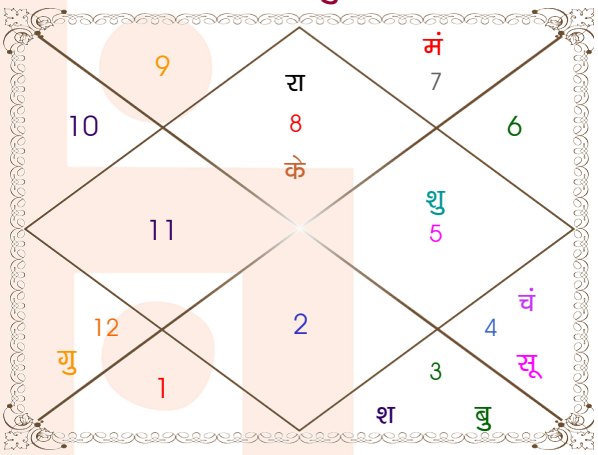

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

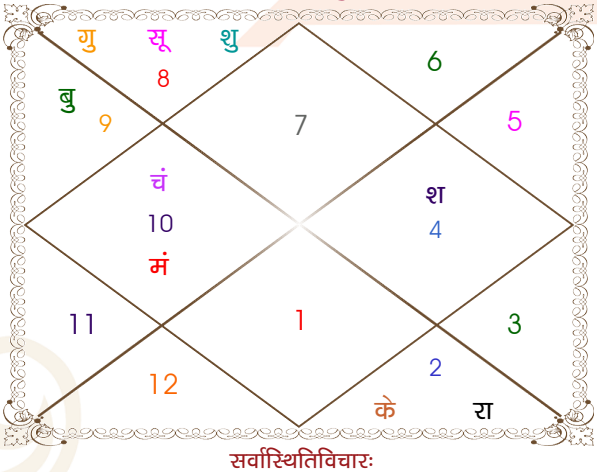

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

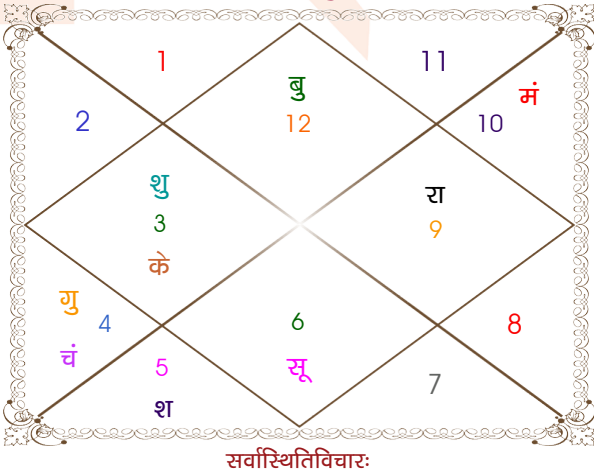

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	कर्क	मेष	सिंह	मेष	मीन	कुंभ	मीन	मेष	सिंह	कुंभ
होरा	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	मीन	धनु	धनु	धनु	वृश्चि	तुला	मीन	मेष	धनु	मिथु
चतुर्थांश	मेष	तुला	वृश्चि	मक	धनु	वृश्चि	मिथु	मेष	वृश्चि	वृष
सप्तमांश	कर्क	सिंह	तुला	कन्या	कुंभ	सिंह	तुला	मेष	वृश्चि	वृष
नवमांश	मीन	तुला	कर्क	तुला	कुंभ	वृष	कन्या	मेष	सिंह	कुंभ
दशमांश	धनु	तुला	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	तुला	मक	मेष	धनु	मिथु
द्वादशांश	मिथु	धनु	धनु	मक	धनु	धनु	मिथु	मेष	मक	कर्क
षोडशांश	कर्क	मीन	कुंभ	मेष	धनु	तुला	मेष	वृष	मीन	मीन
विंशांश	तुला	वृष	कर्क	कर्क	धनु	वृष	मक	वृष	कन्या	कन्या
चतुर्विंशांश	वृष	धनु	वृष	कुंभ	कुंभ	वृष	मक	कन्या	कर्क	कर्क
सप्तविंशांश	कुंभ	तुला	कुंभ	धनु	तुला	कन्या	सिंह	मिथु	वृष	वृश्चि
त्रिंशांश	वृश्चि	मिथु	धनु	मिथु	मक	तुला	कन्या	मेष	धनु	धनु
खवेदांश	वृश्चि	कर्क	कर्क	तुला	मिथु	मीन	सिंह	मिथु	वृश्चि	वृश्चि
अक्षवेदांश	तुला	वृश्चि	मक	मक	धनु	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	वृष	वृष
षष्ट्यंश	मीन	कन्या	कर्क	मक	मीन	कर्क	मिथु	सिंह	धनु	मिथु

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	2 भेदक
चन्द्र	1 ---	1 ---	2 पारिजात	5 कन्दुक
मंगल	2 किंसुक	2 किंसुक	5 सिंहान	7 कल्पवृक्ष
बुध	0 ---	0 ---	0 ---	1 ---
गुरु	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	4 नागपुष्प
शुक्र	2 किंसुक	3 व्यंजन	3 उत्तम	3 कुसुम
शनि	0 ---	0 ---	0 ---	0 ---
राहु	0 ---	0 ---	0 ---	1 ---
केतु	1 ---	1 ---	2 पारिजात	2 भेदक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	12.65	11.45	15.55	15.30	12.50	12.00	5.00	6.00	10.35
सप्तवर्ग	13.50	10.98	14.53	15.30	13.25	12.75	5.00	5.90	11.10
दशवर्ग	14.18	11.90	13.00	14.48	12.10	12.48	5.98	6.48	11.78
षोडशवर्ग	13.10	12.88	13.58	14.90	11.98	12.35	7.60	6.28	11.80

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	शत्रु	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु
केतु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	---	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु
मंगल	सम	सम	---	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	अतिमित्र	अधिशत्रु	मित्र	---	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	सम	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	अधिशत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	अतिमित्र	सम	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	---	सम	सम
राहु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	अधिशत्रु	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	56	27	32	3	17	54	6
सप्तवर्गज बल	113	60	109	113	98	84	13
ओजयुग्मक बल	30	15	30	15	15	30	30
केन्द्र बल	60	30	60	15	30	15	60
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल स्थान बल	259	132	231	146	160	183	109
कुल दिग्बल	58	36	59	19	9	16	39
नतोन्नत बल	58	2	2	60	58	58	2
पक्ष बल	23	74	23	37	37	37	23
त्रिभाग बल	60	0	0	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	15	0	0
मास बल	0	0	30	0	0	0	0
वार बल	0	0	45	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	102	18	52	39	25	31	17
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	244	93	151	136	255	126	41
कुल चेष्टाबल	0	0	1	32	18	30	6
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	11	-14	11	10	13	12	9
कुल षट्बल	632	299	470	368	490	410	213
रूप षट्बल	10.5	5.0	7.8	6.1	8.2	6.8	3.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	2.1	0.8	1.6	0.9	1.3	1.2	0.7
संबंधित पद	1	6	2	5	3	4	7

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	50.31	31.65	4.69	9.86	17.80	40.25	5.73
कष्ट फल	7.37	27.51	40.89	40.16	42.18	13.79	54.26

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	299	632	368	410	470	490	213	213	490	470	410	368
भावदिग्बल	30	20	40	30	40	20	30	10	10	60	50	50
भावदृष्टि बल	-1	62	102	50	55	0	-9	13	9	23	68	80
कुल भाव बल	328	714	509	490	565	511	233	236	510	553	528	497
रूप भाव बल	5.5	11.9	8.5	8.2	9.4	8.5	3.9	3.9	8.5	9.2	8.8	8.3
संबंधित पद	10	1	7	9	2	5	12	11	6	3	4	8

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

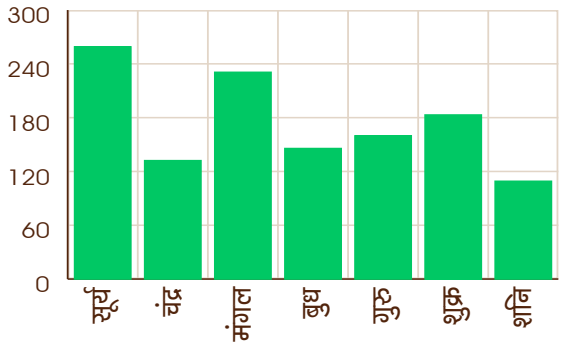

दिग्बल

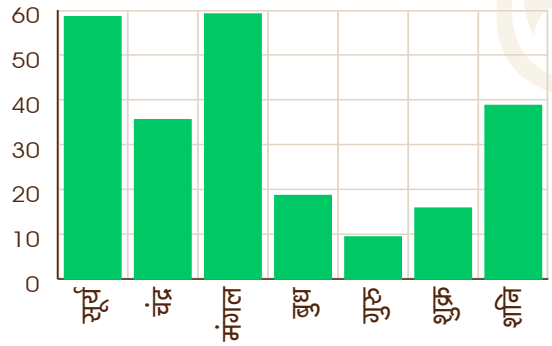

कालबल

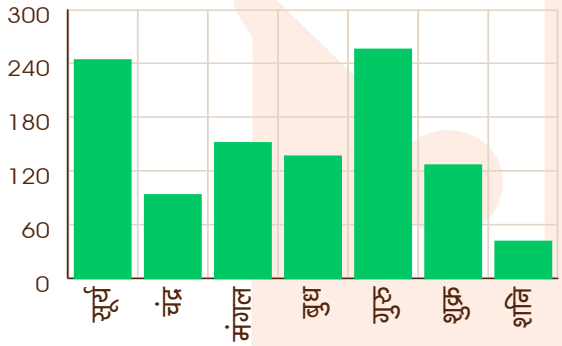

चेष्टाबल

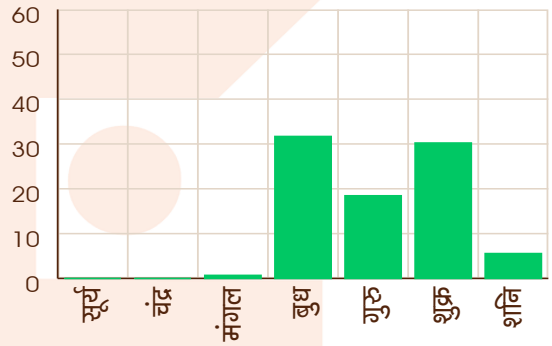

नैसर्गिक बल

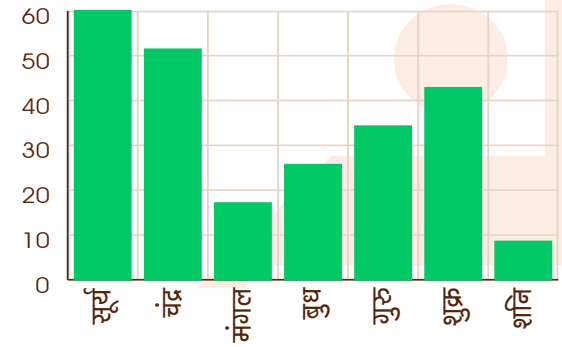

दृग्बल

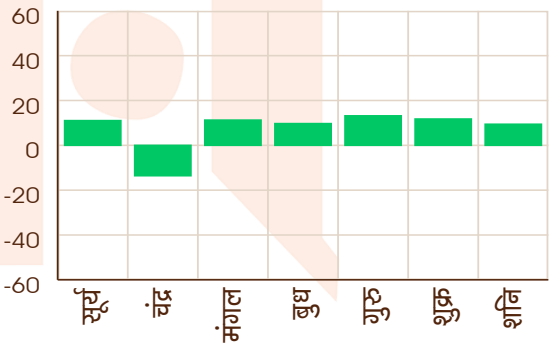

रूप षट्बल

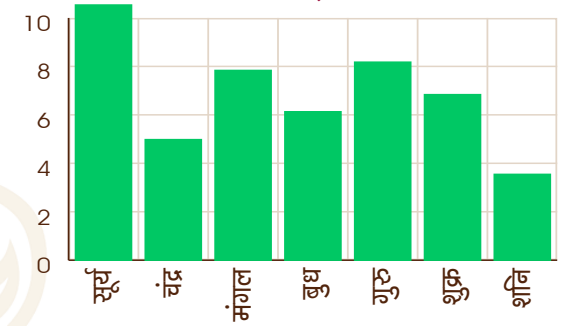

न्यूनतम षट्बल

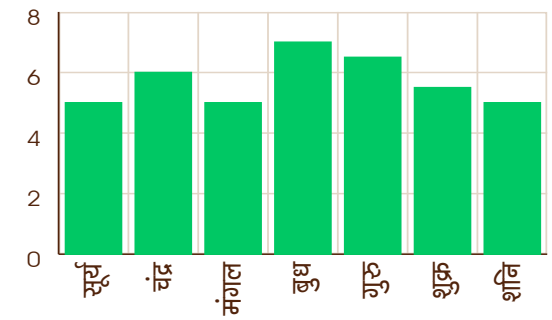

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

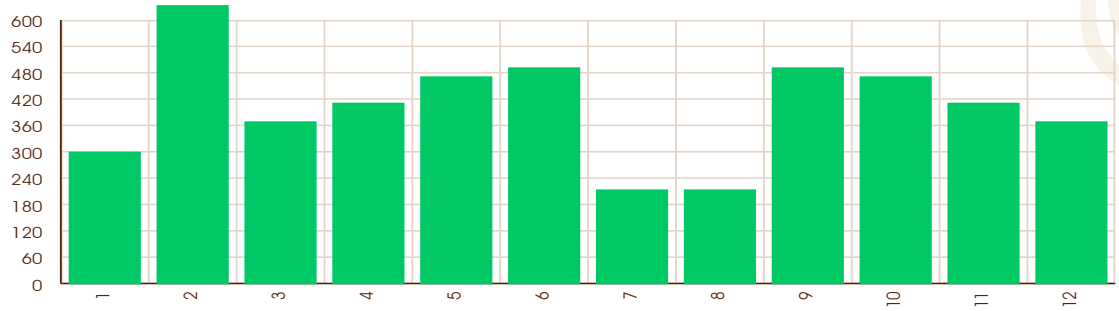

भावदिग्बल

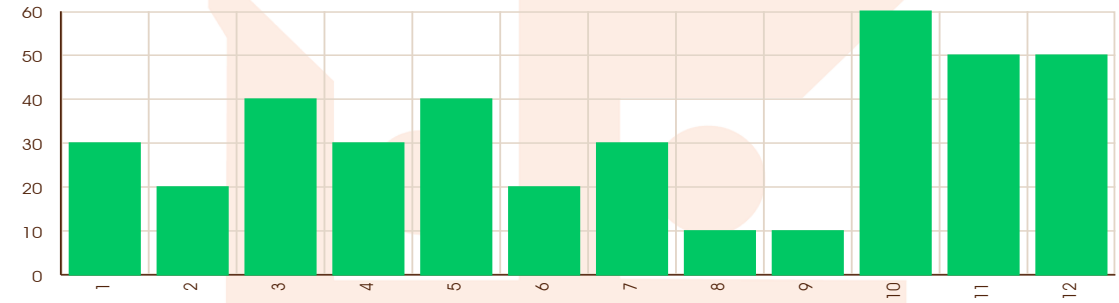

भावदृष्टि बल

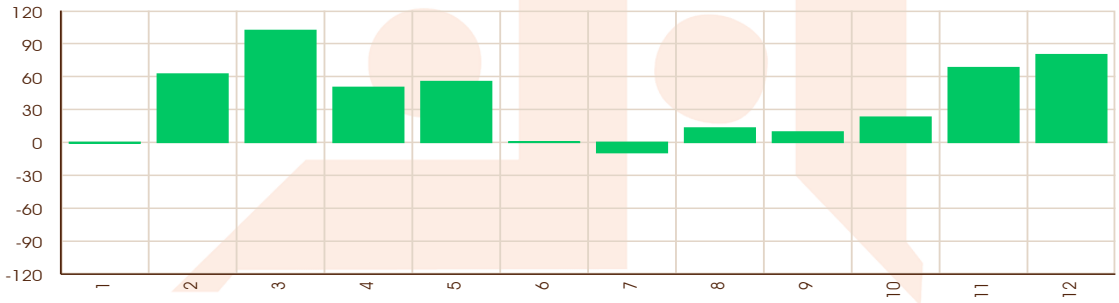

भाव बल

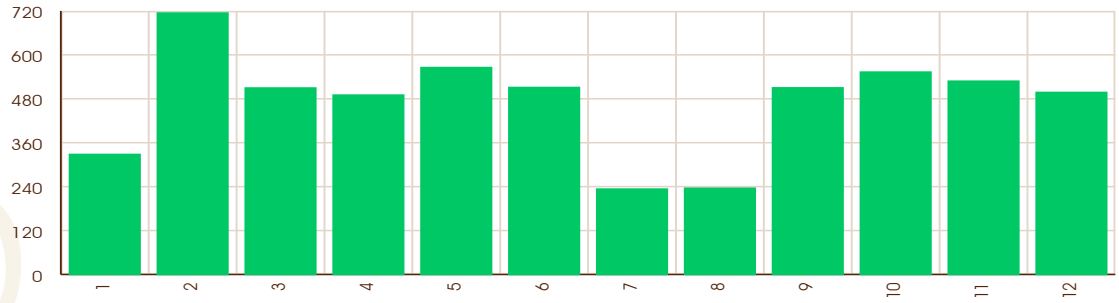

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

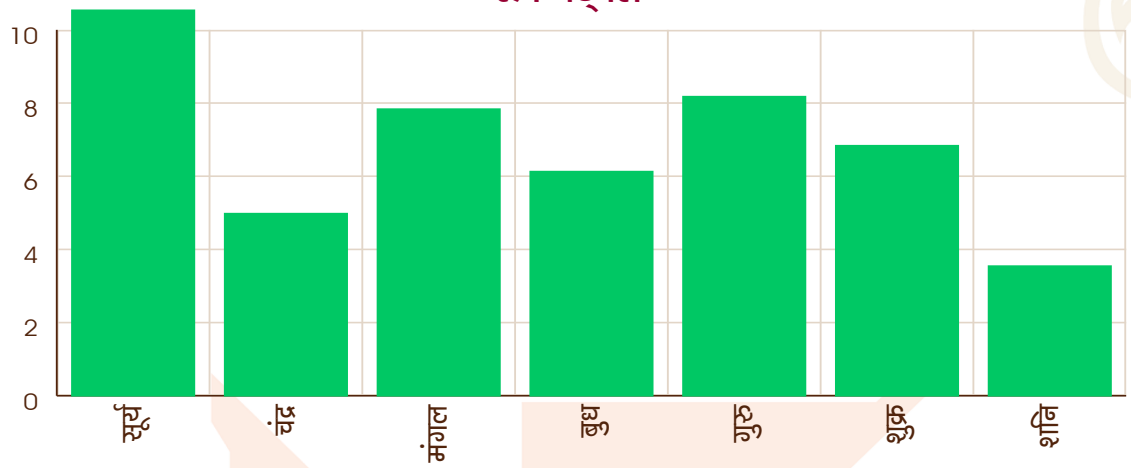

इष्ट - कष्ट फल

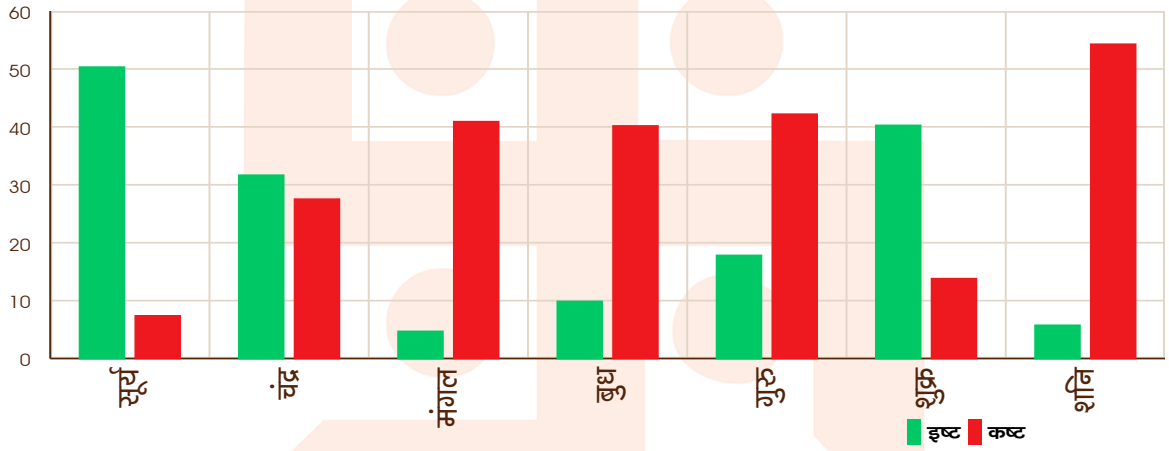

रूप भाव बल

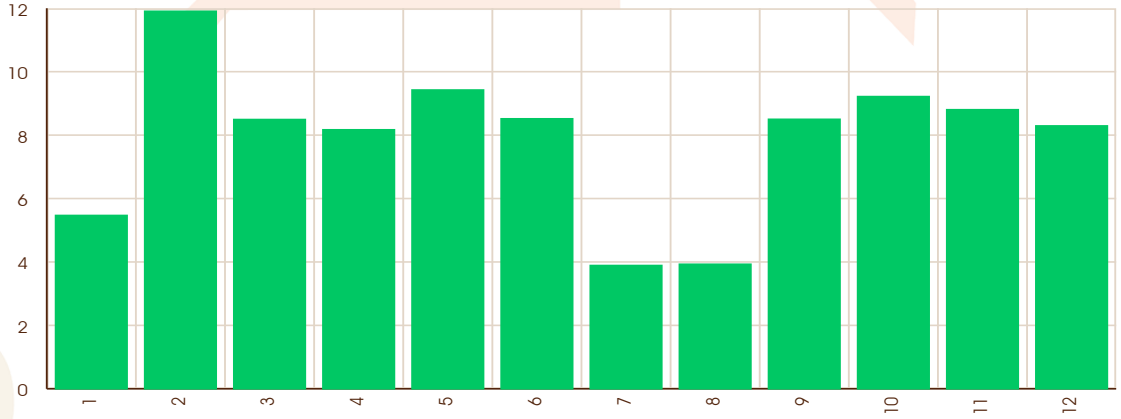

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	कर्क	28:21:55	--	--	आश्लेषा	4	9
गुलिक	गु	सिंह	16:12:40	--	--	पू०फाल्गुनी	1	11
काल	का	कन्या	08:15:24	--	--	उ०फाल्गुनी	4	12
मृत्यु	मृ	वृष	17:43:02	--	--	रोहिणी	3	4
यमघंटक	यम	कर्क	03:10:06	--	--	पुनर्वसु	4	7
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मिथु	11:33:47	--	मूल	आर्द्रा	2	6
धूम	धू	कन्या	04:05:57	--	--	उ०फाल्गुनी	3	12
व्यतिपात	व्य	तुला	25:54:03	--	--	विशाखा	2	16
परिवेश	परि	मेष	25:54:03	--	--	भरणी	4	2
इन्द्रचाप	इ	मीन	04:05:57	--	--	उ०भाद्रपद	1	26
उपकेतु	उप	मीन	20:45:57	--	--	रेवती	2	27

प्राणपद	:	कुंभ	12:11:57	कारकाँश लग्न	:	वृष	28:40:59
भाव लग्न	:	वृश्चि	12:56:13	होरा लग्न	:	कुंभ	27:30:31
घटी लग्न	:	तुला	03:37:27	वर्णद लग्न	:	मिथु	25:52:27

उपग्रह कुंडली

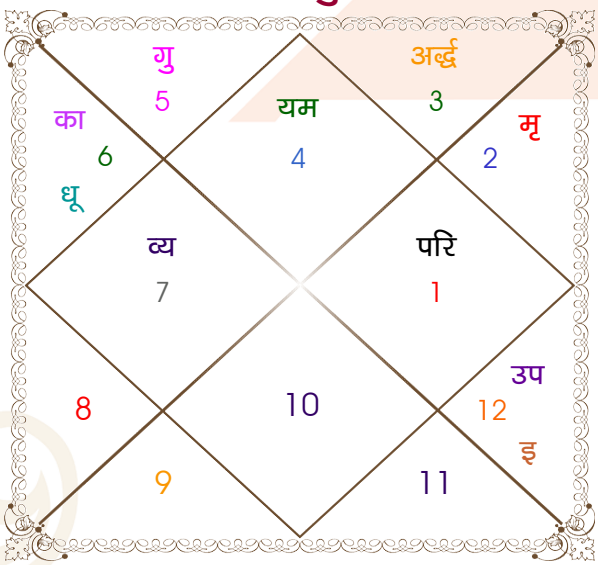

आरूढ़ कुंडली

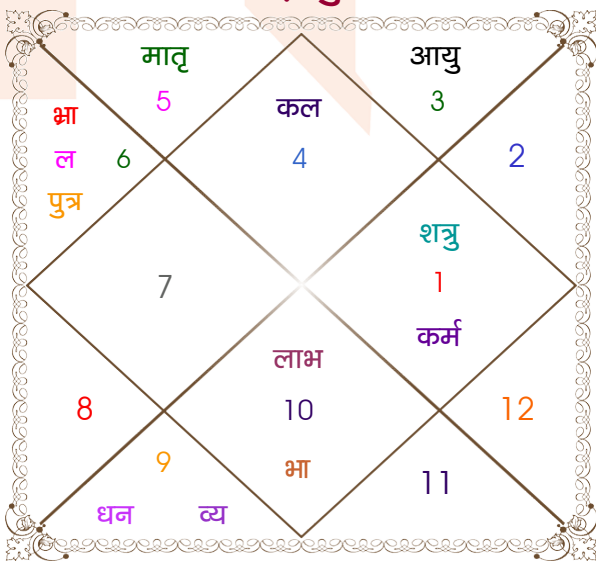

षन्नाडी चक्र

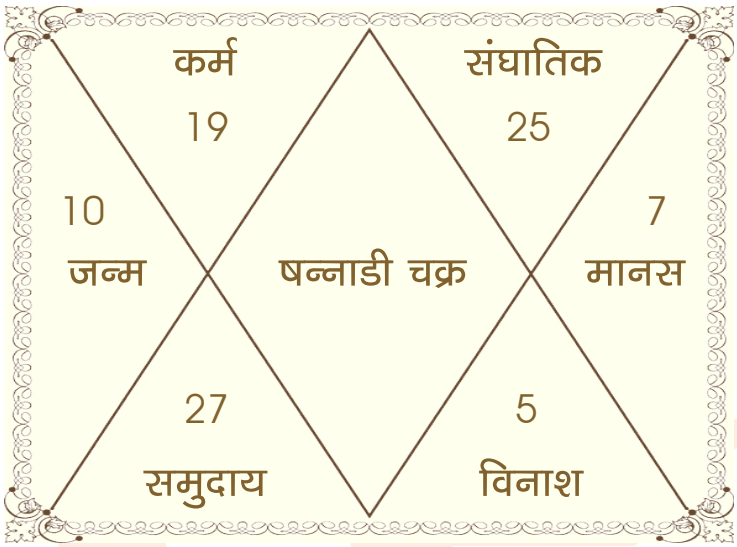

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुंडली	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु
गुरु कुंडली	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध
केतु कुंडली	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु
गुरु कुंडली	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु
केतु कुंडली	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु
गुरु कुंडली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
चंद्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	6
कुल	4	6	3	5	2	2	6	4	6	5	5	0	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	कुल
शनि	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
मंगल	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	0	6
सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	7
बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	4
कुल	4	7	3	3	4	5	5	2	2	6	6	2	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	5
शुक्र	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
बुध	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	5
कुल	3	3	2	5	3	2	4	3	3	7	4	0	39

बुध का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
गुरु	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	6
लग्न	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
कुल	4	4	6	2	6	3	3	4	5	6	6	5	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	9
शुक्र	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	6
बुध	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
कुल	4	4	7	4	4	5	5	3	3	6	6	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	7
गुरु	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	5
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	9
लग्न	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
कुल	5	2	3	5	6	4	4	4	7	5	3	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	3
बुध	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	6
चंद्र	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
कुल	2	2	4	3	4	3	4	2	3	6	5	1	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	6
गुरु	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
मंगल	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	5
सूर्य	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	6
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	7
बुध	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
चंद्र	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	5	2	4	4	2	3	5	4	4	5	4	7	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	2	4	3	4	3	4	2	3	6	5	1	39
गुरु	7	4	4	5	5	3	3	6	6	5	4	4	56
मंगल	3	3	2	5	3	2	4	3	3	7	4	0	39
सूर्य	4	6	3	5	2	2	6	4	6	5	5	0	48
शुक्र	2	3	5	6	4	4	4	7	5	3	4	5	52
बुध	4	6	2	6	3	3	4	5	6	6	5	4	54
चंद्र	2	6	6	2	4	7	3	3	4	5	5	2	49
बिन्दु	24	30	26	32	25	24	28	30	33	37	32	16	337
रेखा	32	26	30	24	31	32	28	26	23	19	24	40	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	0	2	2	1	0	1	1	4	1	0	12
गुरु	2	1	1	1	0	0	0	2	1	2	1	0	11
मंगल	0	1	0	5	0	0	2	3	0	5	2	0	18
सूर्य	2	4	0	5	0	0	3	4	4	3	2	0	27
शुक्र	0	0	1	1	2	1	0	2	3	0	0	0	10
बुध	1	3	0	2	0	0	2	1	3	3	3	0	18
चंद्र	0	1	3	0	2	2	0	1	2	0	2	0	13
रेखा	5	10	5	16	6	4	7	14	14	17	11	0	109

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	कर्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	0	2	2	1	0	1	1	3	1	0	11
गुरु	2	1	1	1	0	0	0	0	1	1	1	0	8
मंगल	0	1	0	5	0	0	1	3	0	3	2	0	15
सूर्य	2	1	0	5	0	0	3	2	4	1	2	0	20
शुक्र	0	0	0	1	2	0	0	2	3	0	0	0	8
बुध	1	1	0	2	0	0	2	0	3	0	3	0	12
चंद्र	0	1	1	0	2	2	0	1	2	0	2	0	11
रेखा	5	5	2	16	6	3	6	9	14	8	11	0	85

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	144	96	98	99	61	67	76
ग्रह पिंड	56	30	20	48	46	10	20
शोध्य पिंड	200	126	118	147	107	77	96

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

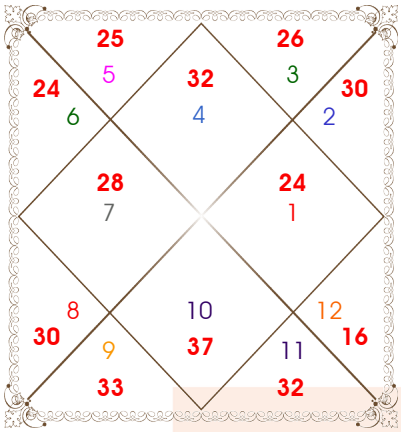

सूर्य का अष्टकवर्ग

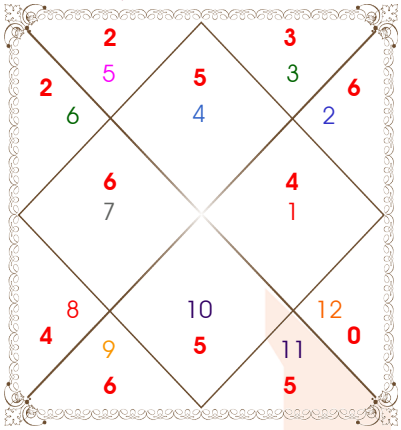

चंद्र का अष्टकवर्ग

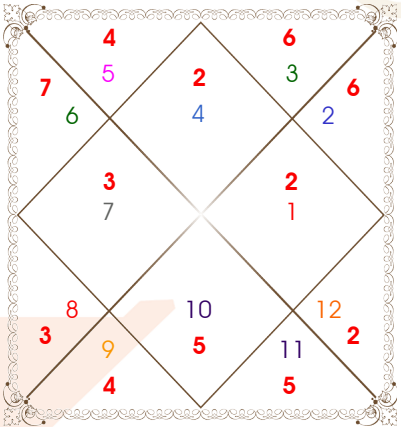

मंगल का अष्टकवर्ग

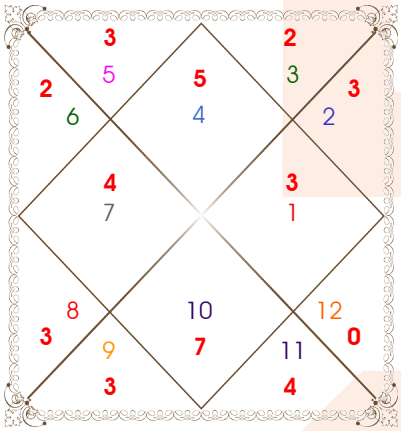

बुध का अष्टकवर्ग

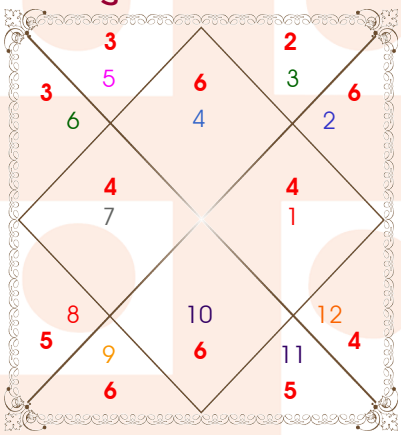

गुरू का अष्टकवर्ग

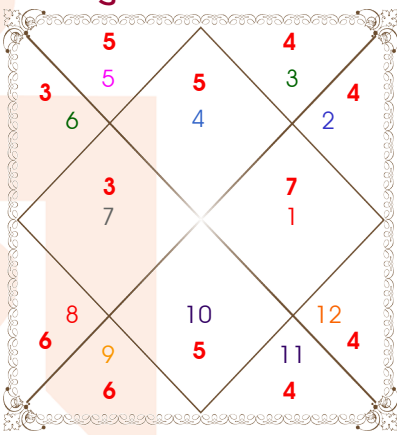

शुक्र का अष्टकवर्ग

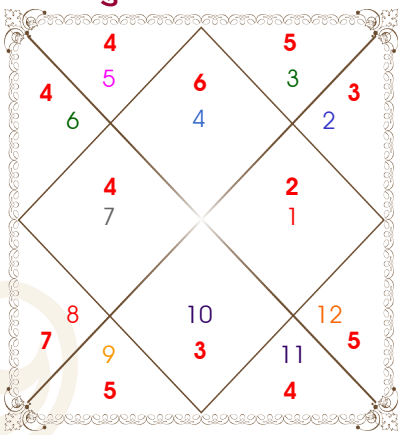

शनि का अष्टकवर्ग

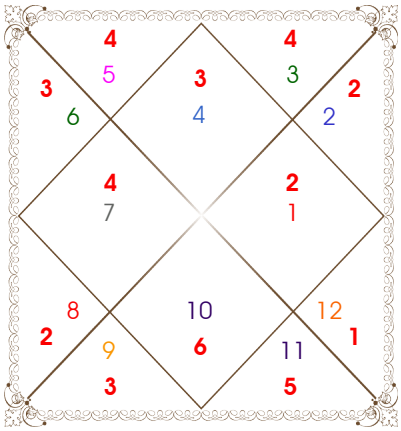

लग्न का अष्टकवर्ग

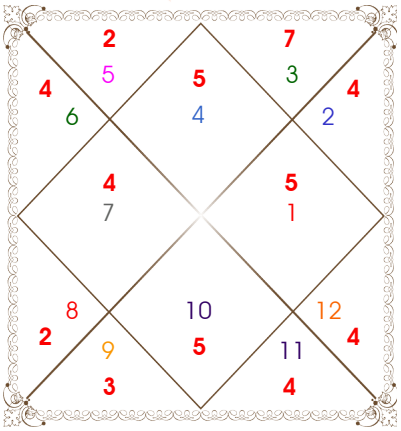

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

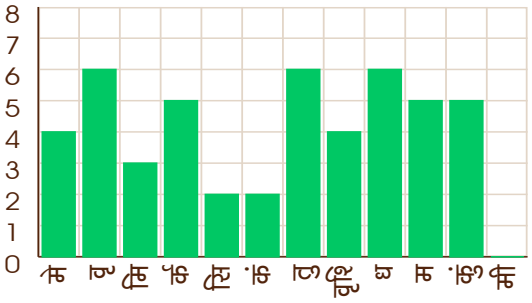

चन्द्र

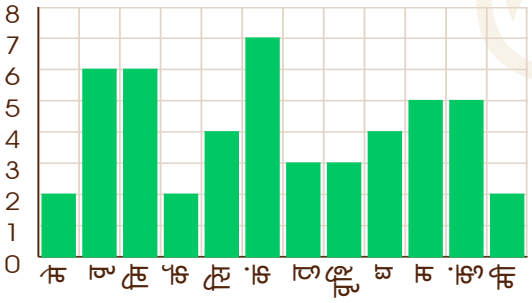

मंगल

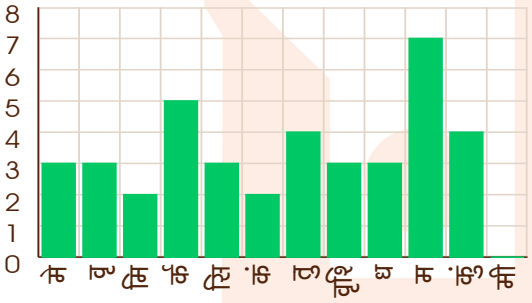

बुध

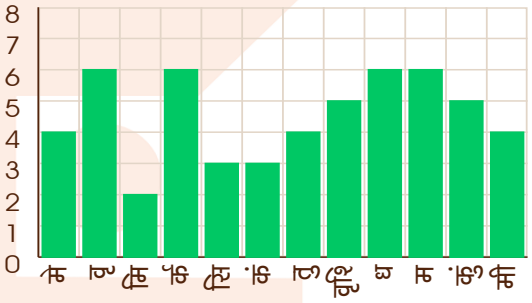

गुरु

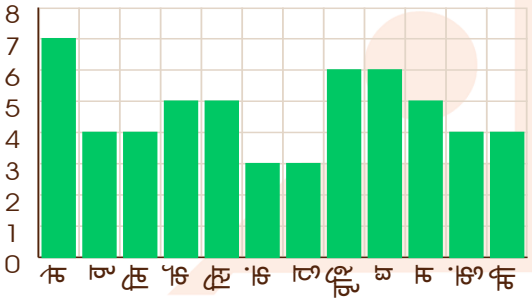

शुक्र

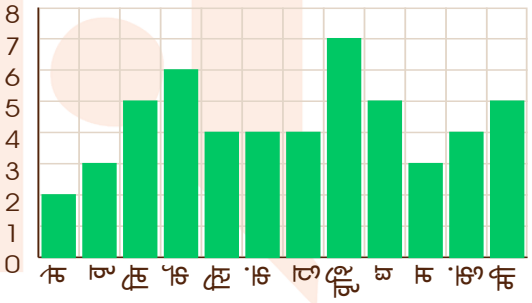

शनि

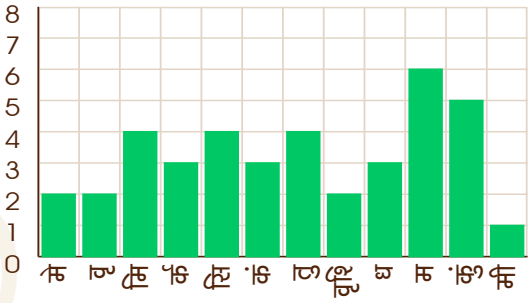

लग्न

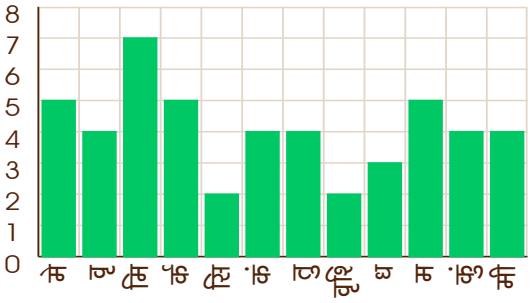

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

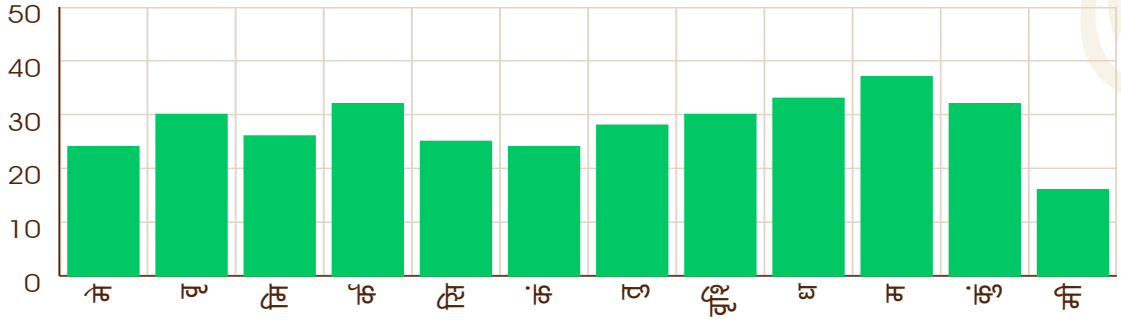

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

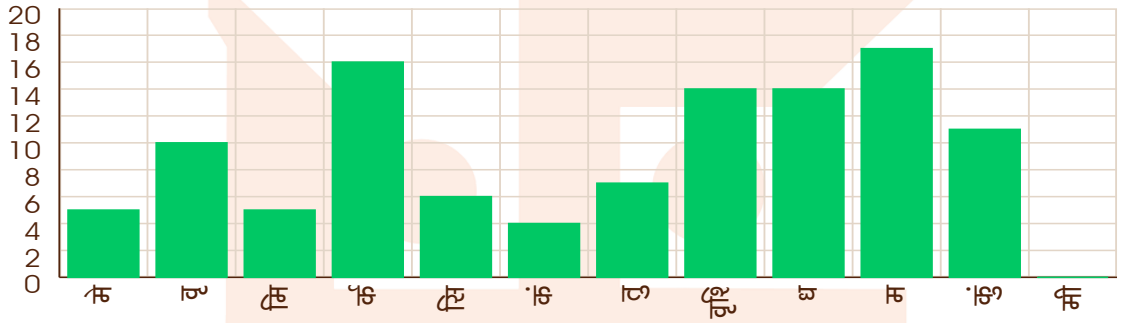

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

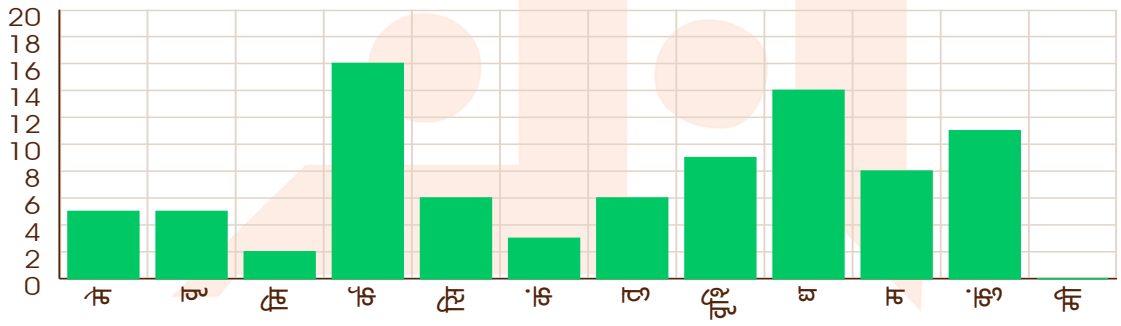

शोध्य पिंड

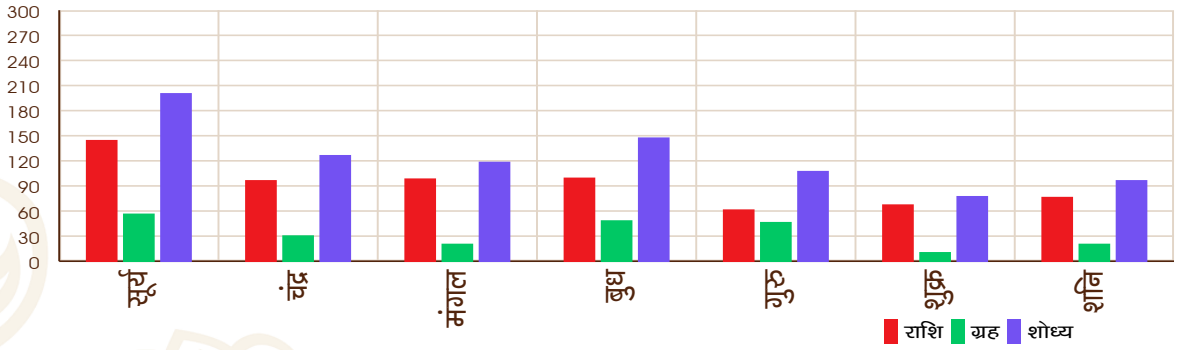

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 9 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
05/05/1998		16/02/1999		16/02/2019		16/02/2025		16/02/2035	
16/02/1999		16/02/2019		16/02/2025		16/02/2035		16/02/2042	
	00/00/0000	शुक्र	18/06/2002	सूर्य	06/06/2019	चंद्र	17/12/2025	मंगल	15/07/2035
	00/00/0000	सूर्य	18/06/2003	चंद्र	06/12/2019	मंगल	18/07/2026	राहु	02/08/2036
	00/00/0000	चंद्र	16/02/2005	मंगल	11/04/2020	राहु	17/01/2028	गुरु	09/07/2037
	00/00/0000	मंगल	18/04/2006	राहु	06/03/2021	गुरु	18/05/2029	शनि	18/08/2038
	00/00/0000	राहु	18/04/2009	गुरु	23/12/2021	शनि	17/12/2030	बुध	15/08/2039
	00/00/0000	गुरु	18/12/2011	शनि	05/12/2022	बुध	18/05/2032	केतु	11/01/2040
	00/00/0000	शनि	16/02/2015	बुध	12/10/2023	केतु	17/12/2032	शुक्र	12/03/2041
	05/05/1998	बुध	17/12/2017	केतु	17/02/2024	शुक्र	18/08/2034	सूर्य	18/07/2041
बुध	16/02/1999	केतु	16/02/2019	शुक्र	16/02/2025	सूर्य	16/02/2035	चंद्र	16/02/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/02/2042		17/02/2060		17/02/2076		16/02/2095		18/02/2112	
17/02/2060		17/02/2076		16/02/2095		18/02/2112		06/05/2118	
राहु	29/10/2044	गुरु	06/04/2062	शनि	19/02/2079	बुध	15/07/2097	केतु	16/07/2112
गुरु	25/03/2047	शनि	17/10/2064	बुध	30/10/2081	केतु	12/07/2098	शुक्र	15/09/2113
शनि	29/01/2050	बुध	23/01/2067	केतु	08/12/2082	शुक्र	13/05/2101	सूर्य	21/01/2114
बुध	17/08/2052	केतु	30/12/2067	शुक्र	07/02/2086	सूर्य	20/03/2102	चंद्र	22/08/2114
केतु	05/09/2053	शुक्र	30/08/2070	सूर्य	20/01/2087	चंद्र	19/08/2103	मंगल	18/01/2115
शुक्र	04/09/2056	सूर्य	18/06/2071	चंद्र	20/08/2088	मंगल	15/08/2104	राहु	05/02/2116
सूर्य	30/07/2057	चंद्र	17/10/2072	मंगल	29/09/2089	राहु	05/03/2107	गुरु	11/01/2117
चंद्र	29/01/2059	मंगल	23/09/2073	राहु	05/08/2092	गुरु	09/06/2109	शनि	20/02/2118
मंगल	17/02/2060	राहु	17/02/2076	गुरु	16/02/2095	शनि	18/02/2112	बुध	06/05/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 9 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
05/05/1998		16/02/1999		18/06/2002		18/06/2003		16/02/2005	
16/02/1999		18/06/2002		18/06/2003		16/02/2005		18/04/2006	
	00/00/0000	शुक्र	07/09/1999	सूर्य	06/07/2002	चंद्र	08/08/2003	मंगल	13/03/2005
	05/05/1998	सूर्य	07/11/1999	चंद्र	06/08/2002	मंगल	12/09/2003	राहु	16/05/2005
शुक्र	02/07/1998	चंद्र	17/02/2000	मंगल	27/08/2002	राहु	13/12/2003	गुरु	11/07/2005
सूर्य	20/07/1998	मंगल	28/04/2000	राहु	21/10/2002	गुरु	03/03/2004	शनि	17/09/2005
चंद्र	19/08/1998	राहु	27/10/2000	गुरु	08/12/2002	शनि	07/06/2004	बुध	16/11/2005
मंगल	09/09/1998	गुरु	08/04/2001	शनि	04/02/2003	बुध	01/09/2004	केतु	11/12/2005
राहु	03/11/1998	शनि	17/10/2001	बुध	28/03/2003	केतु	07/10/2004	शुक्र	20/02/2006
गुरु	21/12/1998	बुध	08/04/2002	केतु	18/04/2003	शुक्र	16/01/2005	सूर्य	13/03/2006
शनि	16/02/1999	केतु	18/06/2002	शुक्र	18/06/2003	सूर्य	16/02/2005	चंद्र	18/04/2006

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
18/04/2006		18/04/2009		18/12/2011		16/02/2015		17/12/2017	
18/04/2009		18/12/2011		16/02/2015		17/12/2017		16/02/2019	
राहु	29/09/2006	गुरु	26/08/2009	शनि	18/06/2012	बुध	13/07/2015	केतु	11/01/2018
गुरु	22/02/2007	शनि	27/01/2010	बुध	29/11/2012	केतु	11/09/2015	शुक्र	23/03/2018
शनि	15/08/2007	बुध	14/06/2010	केतु	04/02/2013	शुक्र	02/03/2016	सूर्य	13/04/2018
बुध	17/01/2008	केतु	10/08/2010	शुक्र	16/08/2013	सूर्य	23/04/2016	चंद्र	19/05/2018
केतु	21/03/2008	शुक्र	19/01/2011	सूर्य	13/10/2013	चंद्र	18/07/2016	मंगल	13/06/2018
शुक्र	20/09/2008	सूर्य	09/03/2011	चंद्र	17/01/2014	मंगल	16/09/2016	राहु	16/08/2018
सूर्य	13/11/2008	चंद्र	29/05/2011	मंगल	26/03/2014	राहु	18/02/2017	गुरु	11/10/2018
चंद्र	13/02/2009	मंगल	25/07/2011	राहु	15/09/2014	गुरु	06/07/2017	शनि	18/12/2018
मंगल	18/04/2009	राहु	18/12/2011	गुरु	16/02/2015	शनि	17/12/2017	बुध	16/02/2019

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
16/02/2019		06/06/2019		06/12/2019		11/04/2020		06/03/2021	
06/06/2019		06/12/2019		11/04/2020		06/03/2021		23/12/2021	
सूर्य	22/02/2019	चंद्र	21/06/2019	मंगल	13/12/2019	राहु	31/05/2020	गुरु	14/04/2021
चंद्र	03/03/2019	मंगल	02/07/2019	राहु	01/01/2020	गुरु	14/07/2020	शनि	30/05/2021
मंगल	09/03/2019	राहु	29/07/2019	गुरु	18/01/2020	शनि	04/09/2020	बुध	11/07/2021
राहु	26/03/2019	गुरु	23/08/2019	शनि	07/02/2020	बुध	20/10/2020	केतु	28/07/2021
गुरु	09/04/2019	शनि	20/09/2019	बुध	26/02/2020	केतु	08/11/2020	शुक्र	14/09/2021
शनि	27/04/2019	बुध	16/10/2019	केतु	04/03/2020	शुक्र	02/01/2021	सूर्य	29/09/2021
बुध	12/05/2019	केतु	27/10/2019	शुक्र	25/03/2020	सूर्य	19/01/2021	चंद्र	23/10/2021
केतु	19/05/2019	शुक्र	26/11/2019	सूर्य	01/04/2020	चंद्र	15/02/2021	मंगल	09/11/2021
शुक्र	06/06/2019	सूर्य	06/12/2019	चंद्र	11/04/2020	मंगल	06/03/2021	राहु	23/12/2021

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
23/12/2021		05/12/2022		12/10/2023		17/02/2024		16/02/2025	
05/12/2022		12/10/2023		17/02/2024		16/02/2025		17/12/2025	
शनि	16/02/2022	बुध	18/01/2023	केतु	19/10/2023	शुक्र	17/04/2024	चंद्र	13/03/2025
बुध	06/04/2022	केतु	05/02/2023	शुक्र	10/11/2023	सूर्य	06/05/2024	मंगल	31/03/2025
केतु	27/04/2022	शुक्र	29/03/2023	सूर्य	16/11/2023	चंद्र	05/06/2024	राहु	16/05/2025
शुक्र	23/06/2022	सूर्य	14/04/2023	चंद्र	27/11/2023	मंगल	26/06/2024	गुरु	25/06/2025
सूर्य	11/07/2022	चंद्र	10/05/2023	मंगल	04/12/2023	राहु	20/08/2024	शनि	12/08/2025
चंद्र	09/08/2022	मंगल	28/05/2023	राहु	23/12/2023	गुरु	08/10/2024	बुध	25/09/2025
मंगल	29/08/2022	राहु	13/07/2023	गुरु	09/01/2024	शनि	05/12/2024	केतु	12/10/2025
राहु	20/10/2022	गुरु	24/08/2023	शनि	29/01/2024	बुध	26/01/2025	शुक्र	02/12/2025
गुरु	05/12/2022	शनि	12/10/2023	बुध	17/02/2024	केतु	16/02/2025	सूर्य	17/12/2025

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
17/12/2025		18/07/2026		17/01/2028		18/05/2029		17/12/2030	
18/07/2026		17/01/2028		18/05/2029		17/12/2030		18/05/2032	
मंगल	30/12/2025	राहु	08/10/2026	गुरु	22/03/2028	शनि	18/08/2029	बुध	01/03/2031
राहु	31/01/2026	गुरु	21/12/2026	शनि	07/06/2028	बुध	08/11/2029	केतु	31/03/2031
गुरु	28/02/2026	शनि	17/03/2027	बुध	15/08/2028	केतु	11/12/2029	शुक्र	25/06/2031
शनि	03/04/2026	बुध	03/06/2027	केतु	13/09/2028	शुक्र	18/03/2030	सूर्य	21/07/2031
बुध	03/05/2026	केतु	05/07/2027	शुक्र	03/12/2028	सूर्य	16/04/2030	चंद्र	02/09/2031
केतु	15/05/2026	शुक्र	04/10/2027	सूर्य	27/12/2028	चंद्र	03/06/2030	मंगल	02/10/2031
शुक्र	20/06/2026	सूर्य	01/11/2027	चंद्र	06/02/2029	मंगल	07/07/2030	राहु	19/12/2031
सूर्य	01/07/2026	चंद्र	16/12/2027	मंगल	06/03/2029	राहु	01/10/2030	गुरु	26/02/2032
चंद्र	18/07/2026	मंगल	17/01/2028	राहु	18/05/2029	गुरु	17/12/2030	शनि	18/05/2032

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
18/05/2032		17/12/2032		18/08/2034		16/02/2035		15/07/2035	
17/12/2032		18/08/2034		16/02/2035		15/07/2035		02/08/2036	
केतु	30/05/2032	शुक्र	28/03/2033	सूर्य	27/08/2034	मंगल	25/02/2035	राहु	11/09/2035
शुक्र	05/07/2032	सूर्य	28/04/2033	चंद्र	11/09/2034	राहु	19/03/2035	गुरु	01/11/2035
सूर्य	15/07/2032	चंद्र	18/06/2033	मंगल	22/09/2034	गुरु	08/04/2035	शनि	01/01/2036
चंद्र	02/08/2032	मंगल	23/07/2033	राहु	19/10/2034	शनि	02/05/2035	बुध	24/02/2036
मंगल	15/08/2032	राहु	22/10/2033	गुरु	12/11/2034	बुध	23/05/2035	केतु	18/03/2036
राहु	16/09/2032	गुरु	12/01/2034	शनि	11/12/2034	केतु	01/06/2035	शुक्र	20/05/2036
गुरु	14/10/2032	शनि	18/04/2034	बुध	06/01/2035	शुक्र	26/06/2035	सूर्य	09/06/2036
शनि	17/11/2032	बुध	13/07/2034	केतु	17/01/2035	सूर्य	03/07/2035	चंद्र	11/07/2036
बुध	17/12/2032	केतु	18/08/2034	शुक्र	16/02/2035	चंद्र	15/07/2035	मंगल	02/08/2036

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
02/08/2036		09/07/2037		18/08/2038		15/08/2039		11/01/2040	
09/07/2037		18/08/2038		15/08/2039		11/01/2040		12/03/2041	
गुरु	16/09/2036	शनि	11/09/2037	बुध	08/10/2038	केतु	24/08/2039	शुक्र	22/03/2040
शनि	09/11/2036	बुध	07/11/2037	केतु	29/10/2038	शुक्र	17/09/2039	सूर्य	12/04/2040
बुध	28/12/2036	केतु	01/12/2037	शुक्र	29/12/2038	सूर्य	25/09/2039	चंद्र	18/05/2040
केतु	17/01/2037	शुक्र	06/02/2038	सूर्य	16/01/2039	चंद्र	07/10/2039	मंगल	12/06/2040
शुक्र	14/03/2037	सूर्य	27/02/2038	चंद्र	15/02/2039	मंगल	16/10/2039	राहु	15/08/2040
सूर्य	31/03/2037	चंद्र	01/04/2038	मंगल	08/03/2039	राहु	07/11/2039	गुरु	10/10/2040
चंद्र	29/04/2037	मंगल	25/04/2038	राहु	01/05/2039	गुरु	27/11/2039	शनि	17/12/2040
मंगल	19/05/2037	राहु	25/06/2038	गुरु	19/06/2039	शनि	21/12/2039	बुध	15/02/2041
राहु	09/07/2037	गुरु	18/08/2038	शनि	15/08/2039	बुध	11/01/2040	केतु	12/03/2041

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
12/03/2041		18/07/2041		16/02/2042		29/10/2044		25/03/2047	
18/07/2041		16/02/2042		29/10/2044		25/03/2047		29/01/2050	
सूर्य	19/03/2041	चंद्र	05/08/2041	राहु	14/07/2042	गुरु	23/02/2045	शनि	06/09/2047
चंद्र	29/03/2041	मंगल	17/08/2041	गुरु	23/11/2042	शनि	12/07/2045	बुध	31/01/2048
मंगल	06/04/2041	राहु	18/09/2041	शनि	28/04/2043	बुध	13/11/2045	केतु	01/04/2048
राहु	25/04/2041	गुरु	17/10/2041	बुध	14/09/2043	केतु	03/01/2046	शुक्र	21/09/2048
गुरु	12/05/2041	शनि	19/11/2041	केतु	11/11/2043	शुक्र	29/05/2046	सूर्य	12/11/2048
शनि	01/06/2041	बुध	19/12/2041	शुक्र	23/04/2044	सूर्य	12/07/2046	चंद्र	07/02/2049
बुध	19/06/2041	केतु	01/01/2042	सूर्य	12/06/2044	चंद्र	23/09/2046	मंगल	09/04/2049
केतु	27/06/2041	शुक्र	05/02/2042	चंद्र	02/09/2044	मंगल	13/11/2046	राहु	12/09/2049
शुक्र	18/07/2041	सूर्य	16/02/2042	मंगल	29/10/2044	राहु	25/03/2047	गुरु	29/01/2050

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
29/01/2050		17/08/2052		05/09/2053		04/09/2056		30/07/2057	
17/08/2052		05/09/2053		04/09/2056		30/07/2057		29/01/2059	
बुध	10/06/2050	केतु	09/09/2052	शुक्र	06/03/2054	सूर्य	21/09/2056	चंद्र	14/09/2057
केतु	03/08/2050	शुक्र	12/11/2052	सूर्य	30/04/2054	चंद्र	18/10/2056	मंगल	16/10/2057
शुक्र	05/01/2051	सूर्य	01/12/2052	चंद्र	30/07/2054	मंगल	06/11/2056	राहु	06/01/2058
सूर्य	21/02/2051	चंद्र	02/01/2053	मंगल	02/10/2054	राहु	26/12/2056	गुरु	20/03/2058
चंद्र	10/05/2051	मंगल	24/01/2053	राहु	16/03/2055	गुरु	08/02/2057	शनि	15/06/2058
मंगल	03/07/2051	राहु	23/03/2053	गुरु	09/08/2055	शनि	01/04/2057	बुध	31/08/2058
राहु	20/11/2051	गुरु	13/05/2053	शनि	29/01/2056	बुध	17/05/2057	केतु	02/10/2058
गुरु	23/03/2052	शनि	12/07/2053	बुध	03/07/2056	केतु	05/06/2057	शुक्र	02/01/2059
शनि	17/08/2052	बुध	05/09/2053	केतु	04/09/2056	शुक्र	30/07/2057	सूर्य	29/01/2059

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु	
29/01/2059		17/02/2060		06/04/2062		17/10/2064		23/01/2067	
17/02/2060		06/04/2062		17/10/2064		23/01/2067		30/12/2067	
मंगल	20/02/2059	गुरु	30/05/2060	शनि	30/08/2062	बुध	11/02/2065	केतु	12/02/2067
राहु	19/04/2059	शनि	01/10/2060	बुध	08/01/2063	केतु	01/04/2065	शुक्र	10/04/2067
गुरु	09/06/2059	बुध	19/01/2061	केतु	03/03/2063	शुक्र	17/08/2065	सूर्य	27/04/2067
शनि	09/08/2059	केतु	06/03/2061	शुक्र	05/08/2063	सूर्य	27/09/2065	चंद्र	25/05/2067
बुध	02/10/2059	शुक्र	14/07/2061	सूर्य	20/09/2063	चंद्र	05/12/2065	मंगल	14/06/2067
केतु	25/10/2059	सूर्य	22/08/2061	चंद्र	06/12/2063	मंगल	22/01/2066	राहु	04/08/2067
शुक्र	27/12/2059	चंद्र	25/10/2061	मंगल	29/01/2064	राहु	27/05/2066	गुरु	19/09/2067
सूर्य	16/01/2060	मंगल	10/12/2061	राहु	16/06/2064	गुरु	14/09/2066	शनि	12/11/2067
चंद्र	17/02/2060	राहु	06/04/2062	गुरु	17/10/2064	शनि	23/01/2067	बुध	30/12/2067

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
30/12/2067		30/08/2070		18/06/2071		17/10/2072		23/09/2073	
30/08/2070		18/06/2071		17/10/2072		23/09/2073		17/02/2076	
शुक्र	09/06/2068	सूर्य	13/09/2070	चंद्र	29/07/2071	मंगल	06/11/2072	राहु	01/02/2074
सूर्य	28/07/2068	चंद्र	08/10/2070	मंगल	26/08/2071	राहु	27/12/2072	गुरु	29/05/2074
चंद्र	17/10/2068	मंगल	25/10/2070	राहु	07/11/2071	गुरु	11/02/2073	शनि	15/10/2074
मंगल	13/12/2068	राहु	08/12/2070	गुरु	11/01/2072	शनि	06/04/2073	बुध	16/02/2075
राहु	08/05/2069	गुरु	16/01/2071	शनि	28/03/2072	बुध	24/05/2073	केतु	08/04/2075
गुरु	15/09/2069	शनि	03/03/2071	बुध	05/06/2072	केतु	13/06/2073	शुक्र	02/09/2075
शनि	16/02/2070	बुध	13/04/2071	केतु	04/07/2072	शुक्र	09/08/2073	सूर्य	15/10/2075
बुध	04/07/2070	केतु	30/04/2071	शुक्र	23/09/2072	सूर्य	26/08/2073	चंद्र	27/12/2075
केतु	30/08/2070	शुक्र	18/06/2071	सूर्य	17/10/2072	चंद्र	23/09/2073	मंगल	17/02/2076

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
17/02/2076		19/02/2079		30/10/2081		08/12/2082		07/02/2086	
19/02/2079		30/10/2081		08/12/2082		07/02/2086		20/01/2087	
शनि	09/08/2076	बुध	09/07/2079	केतु	22/11/2081	शुक्र	19/06/2083	सूर्य	24/02/2086
बुध	11/01/2077	केतु	04/09/2079	शुक्र	29/01/2082	सूर्य	16/08/2083	चंद्र	25/03/2086
केतु	16/03/2077	शुक्र	15/02/2080	सूर्य	18/02/2082	चंद्र	20/11/2083	मंगल	14/04/2086
शुक्र	15/09/2077	सूर्य	04/04/2080	चंद्र	24/03/2082	मंगल	27/01/2084	राहु	06/06/2086
सूर्य	09/11/2077	चंद्र	25/06/2080	मंगल	16/04/2082	राहु	18/07/2084	गुरु	22/07/2086
चंद्र	09/02/2078	मंगल	21/08/2080	राहु	16/06/2082	गुरु	19/12/2084	शनि	15/09/2086
मंगल	14/04/2078	राहु	16/01/2081	गुरु	09/08/2082	शनि	21/06/2085	बुध	03/11/2086
राहु	26/09/2078	गुरु	27/05/2081	शनि	12/10/2082	बुध	01/12/2085	केतु	23/11/2086
गुरु	19/02/2079	शनि	30/10/2081	बुध	08/12/2082	केतु	07/02/2086	शुक्र	20/01/2087

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
20/01/2087		20/08/2088		29/09/2089		05/08/2092		16/02/2095	
20/08/2088		29/09/2089		05/08/2092		16/02/2095		15/07/2097	
चंद्र	09/03/2087	मंगल	13/09/2088	राहु	04/03/2090	गुरु	06/12/2092	बुध	21/06/2095
मंगल	12/04/2087	राहु	13/11/2088	गुरु	21/07/2090	शनि	02/05/2093	केतु	11/08/2095
राहु	08/07/2087	गुरु	06/01/2089	शनि	02/01/2091	बुध	10/09/2093	शुक्र	05/01/2096
गुरु	23/09/2087	शनि	11/03/2089	बुध	29/05/2091	केतु	03/11/2093	सूर्य	18/02/2096
शनि	23/12/2087	बुध	07/05/2089	केतु	29/07/2091	शुक्र	06/04/2094	चंद्र	01/05/2096
बुध	14/03/2088	केतु	31/05/2089	शुक्र	19/01/2092	सूर्य	22/05/2094	मंगल	21/06/2096
केतु	17/04/2088	शुक्र	06/08/2089	सूर्य	11/03/2092	चंद्र	08/08/2094	राहु	31/10/2096
शुक्र	22/07/2088	सूर्य	26/08/2089	चंद्र	05/06/2092	मंगल	01/10/2094	गुरु	26/02/2097
सूर्य	20/08/2088	चंद्र	29/09/2089	मंगल	05/08/2092	राहु	16/02/2095	शनि	15/07/2097

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
15/07/2097		12/07/2098		13/05/2101		20/03/2102		19/08/2103	
12/07/2098		13/05/2101		20/03/2102		19/08/2103		15/08/2104	
केतु	05/08/2097	शुक्र	01/01/2099	सूर्य	29/05/2101	चंद्र	02/05/2102	मंगल	09/09/2103
शुक्र	04/10/2097	सूर्य	21/02/2099	चंद्र	23/06/2101	मंगल	01/06/2102	राहु	02/11/2103
सूर्य	23/10/2097	चंद्र	19/05/2099	मंगल	12/07/2101	राहु	17/08/2102	गुरु	21/12/2103
चंद्र	22/11/2097	मंगल	18/07/2099	राहु	27/08/2101	गुरु	25/10/2102	शनि	16/02/2104
मंगल	13/12/2097	राहु	20/12/2099	गुरु	08/10/2101	शनि	15/01/2103	बुध	07/04/2104
राहु	05/02/2098	गुरु	07/05/2100	शनि	26/11/2101	बुध	30/03/2103	केतु	29/04/2104
गुरु	26/03/2098	शनि	18/10/2100	बुध	09/01/2102	केतु	29/04/2103	शुक्र	28/06/2104
शनि	22/05/2098	बुध	14/03/2101	केतु	27/01/2102	शुक्र	24/07/2103	सूर्य	16/07/2104
बुध	12/07/2098	केतु	13/05/2101	शुक्र	20/03/2102	सूर्य	19/08/2103	चंद्र	15/08/2104

बुध - राहु		बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र	
15/08/2104		05/03/2107		09/06/2109		18/02/2112		16/07/2112	
05/03/2107		09/06/2109		18/02/2112		16/07/2112		15/09/2113	
राहु	02/01/2105	गुरु	23/06/2107	शनि	12/11/2109	केतु	26/02/2112	शुक्र	25/09/2112
गुरु	06/05/2105	शनि	01/11/2107	बुध	31/03/2110	शुक्र	22/03/2112	सूर्य	16/10/2112
शनि	01/10/2105	बुध	26/02/2108	केतु	28/05/2110	सूर्य	30/03/2112	चंद्र	21/11/2112
बुध	09/02/2106	केतु	15/04/2108	शुक्र	08/11/2110	चंद्र	11/04/2112	मंगल	15/12/2112
केतु	05/04/2106	शुक्र	31/08/2108	सूर्य	27/12/2110	मंगल	20/04/2112	राहु	17/02/2113
शुक्र	07/09/2106	सूर्य	11/10/2108	चंद्र	19/03/2111	राहु	12/05/2112	गुरु	15/04/2113
सूर्य	24/10/2106	चंद्र	19/12/2108	मंगल	15/05/2111	गुरु	01/06/2112	शनि	22/06/2113
चंद्र	09/01/2107	मंगल	05/02/2109	राहु	10/10/2111	शनि	25/06/2112	बुध	21/08/2113
मंगल	05/03/2107	राहु	09/06/2109	गुरु	18/02/2112	बुध	16/07/2112	केतु	15/09/2113

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - चंद्र - सूर्य	
02/12/2025 11:48	
17/12/2025 17:03	
सूर्य	03/12/2025 06:04
चंद्र	04/12/2025 12:30
मंगल	05/12/2025 09:48
राहु	07/12/2025 16:36
गुरु	09/12/2025 17:18
शनि	12/12/2025 03:07
बुध	14/12/2025 06:52
केतु	15/12/2025 04:10
शुक्र	17/12/2025 17:03

चंद्र - मंगल - मंगल	
17/12/2025 17:03	
30/12/2025 03:20	
मंगल	18/12/2025 10:27
राहु	20/12/2025 07:12
गुरु	21/12/2025 22:58
शनि	23/12/2025 22:12
बुध	25/12/2025 16:27
केतु	26/12/2025 09:51
शुक्र	28/12/2025 11:34
सूर्य	29/12/2025 02:29
चंद्र	30/12/2025 03:20

चंद्र - मंगल - राहु	
30/12/2025 03:20	
31/01/2026 02:22	
राहु	03/01/2026 22:23
गुरु	08/01/2026 04:40
शनि	13/01/2026 06:06
बुध	17/01/2026 18:46
केतु	19/01/2026 15:31
शुक्र	24/01/2026 23:21
सूर्य	26/01/2026 13:42
चंद्र	29/01/2026 05:37
मंगल	31/01/2026 02:22

चंद्र - मंगल - गुरु	
31/01/2026 02:22	
28/02/2026 12:10	
गुरु	03/02/2026 21:16
शनि	08/02/2026 09:13
बुध	12/02/2026 09:49
केतु	14/02/2026 01:35
शुक्र	18/02/2026 19:13
सूर्य	20/02/2026 05:18
चंद्र	22/02/2026 14:07
मंगल	24/02/2026 05:54
राहु	28/02/2026 12:10

चंद्र - मंगल - शनि	
28/02/2026 12:10	
03/04/2026 05:48	
शनि	05/03/2026 20:21
बुध	10/03/2026 15:03
केतु	12/03/2026 14:17
शुक्र	18/03/2026 05:13
सूर्य	19/03/2026 21:42
चंद्र	22/03/2026 17:10
मंगल	24/03/2026 16:24
राहु	29/03/2026 17:51
गुरु	03/04/2026 05:48

चंद्र - मंगल - बुध	
03/04/2026 05:48	
03/05/2026 10:13	
बुध	07/04/2026 12:25
केतु	09/04/2026 06:41
शुक्र	14/04/2026 07:25
सूर्य	15/04/2026 19:38
चंद्र	18/04/2026 08:00
मंगल	20/04/2026 02:16
राहु	24/04/2026 14:55
गुरु	28/04/2026 15:31
शनि	03/05/2026 10:13

चंद्र - मंगल - केतु	
03/05/2026 10:13	
15/05/2026 20:30	
केतु	04/05/2026 03:37
शुक्र	06/05/2026 05:20
सूर्य	06/05/2026 20:14
चंद्र	07/05/2026 21:06
मंगल	08/05/2026 14:30
राहु	10/05/2026 11:14
गुरु	12/05/2026 03:01
शनि	14/05/2026 02:15
बुध	15/05/2026 20:30

चंद्र - मंगल - शुक्र	
15/05/2026 20:30	
20/06/2026 08:45	
शुक्र	21/05/2026 18:32
सूर्य	23/05/2026 13:09
चंद्र	26/05/2026 12:10
मंगल	28/05/2026 13:53
राहु	02/06/2026 21:44
गुरु	07/06/2026 15:22
शनि	13/06/2026 06:18
बुध	18/06/2026 07:02
केतु	20/06/2026 08:45

चंद्र - मंगल - सूर्य	
20/06/2026 08:45	
01/07/2026 00:25	
सूर्य	20/06/2026 21:32
चंद्र	21/06/2026 18:50
मंगल	22/06/2026 09:45
राहु	24/06/2026 00:06
गुरु	25/06/2026 10:12
शनि	27/06/2026 02:41
बुध	28/06/2026 14:54
केतु	29/06/2026 05:49
शुक्र	01/07/2026 00:25

चंद्र - मंगल - चंद्र	
01/07/2026 00:25	
18/07/2026 18:33	
चंद्र	02/07/2026 11:56
मंगल	03/07/2026 12:48
राहु	06/07/2026 04:43
गुरु	08/07/2026 13:32
शनि	11/07/2026 09:00
बुध	13/07/2026 21:22
केतु	14/07/2026 22:13
शुक्र	17/07/2026 21:15
सूर्य	18/07/2026 18:33

चंद्र - राहु - राहु	
18/07/2026 18:33	
08/10/2026 22:54	
राहु	31/07/2026 02:24
गुरु	11/08/2026 01:23
शनि	24/08/2026 01:40
बुध	04/09/2026 17:05
केतु	09/09/2026 12:08
शुक्र	23/09/2026 04:52
सूर्य	27/09/2026 07:29
चंद्र	04/10/2026 03:51
मंगल	08/10/2026 22:54

चंद्र - राहु - गुरु	
08/10/2026 22:54	
21/12/2026 00:06	
गुरु	18/10/2026 16:40
शनि	30/10/2026 06:15
बुध	09/11/2026 14:37
केतु	13/11/2026 20:53
शुक्र	26/11/2026 01:05
सूर्य	29/11/2026 16:45
चंद्र	05/12/2026 18:51
मंगल	10/12/2026 01:07
राहु	21/12/2026 00:06

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - राहु - शनि		चंद्र - राहु - बुध		चंद्र - राहु - केतु		चंद्र - राहु - शुक्र	
21/12/2026 00:06		17/03/2027 18:01		03/06/2027 08:48		05/07/2027 07:49	
17/03/2027 18:01		03/06/2027 08:48		05/07/2027 07:49		04/10/2027 15:19	
शनि	03/01/2027 17:44	बुध	28/03/2027 17:55	केतु	05/06/2027 05:33	शुक्र	20/07/2027 13:04
बुध	16/01/2027 00:41	केतु	02/04/2027 06:35	शुक्र	10/06/2027 13:23	सूर्य	25/07/2027 02:39
केतु	21/01/2027 02:07	शुक्र	15/04/2027 05:03	सूर्य	12/06/2027 03:44	चंद्र	01/08/2027 17:16
शुक्र	04/02/2027 13:07	सूर्य	19/04/2027 02:11	चंद्र	14/06/2027 19:39	मंगल	07/08/2027 01:07
सूर्य	08/02/2027 21:12	चंद्र	25/04/2027 13:25	मंगल	16/06/2027 16:24	राहु	20/08/2027 17:50
चंद्र	16/02/2027 02:42	मंगल	30/04/2027 02:04	राहु	21/06/2027 11:27	गुरु	01/09/2027 22:02
मंगल	21/02/2027 04:09	राहु	11/05/2027 17:29	गुरु	25/06/2027 17:43	शनि	16/09/2027 09:01
राहु	06/03/2027 04:26	गुरु	22/05/2027 01:52	शनि	30/06/2027 19:10	बुध	29/09/2027 07:29
गुरु	17/03/2027 18:01	शनि	03/06/2027 08:48	बुध	05/07/2027 07:49	केतु	04/10/2027 15:19

चंद्र - राहु - सूर्य		चंद्र - राहु - चंद्र		चंद्र - राहु - मंगल		चंद्र - गुरु - गुरु	
04/10/2027 15:19		01/11/2027 00:46		16/12/2027 16:31		17/01/2028 15:33	
01/11/2027 00:46		16/12/2027 16:31		17/01/2028 15:33		22/03/2028 13:57	
सूर्य	06/10/2027 00:12	चंद्र	04/11/2027 20:05	मंगल	18/12/2027 13:16	गुरु	26/01/2028 07:20
चंद्र	08/10/2027 06:59	मंगल	07/11/2027 12:00	राहु	23/12/2027 08:19	शनि	05/02/2028 14:05
मंगल	09/10/2027 21:20	राहु	14/11/2027 08:22	गुरु	27/12/2027 14:35	बुध	14/02/2028 18:51
राहु	13/10/2027 23:57	गुरु	20/11/2027 10:28	शनि	01/01/2028 16:02	केतु	18/02/2028 13:46
गुरु	17/10/2027 15:37	शनि	27/11/2027 15:58	बुध	06/01/2028 04:42	शुक्र	29/02/2028 09:30
शनि	21/10/2027 23:43	बुध	04/12/2027 03:12	केतु	08/01/2028 01:27	सूर्य	03/03/2028 15:25
बुध	25/10/2027 20:51	केतु	06/12/2027 19:07	शुक्र	13/01/2028 09:17	चंद्र	09/03/2028 01:17
केतु	27/10/2027 11:12	शुक्र	14/12/2027 09:44	सूर्य	14/01/2028 23:38	मंगल	12/03/2028 20:11
शुक्र	01/11/2027 00:46	सूर्य	16/12/2027 16:31	चंद्र	17/01/2028 15:33	राहु	22/03/2028 13:57

चंद्र - गुरु - शनि		चंद्र - गुरु - बुध		चंद्र - गुरु - केतु		चंद्र - गुरु - शुक्र	
22/03/2028 13:57		07/06/2028 16:33		15/08/2028 16:21		13/09/2028 02:09	
07/06/2028 16:33		15/08/2028 16:21		13/09/2028 02:09		03/12/2028 06:09	
शनि	03/04/2028 18:58	बुध	17/06/2028 11:07	केतु	17/08/2028 08:07	शुक्र	26/09/2028 14:49
बुध	14/04/2028 17:08	केतु	21/06/2028 11:43	शुक्र	22/08/2028 01:45	सूर्य	30/09/2028 16:13
केतु	19/04/2028 05:05	शुक्र	02/07/2028 23:41	सूर्य	23/08/2028 11:51	चंद्र	07/10/2028 10:33
शुक्र	02/05/2028 01:31	सूर्य	06/07/2028 10:28	चंद्र	25/08/2028 20:40	मंगल	12/10/2028 04:11
सूर्य	05/05/2028 22:03	चंद्र	12/07/2028 04:27	मंगल	27/08/2028 12:26	राहु	24/10/2028 08:23
चंद्र	12/05/2028 08:16	मंगल	16/07/2028 05:02	राहु	31/08/2028 18:42	गुरु	04/11/2028 04:07
मंगल	16/05/2028 20:13	राहु	26/07/2028 13:24	गुरु	04/09/2028 13:37	शनि	17/11/2028 00:33
राहु	28/05/2028 09:48	गुरु	04/08/2028 18:11	शनि	09/09/2028 01:34	बुध	28/11/2028 12:31
गुरु	07/06/2028 16:33	शनि	15/08/2028 16:21	बुध	13/09/2028 02:09	केतु	03/12/2028 06:09

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - गुरु - सूर्य		चंद्र - गुरु - चंद्र		चंद्र - गुरु - मंगल		चंद्र - गुरु - राहु	
03/12/2028 06:09		27/12/2028 14:33		06/02/2029 04:33		06/03/2029 14:21	
27/12/2028 14:33		06/02/2029 04:33		06/03/2029 14:21		18/05/2029 15:33	
सूर्य	04/12/2028 11:22	चंद्र	30/12/2028 23:43	मंगल	07/02/2029 20:19	राहु	17/03/2029 13:20
चंद्र	06/12/2028 12:04	मंगल	02/01/2029 08:32	राहु	12/02/2029 02:35	गुरु	27/03/2029 07:05
मंगल	07/12/2028 22:10	राहु	08/01/2029 10:38	गुरु	15/02/2029 21:30	शनि	07/04/2029 20:41
राहु	11/12/2028 13:49	गुरु	13/01/2029 20:30	शनि	20/02/2029 09:27	बुध	18/04/2029 05:03
गुरु	14/12/2028 19:44	शनि	20/01/2029 06:43	बुध	24/02/2029 10:02	केतु	22/04/2029 11:19
शनि	18/12/2028 16:16	बुध	26/01/2029 00:42	केतु	26/02/2029 01:49	शुक्र	04/05/2029 15:31
बुध	22/12/2028 03:04	केतु	28/01/2029 09:31	शुक्र	02/03/2029 19:27	सूर्य	08/05/2029 07:11
केतु	23/12/2028 13:09	शुक्र	04/02/2029 03:51	सूर्य	04/03/2029 05:32	चंद्र	14/05/2029 09:17
शुक्र	27/12/2028 14:33	सूर्य	06/02/2029 04:33	चंद्र	06/03/2029 14:21	मंगल	18/05/2029 15:33

चंद्र - शनि - शनि		चंद्र - शनि - बुध		चंद्र - शनि - केतु		चंद्र - शनि - शुक्र	
18/05/2029 15:33		18/08/2029 05:08		08/11/2029 03:24		11/12/2029 21:02	
18/08/2029 05:08		08/11/2029 03:24		11/12/2029 21:02		18/03/2030 06:17	
शनि	02/06/2029 03:30	बुध	29/08/2029 19:41	केतु	10/11/2029 02:38	शुक्र	27/12/2029 22:35
बुध	15/06/2029 02:50	केतु	03/09/2029 14:23	शुक्र	15/11/2029 17:34	सूर्य	01/01/2030 18:14
केतु	20/06/2029 11:01	शुक्र	17/09/2029 06:06	सूर्य	17/11/2029 10:03	चंद्र	09/01/2030 19:01
शुक्र	05/07/2029 17:17	सूर्य	21/09/2029 08:25	चंद्र	20/11/2029 05:31	मंगल	15/01/2030 09:57
सूर्य	10/07/2029 07:10	चंद्र	28/09/2029 04:16	मंगल	22/11/2029 04:45	राहु	29/01/2030 20:56
चंद्र	17/07/2029 22:18	मंगल	02/10/2029 22:58	राहु	27/11/2029 06:12	गुरु	11/02/2030 17:22
मंगल	23/07/2029 06:29	राहु	15/10/2029 05:54	गुरु	01/12/2029 18:09	शनि	26/02/2030 23:38
राहु	06/08/2029 00:08	गुरु	26/10/2029 04:04	शनि	07/12/2029 02:20	बुध	12/03/2030 15:21
गुरु	18/08/2029 05:08	शनि	08/11/2029 03:24	बुध	11/12/2029 21:02	केतु	18/03/2030 06:17

चंद्र - शनि - सूर्य		चंद्र - शनि - चंद्र		चंद्र - शनि - मंगल		चंद्र - शनि - राहु	
18/03/2030 06:17		16/04/2030 04:16		03/06/2030 08:53		07/07/2030 02:31	
16/04/2030 04:16		03/06/2030 08:53		07/07/2030 02:31		01/10/2030 20:27	
सूर्य	19/03/2030 16:59	चंद्र	20/04/2030 04:39	मंगल	05/06/2030 08:07	राहु	20/07/2030 02:49
चंद्र	22/03/2030 02:49	मंगल	23/04/2030 00:07	राहु	10/06/2030 09:34	गुरु	31/07/2030 16:24
मंगल	23/03/2030 19:18	राहु	30/04/2030 05:37	गुरु	14/06/2030 21:31	शनि	14/08/2030 10:02
राहु	28/03/2030 03:24	गुरु	06/05/2030 15:50	शनि	20/06/2030 05:42	बुध	26/08/2030 16:59
गुरु	31/03/2030 23:55	शनि	14/05/2030 06:58	बुध	25/06/2030 00:24	केतु	31/08/2030 18:26
शनि	05/04/2030 13:48	बुध	21/05/2030 02:49	केतु	26/06/2030 23:38	शुक्र	15/09/2030 05:25
बुध	09/04/2030 16:07	केतु	23/05/2030 22:17	शुक्र	02/07/2030 14:34	सूर्य	19/09/2030 13:31
केतु	11/04/2030 08:36	शुक्र	31/05/2030 23:03	सूर्य	04/07/2030 07:03	चंद्र	26/09/2030 19:00
शुक्र	16/04/2030 04:16	सूर्य	03/06/2030 08:53	चंद्र	07/07/2030 02:31	मंगल	01/10/2030 20:27

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शनि - गुरु		चंद्र - बुध - बुध		चंद्र - बुध - केतु		चंद्र - बुध - शुक्र	
01/10/2030 20:27		17/12/2030 23:03		01/03/2031 06:20		31/03/2031 10:45	
17/12/2030 23:03		01/03/2031 06:20		31/03/2031 10:45		25/06/2031 16:30	
गुरु	12/10/2030 03:12	बुध	28/12/2030 08:17	केतु	03/03/2031 00:36	शुक्र	14/04/2031 19:42
शनि	24/10/2030 08:12	केतु	01/01/2031 14:54	शुक्र	08/03/2031 01:20	सूर्य	19/04/2031 03:12
बुध	04/11/2030 06:23	शुक्र	13/01/2031 20:07	सूर्य	09/03/2031 13:33	चंद्र	26/04/2031 07:40
केतु	08/11/2030 18:20	सूर्य	17/01/2031 12:05	चंद्र	12/03/2031 01:55	मंगल	01/05/2031 08:25
शुक्र	21/11/2030 14:46	चंद्र	23/01/2031 14:42	मंगल	13/03/2031 20:11	राहु	14/05/2031 06:52
सूर्य	25/11/2030 11:17	मंगल	27/01/2031 21:19	राहु	18/03/2031 08:50	गुरु	25/05/2031 18:50
चंद्र	01/12/2030 21:30	राहु	07/02/2031 21:13	गुरु	22/03/2031 09:26	शनि	08/06/2031 10:33
मंगल	06/12/2030 09:28	गुरु	17/02/2031 15:47	शनि	27/03/2031 04:07	बुध	20/06/2031 15:46
राहु	17/12/2030 23:03	शनि	01/03/2031 06:20	बुध	31/03/2031 10:45	केतु	25/06/2031 16:30

चंद्र - बुध - सूर्य		चंद्र - बुध - चंद्र		चंद्र - बुध - मंगल		चंद्र - बुध - राहु	
25/06/2031 16:30		21/07/2031 13:25		02/09/2031 16:18		02/10/2031 20:43	
21/07/2031 13:25		02/09/2031 16:18		02/10/2031 20:43		19/12/2031 11:29	
सूर्य	26/06/2031 23:33	चंद्र	25/07/2031 03:40	मंगल	04/09/2031 10:33	राहु	14/10/2031 12:08
चंद्र	29/06/2031 03:17	मंगल	27/07/2031 16:02	राहु	08/09/2031 23:13	गुरु	24/10/2031 20:30
मंगल	30/06/2031 15:31	राहु	03/08/2031 03:16	गुरु	12/09/2031 23:48	शनि	06/11/2031 03:26
राहु	04/07/2031 12:39	गुरु	08/08/2031 21:15	शनि	17/09/2031 18:30	बुध	17/11/2031 03:20
गुरु	07/07/2031 23:26	शनि	15/08/2031 17:06	बुध	22/09/2031 01:08	केतु	21/11/2031 16:00
शनि	12/07/2031 01:45	बुध	21/08/2031 19:43	केतु	23/09/2031 19:23	शुक्र	04/12/2031 14:27
बुध	15/07/2031 17:43	केतु	24/08/2031 08:05	शुक्र	28/09/2031 20:07	सूर्य	08/12/2031 11:36
केतु	17/07/2031 05:56	शुक्र	31/08/2031 12:33	सूर्य	30/09/2031 08:21	चंद्र	14/12/2031 22:49
शुक्र	21/07/2031 13:25	सूर्य	02/09/2031 16:18	चंद्र	02/10/2031 20:43	मंगल	19/12/2031 11:29

चंद्र - बुध - गुरु		चंद्र - बुध - शनि		चंद्र - केतु - केतु		चंद्र - केतु - शुक्र	
19/12/2031 11:29		26/02/2032 11:17		18/05/2032 09:33		30/05/2032 19:50	
26/02/2032 11:17		18/05/2032 09:33		30/05/2032 19:50		05/07/2032 08:05	
गुरु	28/12/2031 16:16	शनि	10/03/2032 10:37	केतु	19/05/2032 02:57	शुक्र	05/06/2032 17:53
शनि	08/01/2032 14:26	बुध	22/03/2032 01:10	शुक्र	21/05/2032 04:40	सूर्य	07/06/2032 12:29
बुध	18/01/2032 09:00	केतु	26/03/2032 19:52	सूर्य	21/05/2032 19:35	चंद्र	10/06/2032 11:31
केतु	22/01/2032 09:35	शुक्र	09/04/2032 11:34	चंद्र	22/05/2032 20:26	मंगल	12/06/2032 13:14
शुक्र	02/02/2032 21:33	सूर्य	13/04/2032 13:53	मंगल	23/05/2032 13:50	राहु	17/06/2032 21:04
सूर्य	06/02/2032 08:21	चंद्र	20/04/2032 09:45	राहु	25/05/2032 10:35	गुरु	22/06/2032 14:42
चंद्र	12/02/2032 02:20	मंगल	25/04/2032 04:26	गुरु	27/05/2032 02:21	शनि	28/06/2032 05:38
मंगल	16/02/2032 02:55	राहु	07/05/2032 11:23	शनि	29/05/2032 01:35	बुध	03/07/2032 06:22
राहु	26/02/2032 11:17	गुरु	18/05/2032 09:33	बुध	30/05/2032 19:50	केतु	05/07/2032 08:05

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - चंद्र - सूर्य - गुरु	
07/12/2025 16:36	
09/12/2025 17:18	
गुरु	07/12/2025 23:05
शनि	08/12/2025 06:48
बुध	08/12/2025 13:42
केतु	08/12/2025 16:32
शुक्र	09/12/2025 00:39
सूर्य	09/12/2025 03:05
चंद्र	09/12/2025 07:09
मंगल	09/12/2025 09:59
राहु	09/12/2025 17:18

चंद्र - चंद्र - सूर्य - शनि	
09/12/2025 17:18	
12/12/2025 03:07	
शनि	10/12/2025 02:27
बुध	10/12/2025 10:39
केतु	10/12/2025 14:01
शुक्र	10/12/2025 23:39
सूर्य	11/12/2025 02:33
चंद्र	11/12/2025 07:22
मंगल	11/12/2025 10:44
राहु	11/12/2025 19:25
गुरु	12/12/2025 03:07

चंद्र - चंद्र - सूर्य - बुध	
12/12/2025 03:07	
14/12/2025 06:52	
बुध	12/12/2025 10:27
केतु	12/12/2025 13:28
शुक्र	12/12/2025 22:06
सूर्य	13/12/2025 00:41
चंद्र	13/12/2025 05:00
मंगल	13/12/2025 08:01
राहु	13/12/2025 15:47
गुरु	13/12/2025 22:41
शनि	14/12/2025 06:52

चंद्र - चंद्र - सूर्य - केतु	
14/12/2025 06:52	
15/12/2025 04:10	
केतु	14/12/2025 08:07
शुक्र	14/12/2025 11:40
सूर्य	14/12/2025 12:44
चंद्र	14/12/2025 14:30
मंगल	14/12/2025 15:45
राहु	14/12/2025 18:56
गुरु	14/12/2025 21:47
शनि	15/12/2025 01:09
बुध	15/12/2025 04:10

चंद्र - चंद्र - सूर्य - शुक्र	
15/12/2025 04:10	
17/12/2025 17:03	
शुक्र	15/12/2025 14:19
सूर्य	15/12/2025 17:22
चंद्र	15/12/2025 22:26
मंगल	16/12/2025 01:59
राहु	16/12/2025 11:07
गुरु	16/12/2025 19:14
शनि	17/12/2025 04:52
बुध	17/12/2025 13:30
केतु	17/12/2025 17:03

चंद्र - मंगल - मंगल - मंगल	
17/12/2025 17:03	
18/12/2025 10:27	
मंगल	17/12/2025 18:04
राहु	17/12/2025 20:40
गुरु	17/12/2025 23:00
शनि	18/12/2025 01:45
बुध	18/12/2025 04:13
केतु	18/12/2025 05:14
शुक्र	18/12/2025 08:08
सूर्य	18/12/2025 09:00
चंद्र	18/12/2025 10:27

चंद्र - मंगल - मंगल - राहु	
18/12/2025 10:27	
20/12/2025 07:12	
राहु	18/12/2025 17:10
गुरु	18/12/2025 23:08
शनि	19/12/2025 06:13
बुध	19/12/2025 12:33
केतु	19/12/2025 15:10
शुक्र	19/12/2025 22:37
सूर्य	20/12/2025 00:51
चंद्र	20/12/2025 04:35
मंगल	20/12/2025 07:12

चंद्र - मंगल - मंगल - गुरु	
20/12/2025 07:12	
21/12/2025 22:58	
गुरु	20/12/2025 12:30
शनि	20/12/2025 18:48
बुध	21/12/2025 00:26
केतु	21/12/2025 02:45
शुक्र	21/12/2025 09:23
सूर्य	21/12/2025 11:22
चंद्र	21/12/2025 14:41
मंगल	21/12/2025 17:00
राहु	21/12/2025 22:58

चंद्र - मंगल - मंगल - शनि	
21/12/2025 22:58	
23/12/2025 22:12	
शनि	22/12/2025 06:27
बुध	22/12/2025 13:08
केतु	22/12/2025 15:53
शुक्र	22/12/2025 23:46
सूर्य	23/12/2025 02:07
चंद्र	23/12/2025 06:03
मंगल	23/12/2025 08:49
राहु	23/12/2025 15:54
गुरु	23/12/2025 22:12

चंद्र - मंगल - मंगल - बुध	
23/12/2025 22:12	
25/12/2025 16:27	
बुध	24/12/2025 04:11
केतु	24/12/2025 06:39
शुक्र	24/12/2025 13:41
सूर्य	24/12/2025 15:48
चंद्र	24/12/2025 19:19
मंगल	24/12/2025 21:47
राहु	25/12/2025 04:08
गुरु	25/12/2025 09:46
शनि	25/12/2025 16:27

चंद्र - मंगल - मंगल - केतु	
25/12/2025 16:27	
26/12/2025 09:51	
केतु	25/12/2025 17:28
शुक्र	25/12/2025 20:22
सूर्य	25/12/2025 21:14
चंद्र	25/12/2025 22:41
मंगल	25/12/2025 23:42
राहु	26/12/2025 02:19
गुरु	26/12/2025 04:38
शनि	26/12/2025 07:23
बुध	26/12/2025 09:51

चंद्र - मंगल - मंगल - शुक्र	
26/12/2025 09:51	
28/12/2025 11:34	
शुक्र	26/12/2025 18:08
सूर्य	26/12/2025 20:37
चंद्र	27/12/2025 00:46
मंगल	27/12/2025 03:40
राहु	27/12/2025 11:07
गुरु	27/12/2025 17:45
शनि	28/12/2025 01:37
बुध	28/12/2025 08:40
केतु	28/12/2025 11:34

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - मंगल - मंगल - सूर्य		चंद्र - मंगल - मंगल - चंद्र		चंद्र - मंगल - राहु - राहु		चंद्र - मंगल - राहु - गुरु	
28/12/2025 11:34		29/12/2025 02:29		30/12/2025 03:20		03/01/2026 22:23	
29/12/2025 02:29		30/12/2025 03:20		03/01/2026 22:23		08/01/2026 04:40	
सूर्य	28/12/2025 12:19	चंद्र	29/12/2025 04:33	राहु	30/12/2025 20:36	गुरु	04/01/2026 12:02
चंद्र	28/12/2025 13:33	मंगल	29/12/2025 06:00	गुरु	31/12/2025 11:56	शनि	05/01/2026 04:13
मंगल	28/12/2025 14:25	राहु	29/12/2025 09:44	शनि	01/01/2026 06:09	बुध	05/01/2026 18:42
राहु	28/12/2025 16:40	गुरु	29/12/2025 13:03	बुध	01/01/2026 22:27	केतु	06/01/2026 00:40
गुरु	28/12/2025 18:39	शनि	29/12/2025 16:59	केतु	02/01/2026 05:10	शुक्र	06/01/2026 17:43
शनि	28/12/2025 21:01	बुध	29/12/2025 20:30	शुक्र	03/01/2026 00:20	सूर्य	06/01/2026 22:50
बुध	28/12/2025 23:07	केतु	29/12/2025 21:57	सूर्य	03/01/2026 06:05	चंद्र	07/01/2026 07:21
केतु	28/12/2025 24:00	शुक्र	30/12/2025 02:06	चंद्र	03/01/2026 15:41	मंगल	07/01/2026 13:19
शुक्र	29/12/2025 02:29	सूर्य	30/12/2025 03:20	मंगल	03/01/2026 22:23	राहु	08/01/2026 04:40

चंद्र - मंगल - राहु - शनि		चंद्र - मंगल - राहु - बुध		चंद्र - मंगल - राहु - केतु		चंद्र - मंगल - राहु - शुक्र	
08/01/2026 04:40		13/01/2026 06:06		17/01/2026 18:46		19/01/2026 15:31	
13/01/2026 06:06		17/01/2026 18:46		19/01/2026 15:31		24/01/2026 23:21	
शनि	08/01/2026 23:53	बुध	13/01/2026 21:30	केतु	17/01/2026 21:23	शुक्र	20/01/2026 12:49
बुध	09/01/2026 17:06	केतु	14/01/2026 03:50	शुक्र	18/01/2026 04:50	सूर्य	20/01/2026 19:13
केतु	10/01/2026 00:11	शुक्र	14/01/2026 21:57	सूर्य	18/01/2026 07:04	चंद्र	21/01/2026 05:52
शुक्र	10/01/2026 20:25	सूर्य	15/01/2026 03:23	चंद्र	18/01/2026 10:48	मंगल	21/01/2026 13:19
सूर्य	11/01/2026 02:30	चंद्र	15/01/2026 12:26	मंगल	18/01/2026 13:25	राहु	22/01/2026 08:30
चंद्र	11/01/2026 12:37	मंगल	15/01/2026 18:47	राहु	18/01/2026 20:07	गुरु	23/01/2026 01:32
मंगल	11/01/2026 19:42	राहु	16/01/2026 11:04	गुरु	19/01/2026 02:05	शनि	23/01/2026 21:47
राहु	12/01/2026 13:55	गुरु	17/01/2026 01:34	शनि	19/01/2026 09:10	बुध	24/01/2026 15:53
गुरु	13/01/2026 06:06	शनि	17/01/2026 18:46	बुध	19/01/2026 15:31	केतु	24/01/2026 23:21

चंद्र - मंगल - राहु - सूर्य		चंद्र - मंगल - राहु - चंद्र		चंद्र - मंगल - राहु - मंगल		चंद्र - मंगल - गुरु - गुरु	
24/01/2026 23:21		26/01/2026 13:42		29/01/2026 05:37		31/01/2026 02:22	
26/01/2026 13:42		29/01/2026 05:37		31/01/2026 02:22		03/02/2026 21:16	
सूर्य	25/01/2026 01:16	चंद्र	26/01/2026 19:02	मंगल	29/01/2026 08:14	गुरु	31/01/2026 14:29
चंद्र	25/01/2026 04:28	मंगल	26/01/2026 22:45	राहु	29/01/2026 14:56	शनि	01/02/2026 04:53
मंगल	25/01/2026 06:42	राहु	27/01/2026 08:21	गुरु	29/01/2026 20:54	बुध	01/02/2026 17:45
राहु	25/01/2026 12:27	गुरु	27/01/2026 16:52	शनि	30/01/2026 03:59	केतु	01/02/2026 23:03
गुरु	25/01/2026 17:34	शनि	28/01/2026 02:59	बुध	30/01/2026 10:20	शुक्र	02/02/2026 14:13
शनि	25/01/2026 23:38	बुध	28/01/2026 12:02	केतु	30/01/2026 12:56	सूर्य	02/02/2026 18:45
बुध	26/01/2026 05:04	केतु	28/01/2026 15:46	शुक्र	30/01/2026 20:24	चंद्र	03/02/2026 02:20
केतु	26/01/2026 07:18	शुक्र	29/01/2026 02:25	सूर्य	30/01/2026 22:38	मंगल	03/02/2026 07:38
शुक्र	26/01/2026 13:42	सूर्य	29/01/2026 05:37	चंद्र	31/01/2026 02:22	राहु	03/02/2026 21:16

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 5 मास 16 दिन

गुरु 13 वर्ष	शनि 14 वर्ष	केतु 15 वर्ष	चंद्र 16 वर्ष	बुध 17 वर्ष
05/05/1998	21/10/1999	20/10/2013	20/10/2028	20/10/2044
21/10/1999	20/10/2013	20/10/2028	20/10/2044	20/10/2061
00/00/0000	शनि 29/06/2001	केतु 29/09/2015	चंद्र 04/01/2031	बुध 18/04/2047
00/00/0000	केतु 21/04/2003	चंद्र 23/10/2017	बुध 09/05/2033	शुक्र 06/12/2049
00/00/0000	चंद्र 26/03/2005	बुध 04/01/2020	शुक्र 02/11/2035	सूर्य 18/07/2051
00/00/0000	बुध 15/04/2007	शुक्र 03/05/2022	सूर्य 09/05/2037	मंगल 20/04/2053
00/00/0000	शुक्र 16/06/2009	सूर्य 05/10/2023	मंगल 04/01/2039	गुरु 17/03/2055
05/05/1998	सूर्य 14/10/2010	मंगल 24/04/2025	गुरु 20/10/2040	शनि 05/04/2057
सूर्य 16/06/1998	मंगल 26/03/2012	गुरु 29/12/2026	शनि 25/09/2042	केतु 17/06/2059
मंगल 21/10/1999	गुरु 20/10/2013	शनि 20/10/2028	केतु 20/10/2044	चंद्र 20/10/2061

शुक्र 18 वर्ष	सूर्य 11 वर्ष	मंगल 12 वर्ष	गुरु 13 वर्ष
20/10/2061	21/10/2079	20/10/2090	21/10/2102
21/10/2079	20/10/2090	21/10/2102	00/00/0000
शुक्र 05/08/2064	सूर्य 05/11/2080	मंगल 17/01/2092	गुरु 05/04/2104
सूर्य 21/04/2066	मंगल 25/12/2081	गुरु 22/05/2093	शनि 31/10/2105
मंगल 01/03/2068	गुरु 20/03/2083	शनि 02/11/2094	केतु 07/07/2107
गुरु 08/03/2070	शनि 17/07/2084	केतु 22/05/2096	चंद्र 21/04/2109
शनि 09/05/2072	केतु 19/12/2085	चंद्र 16/01/2098	बुध 18/03/2111
केतु 06/09/2074	चंद्र 26/06/2087	बुध 21/10/2099	शुक्र 24/03/2113
चंद्र 01/03/2077	बुध 04/02/2089	शुक्र 01/09/2101	सूर्य 06/05/2114
बुध 21/10/2079	शुक्र 20/10/2090	सूर्य 21/10/2102	00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र	
05/05/1998		16/06/1998		21/10/1999		29/06/2001		21/04/2003	
16/06/1998		21/10/1999		29/06/2001		21/04/2003		26/03/2005	
	00/00/0000	मंगल	06/08/1998	शनि	03/01/2000	केतु	22/09/2001	चंद्र	27/07/2003
	00/00/0000	गुरु	30/09/1998	केतु	23/03/2000	चंद्र	22/12/2001	बुध	08/11/2003
	00/00/0000	शनि	29/11/1998	चंद्र	16/06/2000	बुध	29/03/2002	शुक्र	25/02/2004
	00/00/0000	केतु	31/01/1999	बुध	14/09/2000	शुक्र	10/07/2002	सूर्य	02/05/2004
	00/00/0000	चंद्र	09/04/1999	शुक्र	19/12/2000	सूर्य	11/09/2002	मंगल	14/07/2004
	00/00/0000	बुध	20/06/1999	सूर्य	16/02/2001	मंगल	18/11/2002	गुरु	01/10/2004
	05/05/1998	शुक्र	04/09/1999	मंगल	21/04/2001	गुरु	31/01/2003	शनि	25/12/2004
शुक्र	16/06/1998	सूर्य	21/10/1999	गुरु	29/06/2001	शनि	21/04/2003	केतु	26/03/2005

शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु	
26/03/2005		15/04/2007		16/06/2009		14/10/2010		26/03/2012	
15/04/2007		16/06/2009		14/10/2010		26/03/2012		20/10/2013	
बुध	14/07/2005	शुक्र	16/08/2007	सूर्य	01/08/2009	मंगल	08/12/2010	गुरु	29/05/2012
शुक्र	07/11/2005	सूर्य	30/10/2007	मंगल	20/09/2009	गुरु	05/02/2011	शनि	06/08/2012
सूर्य	17/01/2006	मंगल	20/01/2008	गुरु	14/11/2009	शनि	10/04/2011	केतु	20/10/2012
मंगल	05/04/2006	गुरु	18/04/2008	शनि	11/01/2010	केतु	17/06/2011	चंद्र	07/01/2013
गुरु	28/06/2006	शनि	23/07/2008	केतु	15/03/2010	चंद्र	29/08/2011	बुध	01/04/2013
शनि	26/09/2006	केतु	02/11/2008	चंद्र	21/05/2010	बुध	15/11/2011	शुक्र	28/06/2013
केतु	01/01/2007	चंद्र	20/02/2009	बुध	31/07/2010	शुक्र	05/02/2012	सूर्य	22/08/2013
चंद्र	15/04/2007	बुध	16/06/2009	शुक्र	14/10/2010	सूर्य	26/03/2012	मंगल	20/10/2013

केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
20/10/2013		29/09/2015		23/10/2017		04/01/2020		03/05/2022	
29/09/2015		23/10/2017		04/01/2020		03/05/2022		05/10/2023	
केतु	20/01/2014	चंद्र	11/01/2016	बुध	18/02/2018	शुक्र	15/05/2020	सूर्य	22/06/2022
चंद्र	27/04/2014	बुध	01/05/2016	शुक्र	23/06/2018	सूर्य	04/08/2020	मंगल	14/08/2022
बुध	09/08/2014	शुक्र	26/08/2016	सूर्य	07/09/2018	मंगल	31/10/2020	गुरु	12/10/2022
शुक्र	27/11/2014	सूर्य	05/11/2016	मंगल	29/11/2018	गुरु	03/02/2021	शनि	13/12/2022
सूर्य	02/02/2015	मंगल	23/01/2017	गुरु	27/02/2019	शनि	17/05/2021	केतु	18/02/2023
मंगल	17/04/2015	गुरु	17/04/2017	शनि	04/06/2019	केतु	03/09/2021	चंद्र	01/05/2023
गुरु	05/07/2015	शनि	18/07/2017	केतु	15/09/2019	चंद्र	30/12/2021	बुध	16/07/2023
शनि	29/09/2015	केतु	23/10/2017	चंद्र	04/01/2020	बुध	03/05/2022	शुक्र	05/10/2023

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध	
05/10/2023		24/04/2025		29/12/2026		20/10/2028		04/01/2031	
24/04/2025		29/12/2026		20/10/2028		04/01/2031		09/05/2033	
मंगल	02/12/2023	गुरु	01/07/2025	शनि	18/03/2027	चंद्र	08/02/2029	बुध	09/05/2031
गुरु	04/02/2024	शनि	14/09/2025	केतु	12/06/2027	बुध	06/06/2029	शुक्र	19/09/2031
शनि	12/04/2024	केतु	02/12/2025	चंद्र	11/09/2027	शुक्र	09/10/2029	सूर्य	10/12/2031
केतु	25/06/2024	चंद्र	25/02/2026	बुध	17/12/2027	सूर्य	25/12/2029	मंगल	07/03/2032
चंद्र	11/09/2024	बुध	26/05/2026	शुक्र	29/03/2028	मंगल	18/03/2030	गुरु	11/06/2032
बुध	03/12/2024	शुक्र	29/08/2026	सूर्य	30/05/2028	गुरु	16/06/2030	शनि	22/09/2032
शुक्र	01/03/2025	सूर्य	26/10/2026	मंगल	07/08/2028	शनि	22/09/2030	केतु	11/01/2033
सूर्य	24/04/2025	मंगल	29/12/2026	गुरु	20/10/2028	केतु	04/01/2031	चंद्र	09/05/2033

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
09/05/2033		02/11/2035		09/05/2037		04/01/2039		20/10/2040	
02/11/2035		09/05/2037		04/01/2039		20/10/2040		25/09/2042	
शुक्र	27/09/2033	सूर्य	25/12/2035	मंगल	11/07/2037	गुरु	18/03/2039	शनि	13/01/2041
सूर्य	22/12/2033	मंगल	20/02/2036	गुरु	17/09/2037	शनि	05/06/2039	केतु	14/04/2041
मंगल	26/03/2034	गुरु	22/04/2036	शनि	29/11/2037	केतु	29/08/2039	चंद्र	20/07/2041
गुरु	06/07/2034	शनि	28/06/2036	केतु	15/02/2038	चंद्र	27/11/2039	बुध	01/11/2041
शनि	23/10/2034	केतु	08/09/2036	चंद्र	09/05/2038	बुध	02/03/2040	शुक्र	18/02/2042
केतु	17/02/2035	चंद्र	23/11/2036	बुध	06/08/2038	शुक्र	12/06/2040	सूर्य	26/04/2042
चंद्र	22/06/2035	बुध	12/02/2037	शुक्र	08/11/2038	सूर्य	13/08/2040	मंगल	08/07/2042
बुध	02/11/2035	शुक्र	09/05/2037	सूर्य	04/01/2039	मंगल	20/10/2040	गुरु	25/09/2042

चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - मंगल	
25/09/2042		20/10/2044		18/04/2047		06/12/2049		18/07/2051	
20/10/2044		18/04/2047		06/12/2049		18/07/2051		20/04/2053	
केतु	01/01/2043	बुध	02/03/2045	शुक्र	14/09/2047	सूर्य	31/01/2050	मंगल	23/09/2051
चंद्र	15/04/2043	शुक्र	21/07/2045	सूर्य	15/12/2047	मंगल	02/04/2050	गुरु	04/12/2051
बुध	04/08/2043	सूर्य	16/10/2045	मंगल	23/03/2048	गुरु	07/06/2050	शनि	19/02/2052
शुक्र	29/11/2043	मंगल	18/01/2046	गुरु	09/07/2048	शनि	17/08/2050	केतु	12/05/2052
सूर्य	09/02/2044	गुरु	30/04/2046	शनि	03/11/2048	केतु	01/11/2050	चंद्र	09/08/2052
मंगल	27/04/2044	शनि	18/08/2046	केतु	07/03/2049	चंद्र	21/01/2051	बुध	11/11/2052
गुरु	21/07/2044	केतु	13/12/2046	चंद्र	18/07/2049	बुध	18/04/2051	शुक्र	19/02/2053
शनि	20/10/2044	चंद्र	18/04/2047	बुध	06/12/2049	शुक्र	18/07/2051	सूर्य	20/04/2053

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र	
20/04/2053		17/03/2055		05/04/2057		17/06/2059		20/10/2061	
17/03/2055		05/04/2057		17/06/2059		20/10/2061		05/08/2064	
गुरु	07/07/2053	शनि	16/06/2055	केतु	18/07/2057	चंद्र	13/10/2059	शुक्र	27/03/2062
शनि	29/09/2053	केतु	21/09/2055	चंद्र	05/11/2057	बुध	15/02/2060	सूर्य	02/07/2062
केतु	28/12/2053	चंद्र	02/01/2056	बुध	03/03/2058	शुक्र	27/06/2060	मंगल	16/10/2062
चंद्र	03/04/2054	बुध	21/04/2056	शुक्र	06/07/2058	सूर्य	16/09/2060	गुरु	07/02/2063
बुध	14/07/2054	शुक्र	15/08/2056	सूर्य	20/09/2058	मंगल	14/12/2060	शनि	10/06/2063
शुक्र	30/10/2054	सूर्य	25/10/2056	मंगल	12/12/2058	गुरु	20/03/2061	केतु	20/10/2063
सूर्य	04/01/2055	मंगल	11/01/2057	गुरु	12/03/2059	शनि	01/07/2061	चंद्र	09/03/2064
मंगल	17/03/2055	गुरु	05/04/2057	शनि	17/06/2059	केतु	20/10/2061	बुध	05/08/2064

शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - केतु	
05/08/2064		21/04/2066		01/03/2068		08/03/2070		09/05/2072	
21/04/2066		01/03/2068		08/03/2070		09/05/2072		06/09/2074	
सूर्य	03/10/2064	मंगल	30/06/2066	गुरु	22/05/2068	शनि	11/06/2070	केतु	27/08/2072
मंगल	07/12/2064	गुरु	14/09/2066	शनि	19/08/2068	केतु	22/09/2070	चंद्र	22/12/2072
गुरु	15/02/2065	शनि	05/12/2066	केतु	23/11/2068	चंद्र	09/01/2071	बुध	26/04/2073
शनि	01/05/2065	केतु	03/03/2067	चंद्र	04/03/2069	बुध	06/05/2071	शुक्र	05/09/2073
केतु	21/07/2065	चंद्र	05/06/2067	बुध	20/06/2069	शुक्र	06/09/2071	सूर्य	24/11/2073
चंद्र	15/10/2065	बुध	13/09/2067	शुक्र	13/10/2069	सूर्य	20/11/2071	मंगल	20/02/2074
बुध	14/01/2066	शुक्र	27/12/2067	सूर्य	21/12/2069	मंगल	10/02/2072	गुरु	27/05/2074
शुक्र	21/04/2066	सूर्य	01/03/2068	मंगल	08/03/2070	गुरु	09/05/2072	शनि	06/09/2074

शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु	
06/09/2074		01/03/2077		21/10/2079		05/11/2080		25/12/2081	
01/03/2077		21/10/2079		05/11/2080		25/12/2081		20/03/2083	
चंद्र	09/01/2075	बुध	20/07/2077	सूर्य	26/11/2079	मंगल	18/12/2080	गुरु	14/02/2082
बुध	22/05/2075	शुक्र	17/12/2077	मंगल	04/01/2080	गुरु	02/02/2081	शनि	09/04/2082
शुक्र	10/10/2075	सूर्य	18/03/2078	गुरु	16/02/2080	शनि	24/03/2081	केतु	06/06/2082
सूर्य	04/01/2076	मंगल	26/06/2078	शनि	02/04/2080	केतु	17/05/2081	चंद्र	07/08/2082
मंगल	07/04/2076	गुरु	12/10/2078	केतु	21/05/2080	चंद्र	13/07/2081	बुध	12/10/2082
गुरु	17/07/2076	शनि	05/02/2079	चंद्र	13/07/2080	बुध	12/09/2081	शुक्र	21/12/2082
शनि	04/11/2076	केतु	10/06/2079	बुध	06/09/2080	शुक्र	16/11/2081	सूर्य	02/02/2083
केतु	01/03/2077	चंद्र	21/10/2079	शुक्र	05/11/2080	सूर्य	25/12/2081	मंगल	20/03/2083

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र	
20/03/2083		17/07/2084		19/12/2085		26/06/2087		04/02/2089	
17/07/2084		19/12/2085		26/06/2087		04/02/2089		20/10/2090	
शनि	18/05/2083	केतु	23/09/2084	चंद्र	05/03/2086	बुध	20/09/2087	शुक्र	12/05/2089
केतु	20/07/2083	चंद्र	03/12/2084	बुध	26/05/2086	शुक्र	21/12/2087	सूर्य	10/07/2089
चंद्र	25/09/2083	बुध	17/02/2085	शुक्र	20/08/2086	सूर्य	15/02/2088	मंगल	12/09/2089
बुध	05/12/2083	शुक्र	09/05/2085	सूर्य	11/10/2086	मंगल	16/04/2088	गुरु	21/11/2089
शुक्र	18/02/2084	सूर्य	27/06/2085	मंगल	07/12/2086	गुरु	20/06/2088	शनि	04/02/2090
सूर्य	04/04/2084	मंगल	20/08/2085	गुरु	08/02/2087	शनि	31/08/2088	केतु	26/04/2090
मंगल	24/05/2084	गुरु	17/10/2085	शनि	15/04/2087	केतु	15/11/2088	चंद्र	21/07/2090
गुरु	17/07/2084	शनि	19/12/2085	केतु	26/06/2087	चंद्र	04/02/2089	बुध	20/10/2090

मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र	
20/10/2090		17/01/2092		22/05/2093		02/11/2094		22/05/2096	
17/01/2092		22/05/2093		02/11/2094		22/05/2096		16/01/2098	
मंगल	06/12/2090	गुरु	12/03/2092	शनि	25/07/2093	केतु	14/01/2095	चंद्र	13/08/2096
गुरु	26/01/2091	शनि	10/05/2092	केतु	01/10/2093	चंद्र	02/04/2095	बुध	10/11/2096
शनि	22/03/2091	केतु	13/07/2092	चंद्र	13/12/2093	बुध	24/06/2095	शुक्र	12/02/2097
केतु	19/05/2091	चंद्र	18/09/2092	बुध	01/03/2094	शुक्र	20/09/2095	सूर्य	10/04/2097
चंद्र	21/07/2091	बुध	29/11/2092	शुक्र	22/05/2094	सूर्य	13/11/2095	मंगल	11/06/2097
बुध	25/09/2091	शुक्र	14/02/2093	सूर्य	11/07/2094	मंगल	11/01/2096	गुरु	18/08/2097
शुक्र	05/12/2091	सूर्य	01/04/2093	मंगल	04/09/2094	गुरु	14/03/2096	शनि	30/10/2097
सूर्य	17/01/2092	मंगल	22/05/2093	गुरु	02/11/2094	शनि	22/05/2096	केतु	16/01/2098

मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु		गुरु - शनि	
16/01/2098		21/10/2099		01/09/2101		21/10/2102		05/04/2104	
21/10/2099		01/09/2101		21/10/2102		05/04/2104		31/10/2105	
बुध	20/04/2098	शुक्र	03/02/2100	सूर्य	10/10/2101	गुरु	20/12/2102	शनि	14/06/2104
शुक्र	29/07/2098	सूर्य	09/04/2100	मंगल	22/11/2101	शनि	22/02/2103	केतु	27/08/2104
सूर्य	28/09/2098	मंगल	18/06/2100	गुरु	08/01/2102	केतु	02/05/2103	चंद्र	14/11/2104
मंगल	03/12/2098	गुरु	02/09/2100	शनि	27/02/2102	चंद्र	14/07/2103	बुध	06/02/2105
गुरु	13/02/2099	शनि	23/11/2100	केतु	22/04/2102	बुध	30/09/2103	शुक्र	06/05/2105
शनि	02/05/2099	केतु	19/02/2101	चंद्र	18/06/2102	शुक्र	22/12/2103	सूर्य	29/06/2105
केतु	24/07/2099	चंद्र	24/05/2101	बुध	18/08/2102	सूर्य	10/02/2104	मंगल	27/08/2105
चंद्र	21/10/2099	बुध	01/09/2101	शुक्र	21/10/2102	मंगल	05/04/2104	गुरु	31/10/2105

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 6 मास 8 दिन

केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष	
05/05/1998		13/11/1998		14/03/2012		14/03/2016		13/11/2022	
13/11/1998		14/03/2012		14/03/2016		13/11/2022		14/07/2027	
	00/00/0000	शुक्र	01/02/2001	सूर्य	26/05/2012	चंद्र	02/10/2016	मंगल	20/02/2023
	00/00/0000	सूर्य	03/10/2001	चंद्र	24/09/2012	मंगल	22/02/2017	राहु	03/11/2023
	00/00/0000	चंद्र	13/11/2002	मंगल	19/12/2012	राहु	22/02/2018	गुरु	17/06/2024
	00/00/0000	मंगल	24/08/2003	राहु	26/07/2013	गुरु	12/01/2019	शनि	14/03/2025
	00/00/0000	राहु	23/08/2005	गुरु	06/02/2014	शनि	02/02/2020	बुध	10/11/2025
	00/00/0000	गुरु	03/06/2007	शनि	25/09/2014	बुध	12/01/2021	केतु	18/02/2026
	00/00/0000	शनि	14/07/2009	बुध	20/04/2015	केतु	03/06/2021	शुक्र	29/11/2026
	05/05/1998	बुध	03/06/2011	केतु	14/07/2015	शुक्र	14/07/2022	सूर्य	22/02/2027
बुध	13/11/1998	केतु	14/03/2012	शुक्र	14/03/2016	सूर्य	13/11/2022	चंद्र	14/07/2027

राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष	
14/07/2027		14/07/2039		14/03/2050		13/11/2062		14/03/2074	
14/07/2039		14/03/2050		13/11/2062		14/03/2074		05/05/2078	
राहु	02/05/2029	गुरु	15/12/2040	शनि	16/03/2052	बुध	21/06/2064	केतु	21/06/2074
गुरु	07/12/2030	शनि	23/08/2042	बुध	31/12/2053	केतु	17/02/2065	शुक्र	02/04/2075
शनि	31/10/2032	बुध	26/02/2044	केतु	27/09/2054	शुक्र	08/01/2067	सूर्य	26/06/2075
बुध	14/07/2034	केतु	11/10/2044	शुक्र	06/11/2056	सूर्य	03/08/2067	चंद्र	15/11/2075
केतु	26/03/2035	शुक्र	22/07/2046	सूर्य	25/06/2057	चंद्र	13/07/2068	मंगल	22/02/2076
शुक्र	26/03/2037	सूर्य	02/02/2047	चंद्र	16/07/2058	मंगल	12/03/2069	राहु	04/11/2076
सूर्य	31/10/2037	चंद्र	23/12/2047	मंगल	12/04/2059	राहु	23/11/2070	गुरु	19/06/2077
चंद्र	31/10/2038	मंगल	07/08/2048	राहु	06/03/2061	गुरु	28/05/2072	शनि	16/03/2078
मंगल	14/07/2039	राहु	14/03/2050	गुरु	13/11/2062	शनि	14/03/2074	बुध	05/05/2078

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
05/05/1998		13/11/1998		01/02/2001		03/10/2001		13/11/2002	
13/11/1998		01/02/2001		03/10/2001		13/11/2002		24/08/2003	
	00/00/0000	शुक्र	28/03/1999	सूर्य	13/02/2001	चंद्र	06/11/2001	मंगल	29/11/2002
	05/05/1998	सूर्य	07/05/1999	चंद्र	06/03/2001	मंगल	29/11/2001	राहु	11/01/2003
शुक्र	13/06/1998	चंद्र	14/07/1999	मंगल	20/03/2001	राहु	29/01/2002	गुरु	18/02/2003
सूर्य	25/06/1998	मंगल	30/08/1999	राहु	25/04/2001	गुरु	24/03/2002	शनि	04/04/2003
चंद्र	15/07/1998	राहु	30/12/1999	गुरु	28/05/2001	शनि	27/05/2002	बुध	14/05/2003
मंगल	29/07/1998	गुरु	16/04/2000	शनि	05/07/2001	बुध	24/07/2002	केतु	30/05/2003
राहु	03/09/1998	शनि	23/08/2000	बुध	09/08/2001	केतु	17/08/2002	शुक्र	17/07/2003
गुरु	05/10/1998	बुध	16/12/2000	केतु	23/08/2001	शुक्र	23/10/2002	सूर्य	31/07/2003
शनि	13/11/1998	केतु	01/02/2001	शुक्र	03/10/2001	सूर्य	13/11/2002	चंद्र	24/08/2003

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
24/08/2003		23/08/2005		03/06/2007		14/07/2009		03/06/2011	
23/08/2005		03/06/2007		14/07/2009		03/06/2011		14/03/2012	
राहु	11/12/2003	गुरु	18/11/2005	शनि	04/10/2007	बुध	19/10/2009	केतु	20/06/2011
गुरु	18/03/2004	शनि	01/03/2006	बुध	21/01/2008	केतु	29/11/2009	शुक्र	06/08/2011
शनि	11/07/2004	बुध	01/06/2006	केतु	06/03/2008	शुक्र	24/03/2010	सूर्य	21/08/2011
बुध	23/10/2004	केतु	08/07/2006	शुक्र	12/07/2008	सूर्य	27/04/2010	चंद्र	13/09/2011
केतु	04/12/2004	शुक्र	25/10/2006	सूर्य	20/08/2008	चंद्र	24/06/2010	मंगल	30/09/2011
शुक्र	05/04/2005	सूर्य	26/11/2006	चंद्र	23/10/2008	मंगल	03/08/2010	राहु	11/11/2011
सूर्य	12/05/2005	चंद्र	19/01/2007	मंगल	07/12/2008	राहु	14/11/2010	गुरु	19/12/2011
चंद्र	12/07/2005	मंगल	26/02/2007	राहु	02/04/2009	गुरु	14/02/2011	शनि	02/02/2012
मंगल	23/08/2005	राहु	03/06/2007	गुरु	14/07/2009	शनि	03/06/2011	बुध	14/03/2012

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
14/03/2012		26/05/2012		24/09/2012		19/12/2012		26/07/2013	
26/05/2012		24/09/2012		19/12/2012		26/07/2013		06/02/2014	
सूर्य	17/03/2012	चंद्र	05/06/2012	मंगल	29/09/2012	राहु	20/01/2013	गुरु	21/08/2013
चंद्र	23/03/2012	मंगल	12/06/2012	राहु	12/10/2012	गुरु	19/02/2013	शनि	21/09/2013
मंगल	28/03/2012	राहु	30/06/2012	गुरु	23/10/2012	शनि	25/03/2013	बुध	18/10/2013
राहु	08/04/2012	गुरु	16/07/2012	शनि	06/11/2012	बुध	25/04/2013	केतु	30/10/2013
गुरु	17/04/2012	शनि	05/08/2012	बुध	18/11/2012	केतु	08/05/2013	शुक्र	01/12/2013
शनि	29/04/2012	बुध	22/08/2012	केतु	23/11/2012	शुक्र	14/06/2013	सूर्य	11/12/2013
बुध	09/05/2012	केतु	29/08/2012	शुक्र	07/12/2012	सूर्य	25/06/2013	चंद्र	27/12/2013
केतु	13/05/2012	शुक्र	18/09/2012	सूर्य	11/12/2012	चंद्र	13/07/2013	मंगल	07/01/2014
शुक्र	26/05/2012	सूर्य	24/09/2012	चंद्र	19/12/2012	मंगल	26/07/2013	राहु	06/02/2014

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
06/02/2014		25/09/2014		20/04/2015		14/07/2015		14/03/2016	
25/09/2014		20/04/2015		14/07/2015		14/03/2016		02/10/2016	
शनि	14/03/2014	बुध	24/10/2014	केतु	25/04/2015	शुक्र	24/08/2015	चंद्र	30/03/2016
बुध	16/04/2014	केतु	05/11/2014	शुक्र	09/05/2015	सूर्य	05/09/2015	मंगल	11/04/2016
केतु	29/04/2014	शुक्र	10/12/2014	सूर्य	13/05/2015	चंद्र	25/09/2015	राहु	12/05/2016
शुक्र	07/06/2014	सूर्य	20/12/2014	चंद्र	20/05/2015	मंगल	09/10/2015	गुरु	08/06/2016
सूर्य	19/06/2014	चंद्र	06/01/2015	मंगल	25/05/2015	राहु	15/11/2015	शनि	10/07/2016
चंद्र	08/07/2014	मंगल	18/01/2015	राहु	07/06/2015	गुरु	17/12/2015	बुध	08/08/2016
मंगल	21/07/2014	राहु	18/02/2015	गुरु	18/06/2015	शनि	25/01/2016	केतु	20/08/2016
राहु	25/08/2014	गुरु	18/03/2015	शनि	02/07/2015	बुध	28/02/2016	शुक्र	22/09/2016
गुरु	25/09/2014	शनि	20/04/2015	बुध	14/07/2015	केतु	14/03/2016	सूर्य	02/10/2016

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
02/10/2016		22/02/2017		22/02/2018		12/01/2019		02/02/2020	
22/02/2017		22/02/2018		12/01/2019		02/02/2020		12/01/2021	
मंगल	11/10/2016	राहु	17/04/2017	गुरु	06/04/2018	शनि	14/03/2019	बुध	22/03/2020
राहु	01/11/2016	गुरु	05/06/2017	शनि	27/05/2018	बुध	08/05/2019	केतु	11/04/2020
गुरु	20/11/2016	शनि	02/08/2017	बुध	12/07/2018	केतु	31/05/2019	शुक्र	07/06/2020
शनि	13/12/2016	बुध	23/09/2017	केतु	31/07/2018	शुक्र	03/08/2019	सूर्य	25/06/2020
बुध	02/01/2017	केतु	14/10/2017	शुक्र	24/09/2018	सूर्य	22/08/2019	चंद्र	23/07/2020
केतु	10/01/2017	शुक्र	14/12/2017	सूर्य	10/10/2018	चंद्र	23/09/2019	मंगल	13/08/2020
शुक्र	03/02/2017	सूर्य	01/01/2018	चंद्र	06/11/2018	मंगल	16/10/2019	राहु	03/10/2020
सूर्य	10/02/2017	चंद्र	31/01/2018	मंगल	25/11/2018	राहु	13/12/2019	गुरु	18/11/2020
चंद्र	22/02/2017	मंगल	22/02/2018	राहु	12/01/2019	गुरु	02/02/2020	शनि	12/01/2021

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
12/01/2021		03/06/2021		14/07/2022		13/11/2022		20/02/2023	
03/06/2021		14/07/2022		13/11/2022		20/02/2023		03/11/2023	
केतु	20/01/2021	शुक्र	10/08/2021	सूर्य	20/07/2022	मंगल	18/11/2022	राहु	30/03/2023
शुक्र	13/02/2021	सूर्य	30/08/2021	चंद्र	30/07/2022	राहु	03/12/2022	गुरु	03/05/2023
सूर्य	20/02/2021	चंद्र	03/10/2021	मंगल	06/08/2022	गुरु	17/12/2022	शनि	13/06/2023
चंद्र	04/03/2021	मंगल	26/10/2021	राहु	24/08/2022	शनि	01/01/2023	बुध	19/07/2023
मंगल	12/03/2021	राहु	26/12/2021	गुरु	10/09/2022	बुध	15/01/2023	केतु	03/08/2023
राहु	02/04/2021	गुरु	18/02/2022	शनि	29/09/2022	केतु	21/01/2023	शुक्र	15/09/2023
गुरु	21/04/2021	शनि	24/04/2022	बुध	16/10/2022	शुक्र	07/02/2023	सूर्य	27/09/2023
शनि	14/05/2021	बुध	20/06/2022	केतु	23/10/2022	सूर्य	12/02/2023	चंद्र	19/10/2023
बुध	03/06/2021	केतु	14/07/2022	शुक्र	13/11/2022	चंद्र	20/02/2023	मंगल	03/11/2023

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
03/11/2023		17/06/2024		14/03/2025		10/11/2025		18/02/2026	
17/06/2024		14/03/2025		10/11/2025		18/02/2026		29/11/2026	
गुरु	03/12/2023	शनि	30/07/2024	बुध	17/04/2025	केतु	16/11/2025	शुक्र	06/04/2026
शनि	08/01/2024	बुध	06/09/2024	केतु	01/05/2025	शुक्र	03/12/2025	सूर्य	20/04/2026
बुध	09/02/2024	केतु	22/09/2024	शुक्र	10/06/2025	सूर्य	08/12/2025	चंद्र	14/05/2026
केतु	22/02/2024	शुक्र	06/11/2024	सूर्य	22/06/2025	चंद्र	16/12/2025	मंगल	31/05/2026
शुक्र	31/03/2024	सूर्य	19/11/2024	चंद्र	13/07/2025	मंगल	22/12/2025	राहु	12/07/2026
सूर्य	12/04/2024	चंद्र	12/12/2024	मंगल	27/07/2025	राहु	06/01/2026	गुरु	19/08/2026
चंद्र	01/05/2024	मंगल	27/12/2024	राहु	01/09/2025	गुरु	19/01/2026	शनि	03/10/2026
मंगल	14/05/2024	राहु	06/02/2025	गुरु	03/10/2025	शनि	04/02/2026	बुध	12/11/2026
राहु	17/06/2024	गुरु	14/03/2025	शनि	10/11/2025	बुध	18/02/2026	केतु	29/11/2026

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
29/11/2026		22/02/2027		14/07/2027		02/05/2029		07/12/2030	
22/02/2027		14/07/2027		02/05/2029		07/12/2030		31/10/2032	
सूर्य	03/12/2026	चंद्र	06/03/2027	राहु	21/10/2027	गुरु	18/07/2029	शनि	27/03/2031
चंद्र	10/12/2026	मंगल	14/03/2027	गुरु	16/01/2028	शनि	19/10/2029	बुध	03/07/2031
मंगल	15/12/2026	राहु	04/04/2027	शनि	29/04/2028	बुध	10/01/2030	केतु	13/08/2031
राहु	28/12/2026	गुरु	23/04/2027	बुध	01/08/2028	केतु	13/02/2030	शुक्र	06/12/2031
गुरु	08/01/2027	शनि	16/05/2027	केतु	08/09/2028	शुक्र	21/05/2030	सूर्य	10/01/2032
शनि	22/01/2027	बुध	05/06/2027	शुक्र	27/12/2028	सूर्य	19/06/2030	चंद्र	08/03/2032
बुध	03/02/2027	केतु	13/06/2027	सूर्य	28/01/2029	चंद्र	07/08/2030	मंगल	17/04/2032
केतु	08/02/2027	शुक्र	07/07/2027	चंद्र	24/03/2029	मंगल	10/09/2030	राहु	30/07/2032
शुक्र	22/02/2027	सूर्य	14/07/2027	मंगल	02/05/2029	राहु	07/12/2030	गुरु	31/10/2032

राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र	
31/10/2032		14/07/2034		26/03/2035		26/03/2037		31/10/2037	
14/07/2034		26/03/2035		26/03/2037		31/10/2037		31/10/2038	
बुध	27/01/2033	केतु	29/07/2034	शुक्र	26/07/2035	सूर्य	06/04/2037	चंद्र	01/12/2037
केतु	04/03/2033	शुक्र	09/09/2034	सूर्य	01/09/2035	चंद्र	24/04/2037	मंगल	22/12/2037
शुक्र	16/06/2033	सूर्य	22/09/2034	चंद्र	01/11/2035	मंगल	07/05/2037	राहु	15/02/2038
सूर्य	17/07/2033	चंद्र	13/10/2034	मंगल	13/12/2035	राहु	09/06/2037	गुरु	04/04/2038
चंद्र	06/09/2033	मंगल	28/10/2034	राहु	01/04/2036	गुरु	08/07/2037	शनि	01/06/2038
मंगल	13/10/2033	राहु	06/12/2034	गुरु	07/07/2036	शनि	12/08/2037	बुध	23/07/2038
राहु	14/01/2034	गुरु	09/01/2035	शनि	31/10/2036	बुध	12/09/2037	केतु	13/08/2038
गुरु	07/04/2034	शनि	18/02/2035	बुध	11/02/2037	केतु	25/09/2037	शुक्र	13/10/2038
शनि	14/07/2034	बुध	26/03/2035	केतु	26/03/2037	शुक्र	31/10/2037	सूर्य	31/10/2038

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु	
31/10/2038		14/07/2039		15/12/2040		23/08/2042		26/02/2044	
14/07/2039		15/12/2040		23/08/2042		26/02/2044		11/10/2044	
मंगल	15/11/2038	गुरु	21/09/2039	शनि	22/03/2041	बुध	10/11/2042	केतु	11/03/2044
राहु	24/12/2038	शनि	13/12/2039	बुध	18/06/2041	केतु	12/12/2042	शुक्र	17/04/2044
गुरु	27/01/2039	बुध	24/02/2040	केतु	24/07/2041	शुक्र	14/03/2043	सूर्य	29/04/2044
शनि	08/03/2039	केतु	25/03/2040	शुक्र	03/11/2041	सूर्य	10/04/2043	चंद्र	18/05/2044
बुध	13/04/2039	शुक्र	20/06/2040	सूर्य	04/12/2041	चंद्र	26/05/2043	मंगल	31/05/2044
केतु	28/04/2039	सूर्य	16/07/2040	चंद्र	25/01/2042	मंगल	28/06/2043	राहु	04/07/2044
शुक्र	10/06/2039	चंद्र	28/08/2040	मंगल	02/03/2042	राहु	18/09/2043	गुरु	03/08/2044
सूर्य	23/06/2039	मंगल	28/09/2040	राहु	02/06/2042	गुरु	01/12/2043	शनि	08/09/2044
चंद्र	14/07/2039	राहु	15/12/2040	गुरु	23/08/2042	शनि	26/02/2044	बुध	11/10/2044

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
11/10/2044		22/07/2046		02/02/2047		23/12/2047		07/08/2048	
22/07/2046		02/02/2047		23/12/2047		07/08/2048		14/03/2050	
शुक्र	27/01/2045	सूर्य	01/08/2046	चंद्र	01/03/2047	मंगल	06/01/2048	राहु	02/11/2048
सूर्य	28/02/2045	चंद्र	17/08/2046	मंगल	20/03/2047	राहु	09/02/2048	गुरु	19/01/2049
चंद्र	23/04/2045	मंगल	28/08/2046	राहु	07/05/2047	गुरु	10/03/2048	शनि	22/04/2049
मंगल	31/05/2045	राहु	26/09/2046	गुरु	20/06/2047	शनि	15/04/2048	बुध	14/07/2049
राहु	06/09/2045	गुरु	22/10/2046	शनि	10/08/2047	बुध	17/05/2048	केतु	17/08/2049
गुरु	01/12/2045	शनि	22/11/2046	बुध	25/09/2047	केतु	30/05/2048	शुक्र	22/11/2049
शनि	14/03/2046	बुध	20/12/2046	केतु	14/10/2047	शुक्र	07/07/2048	सूर्य	21/12/2049
बुध	14/06/2046	केतु	31/12/2046	शुक्र	07/12/2047	सूर्य	19/07/2048	चंद्र	08/02/2050
केतु	22/07/2046	शुक्र	02/02/2047	सूर्य	23/12/2047	चंद्र	07/08/2048	मंगल	14/03/2050

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
14/03/2050		16/03/2052		31/12/2053		27/09/2054		06/11/2056	
16/03/2052		31/12/2053		27/09/2054		06/11/2056		25/06/2057	
शनि	08/07/2050	बुध	16/06/2052	केतु	16/01/2054	शुक्र	02/02/2055	सूर्य	18/11/2056
बुध	20/10/2050	केतु	25/07/2052	शुक्र	02/03/2054	सूर्य	13/03/2055	चंद्र	07/12/2056
केतु	02/12/2050	शुक्र	11/11/2052	सूर्य	15/03/2054	चंद्र	16/05/2055	मंगल	20/12/2056
शुक्र	03/04/2051	सूर्य	14/12/2052	चंद्र	07/04/2054	मंगल	30/06/2055	राहु	24/01/2057
सूर्य	09/05/2051	चंद्र	06/02/2053	मंगल	22/04/2054	राहु	24/10/2055	गुरु	24/02/2057
चंद्र	09/07/2051	मंगल	17/03/2053	राहु	02/06/2054	गुरु	04/02/2056	शनि	01/04/2057
मंगल	21/08/2051	राहु	23/06/2053	गुरु	08/07/2054	शनि	05/06/2056	बुध	04/05/2057
राहु	09/12/2051	गुरु	18/09/2053	शनि	20/08/2054	बुध	22/09/2056	केतु	18/05/2057
गुरु	16/03/2052	शनि	31/12/2053	बुध	27/09/2054	केतु	06/11/2056	शुक्र	25/06/2057

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
25/06/2057		16/07/2058		12/04/2059		06/03/2061		13/11/2062	
16/07/2058		12/04/2059		06/03/2061		13/11/2062		21/06/2064	
चंद्र	27/07/2057	मंगल	01/08/2058	राहु	25/07/2059	गुरु	27/05/2061	बुध	04/02/2063
मंगल	19/08/2057	राहु	10/09/2058	गुरु	25/10/2059	शनि	02/09/2061	केतु	10/03/2063
राहु	16/10/2057	गुरु	16/10/2058	शनि	12/02/2060	बुध	28/11/2061	शुक्र	16/06/2063
गुरु	06/12/2057	शनि	28/11/2058	बुध	21/05/2060	केतु	03/01/2062	सूर्य	15/07/2063
शनि	05/02/2058	बुध	05/01/2059	केतु	30/06/2060	शुक्र	16/04/2062	चंद्र	02/09/2063
बुध	01/04/2058	केतु	21/01/2059	शुक्र	24/10/2060	सूर्य	17/05/2062	मंगल	06/10/2063
केतु	23/04/2058	शुक्र	07/03/2059	सूर्य	27/11/2060	चंद्र	07/07/2062	राहु	02/01/2064
शुक्र	27/06/2058	सूर्य	20/03/2059	चंद्र	24/01/2061	मंगल	12/08/2062	गुरु	20/03/2064
सूर्य	16/07/2058	चंद्र	12/04/2059	मंगल	06/03/2061	राहु	13/11/2062	शनि	21/06/2064

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
21/06/2064		17/02/2065		08/01/2067		03/08/2067		13/07/2068	
17/02/2065		08/01/2067		03/08/2067		13/07/2068		12/03/2069	
केतु	05/07/2064	शुक्र	12/06/2065	सूर्य	19/01/2067	चंद्र	01/09/2067	मंगल	27/07/2068
शुक्र	14/08/2064	सूर्य	17/07/2065	चंद्र	05/02/2067	मंगल	21/09/2067	राहु	02/09/2068
सूर्य	26/08/2064	चंद्र	12/09/2065	मंगल	17/02/2067	राहु	12/11/2067	गुरु	04/10/2068
चंद्र	16/09/2064	मंगल	23/10/2065	राहु	20/03/2067	गुरु	28/12/2067	शनि	11/11/2068
मंगल	30/09/2064	राहु	03/02/2066	गुरु	17/04/2067	शनि	21/02/2068	बुध	15/12/2068
राहु	05/11/2064	गुरु	06/05/2066	शनि	19/05/2067	बुध	09/04/2068	केतु	29/12/2068
गुरु	07/12/2064	शनि	23/08/2066	बुध	18/06/2067	केतु	30/04/2068	शुक्र	08/02/2069
शनि	14/01/2065	बुध	29/11/2066	केतु	30/06/2067	शुक्र	26/06/2068	सूर्य	20/02/2069
बुध	17/02/2065	केतु	08/01/2067	शुक्र	03/08/2067	सूर्य	13/07/2068	चंद्र	12/03/2069

बुध - राहु		बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र	
12/03/2069		23/11/2070		28/05/2072		14/03/2074		21/06/2074	
23/11/2070		28/05/2072		14/03/2074		21/06/2074		02/04/2075	
राहु	13/06/2069	गुरु	04/02/2071	शनि	08/09/2072	केतु	20/03/2074	शुक्र	08/08/2074
गुरु	04/09/2069	शनि	03/05/2071	बुध	10/12/2072	शुक्र	05/04/2074	सूर्य	22/08/2074
शनि	11/12/2069	बुध	20/07/2071	केतु	18/01/2073	सूर्य	10/04/2074	चंद्र	15/09/2074
बुध	09/03/2070	केतु	21/08/2071	शुक्र	07/05/2073	चंद्र	19/04/2074	मंगल	01/10/2074
केतु	14/04/2070	शुक्र	21/11/2071	सूर्य	09/06/2073	मंगल	24/04/2074	राहु	13/11/2074
शुक्र	27/07/2070	सूर्य	19/12/2071	चंद्र	02/08/2073	राहु	09/05/2074	गुरु	21/12/2074
सूर्य	27/08/2070	चंद्र	03/02/2072	मंगल	09/09/2073	गुरु	23/05/2074	शनि	04/02/2075
चंद्र	17/10/2070	मंगल	06/03/2072	राहु	17/12/2073	शनि	07/06/2074	बुध	16/03/2075
मंगल	23/11/2070	राहु	28/05/2072	गुरु	14/03/2074	बुध	21/06/2074	केतु	02/04/2075

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 5 वर्ष 7 मास 18 दिन

मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष	
05/05/1998		22/12/2003		22/12/2020		22/12/2030		22/12/2049	
22/12/2003		22/12/2020		22/12/2030		22/12/2049		22/12/2061	
	00/00/0000	बुध	26/08/2006	शनि	25/11/2021	गुरु	26/04/2034	राहु	23/04/2051
	05/05/1998	शनि	23/03/2008	गुरु	29/08/2023	राहु	05/06/2036	शुक्र	22/08/2053
शनि	26/07/1998	गुरु	20/03/2011	राहु	08/10/2024	शुक्र	15/02/2040	सूर्य	23/04/2054
गुरु	22/12/1999	राहु	07/02/2013	शुक्र	19/09/2026	सूर्य	06/03/2041	चंद्र	22/12/2055
राहु	11/11/2000	शुक्र	29/05/2016	सूर्य	09/04/2027	चंद्र	26/10/2043	मंगल	11/11/2056
शुक्र	02/06/2002	सूर्य	09/05/2017	चंद्र	29/08/2028	मंगल	23/03/2045	बुध	02/10/2058
सूर्य	12/11/2002	चंद्र	19/09/2019	मंगल	26/05/2029	बुध	19/03/2048	शनि	12/11/2059
चंद्र	22/12/2003	मंगल	22/12/2020	बुध	22/12/2030	शनि	22/12/2049	गुरु	22/12/2061

शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष	
22/12/2061		22/12/2082		22/12/2088		23/12/2103	
22/12/2082		22/12/2088		23/12/2103		00/00/0000	
शुक्र	21/01/2066	सूर्य	23/04/2083	चंद्र	22/01/2091	मंगल	27/07/2104
सूर्य	24/03/2067	चंद्र	21/02/2084	मंगल	02/03/2092	बुध	30/10/2105
चंद्र	21/02/2070	मंगल	02/08/2084	बुध	13/07/2094	शनि	06/05/2106
मंगल	12/09/2071	बुध	13/07/2085	शनि	02/12/2095		00/00/0000
बुध	01/01/2075	शनि	01/02/2086	गुरु	23/07/2098		00/00/0000
शनि	12/12/2076	गुरु	21/02/2087	राहु	24/03/2100		00/00/0000
गुरु	22/08/2080	राहु	23/10/2087	शुक्र	22/02/2103		00/00/0000
राहु	22/12/2082	शुक्र	22/12/2088	सूर्य	23/12/2103		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शनि		मंगल - गुरु		मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
05/05/1998		26/07/1998		22/12/1999		11/11/2000		02/06/2002	
26/07/1998		22/12/1999		11/11/2000		02/06/2002		12/11/2002	
	00/00/0000	गुरु	25/10/1998	राहु	28/01/2000	शुक्र	02/03/2001	सूर्य	11/06/2002
	00/00/0000	राहु	21/12/1998	शुक्र	31/03/2000	सूर्य	02/04/2001	चंद्र	04/07/2002
	00/00/0000	शुक्र	31/03/1999	सूर्य	18/04/2000	चंद्र	20/06/2001	मंगल	16/07/2002
	00/00/0000	सूर्य	28/04/1999	चंद्र	02/06/2000	मंगल	01/08/2001	बुध	10/08/2002
	05/05/1998	चंद्र	09/07/1999	मंगल	26/06/2000	बुध	30/10/2001	शनि	25/08/2002
चंद्र	25/05/1998	मंगल	16/08/1999	बुध	16/08/2000	शनि	21/12/2001	गुरु	23/09/2002
मंगल	14/06/1998	बुध	05/11/1999	शनि	15/09/2000	गुरु	31/03/2002	राहु	11/10/2002
बुध	26/07/1998	शनि	22/12/1999	गुरु	11/11/2000	राहु	02/06/2002	शुक्र	12/11/2002

मंगल - चंद्र		बुध - बुध		बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु	
12/11/2002		22/12/2003		26/08/2006		23/03/2008		20/03/2011	
22/12/2003		26/08/2006		23/03/2008		20/03/2011		07/02/2013	
चंद्र	07/01/2003	बुध	24/05/2004	शनि	18/10/2006	गुरु	01/10/2008	राहु	05/06/2011
मंगल	06/02/2003	शनि	23/08/2004	गुरु	27/01/2007	राहु	30/01/2009	शुक्र	17/10/2011
बुध	11/04/2003	गुरु	11/02/2005	राहु	01/04/2007	शुक्र	31/08/2009	सूर्य	24/11/2011
शनि	19/05/2003	राहु	30/05/2005	शुक्र	22/07/2007	सूर्य	30/10/2009	चंद्र	28/02/2012
गुरु	29/07/2003	शुक्र	06/12/2005	सूर्य	23/08/2007	चंद्र	31/03/2010	मंगल	19/04/2012
राहु	12/09/2003	सूर्य	30/01/2006	चंद्र	11/11/2007	मंगल	20/06/2010	बुध	06/08/2012
शुक्र	30/11/2003	चंद्र	14/06/2006	मंगल	23/12/2007	बुध	09/12/2010	शनि	09/10/2012
सूर्य	22/12/2003	मंगल	26/08/2006	बुध	23/03/2008	शनि	20/03/2011	गुरु	07/02/2013

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि	
07/02/2013		29/05/2016		09/05/2017		19/09/2019		22/12/2020	
29/05/2016		09/05/2017		19/09/2019		22/12/2020		25/11/2021	
शुक्र	30/09/2013	सूर्य	18/06/2016	चंद्र	06/09/2017	मंगल	23/10/2019	शनि	22/01/2021
सूर्य	06/12/2013	चंद्र	05/08/2016	मंगल	09/11/2017	बुध	03/01/2020	गुरु	23/03/2021
चंद्र	23/05/2014	मंगल	30/08/2016	बुध	25/03/2018	शनि	15/02/2020	राहु	29/04/2021
मंगल	20/08/2014	बुध	23/10/2016	शनि	13/06/2018	गुरु	06/05/2020	शुक्र	04/07/2021
बुध	26/02/2015	शनि	24/11/2016	गुरु	11/11/2018	राहु	26/06/2020	सूर्य	23/07/2021
शनि	18/06/2015	गुरु	24/01/2017	राहु	15/02/2019	शुक्र	23/09/2020	चंद्र	08/09/2021
गुरु	16/01/2016	राहु	03/03/2017	शुक्र	02/08/2019	सूर्य	19/10/2020	मंगल	03/10/2021
राहु	29/05/2016	शुक्र	09/05/2017	सूर्य	19/09/2019	चंद्र	22/12/2020	बुध	25/11/2021

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - गुरु		शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
25/11/2021		29/08/2023		08/10/2024		19/09/2026		09/04/2027	
29/08/2023		08/10/2024		19/09/2026		09/04/2027		29/08/2028	
गुरु	18/03/2022	राहु	14/10/2023	शुक्र	23/02/2025	सूर्य	30/09/2026	चंद्र	19/06/2027
राहु	28/05/2022	शुक्र	31/12/2023	सूर्य	04/04/2025	चंद्र	28/10/2026	मंगल	26/07/2027
शुक्र	30/09/2022	सूर्य	23/01/2024	चंद्र	12/07/2025	मंगल	12/11/2026	बुध	14/10/2027
सूर्य	05/11/2022	चंद्र	19/03/2024	मंगल	02/09/2025	बुध	14/12/2026	शनि	30/11/2027
चंद्र	02/02/2023	मंगल	18/04/2024	बुध	23/12/2025	शनि	02/01/2027	गुरु	28/02/2028
मंगल	22/03/2023	बुध	21/06/2024	शनि	27/02/2026	गुरु	06/02/2027	राहु	24/04/2028
बुध	01/07/2023	शनि	29/07/2024	गुरु	02/07/2026	राहु	01/03/2027	शुक्र	01/08/2028
शनि	29/08/2023	गुरु	08/10/2024	राहु	19/09/2026	शुक्र	09/04/2027	सूर्य	29/08/2028

शनि - मंगल		शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र	
29/08/2028		26/05/2029		22/12/2030		26/04/2034		05/06/2036	
26/05/2029		22/12/2030		26/04/2034		05/06/2036		15/02/2040	
मंगल	18/09/2028	बुध	25/08/2029	गुरु	25/07/2031	राहु	21/07/2034	शुक्र	23/02/2037
बुध	30/10/2028	शनि	17/10/2029	राहु	08/12/2031	शुक्र	18/12/2034	सूर्य	09/05/2037
शनि	24/11/2028	गुरु	26/01/2030	शुक्र	01/08/2032	सूर्य	30/01/2035	चंद्र	12/11/2037
गुरु	11/01/2029	राहु	31/03/2030	सूर्य	08/10/2032	चंद्र	17/05/2035	मंगल	20/02/2038
राहु	10/02/2029	शुक्र	21/07/2030	चंद्र	26/03/2033	मंगल	13/07/2035	बुध	20/09/2038
शुक्र	04/04/2029	सूर्य	22/08/2030	मंगल	25/06/2033	बुध	11/11/2035	शनि	23/01/2039
सूर्य	19/04/2029	चंद्र	10/11/2030	बुध	03/01/2034	शनि	22/01/2036	गुरु	18/09/2039
चंद्र	26/05/2029	मंगल	22/12/2030	शनि	26/04/2034	गुरु	05/06/2036	राहु	15/02/2040

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि	
15/02/2040		06/03/2041		26/10/2043		23/03/2045		19/03/2048	
06/03/2041		26/10/2043		23/03/2045		19/03/2048		22/12/2049	
सूर्य	07/03/2040	चंद्र	18/07/2041	मंगल	03/12/2043	बुध	11/09/2045	शनि	18/05/2048
चंद्र	30/04/2040	मंगल	27/09/2041	बुध	22/02/2044	शनि	21/12/2045	गुरु	08/09/2048
मंगल	28/05/2040	बुध	26/02/2042	शनि	10/04/2044	गुरु	01/07/2046	राहु	18/11/2048
बुध	28/07/2040	शनि	26/05/2042	गुरु	09/07/2044	राहु	31/10/2046	शुक्र	23/03/2049
शनि	01/09/2040	गुरु	12/11/2042	राहु	04/09/2044	शुक्र	31/05/2047	सूर्य	28/04/2049
गुरु	08/11/2040	राहु	27/02/2043	शुक्र	13/12/2044	सूर्य	31/07/2047	चंद्र	26/07/2049
राहु	21/12/2040	शुक्र	02/09/2043	सूर्य	11/01/2045	चंद्र	29/12/2047	मंगल	12/09/2049
शुक्र	06/03/2041	सूर्य	26/10/2043	चंद्र	23/03/2045	मंगल	19/03/2048	बुध	22/12/2049

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
22/12/2049		23/04/2051		22/08/2053		23/04/2054		22/12/2055	
23/04/2051		22/08/2053		23/04/2054		22/12/2055		11/11/2056	
राहु	14/02/2050	शुक्र	06/10/2051	सूर्य	05/09/2053	चंद्र	16/07/2054	मंगल	16/01/2056
शुक्र	20/05/2050	सूर्य	22/11/2051	चंद्र	09/10/2053	मंगल	30/08/2054	बुध	07/03/2056
सूर्य	16/06/2050	चंद्र	19/03/2052	मंगल	27/10/2053	बुध	04/12/2054	शनि	06/04/2056
चंद्र	22/08/2050	मंगल	22/05/2052	बुध	04/12/2053	शनि	30/01/2055	गुरु	02/06/2056
मंगल	28/09/2050	बुध	03/10/2052	शनि	26/12/2053	गुरु	17/05/2055	राहु	08/07/2056
बुध	13/12/2050	शनि	21/12/2052	गुरु	07/02/2054	राहु	23/07/2055	शुक्र	09/09/2056
शनि	27/01/2051	गुरु	20/05/2053	राहु	06/03/2054	शुक्र	19/11/2055	सूर्य	27/09/2056
गुरु	23/04/2051	राहु	22/08/2053	शुक्र	23/04/2054	सूर्य	22/12/2055	चंद्र	11/11/2056

राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य	
11/11/2056		02/10/2058		12/11/2059		22/12/2061		21/01/2066	
02/10/2058		12/11/2059		22/12/2061		21/01/2066		24/03/2067	
बुध	28/02/2057	शनि	09/11/2058	गुरु	27/03/2060	शुक्र	08/10/2062	सूर्य	14/02/2066
शनि	03/05/2057	गुरु	19/01/2059	राहु	20/06/2060	सूर्य	30/12/2062	चंद्र	14/04/2066
गुरु	01/09/2057	राहु	05/03/2059	शुक्र	17/11/2060	चंद्र	25/07/2063	मंगल	16/05/2066
राहु	17/11/2057	शुक्र	23/05/2059	सूर्य	30/12/2060	मंगल	12/11/2063	बुध	22/07/2066
शुक्र	31/03/2058	सूर्य	15/06/2059	चंद्र	16/04/2061	बुध	04/07/2064	शनि	30/08/2066
सूर्य	08/05/2058	चंद्र	10/08/2059	मंगल	12/06/2061	शनि	19/11/2064	गुरु	13/11/2066
चंद्र	12/08/2058	मंगल	09/09/2059	बुध	12/10/2061	गुरु	09/08/2065	राहु	31/12/2066
मंगल	02/10/2058	बुध	12/11/2059	शनि	22/12/2061	राहु	21/01/2066	शुक्र	24/03/2067

शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु	
24/03/2067		21/02/2070		12/09/2071		01/01/2075		12/12/2076	
21/02/2070		12/09/2071		01/01/2075		12/12/2076		22/08/2080	
चंद्र	18/08/2067	मंगल	04/04/2070	बुध	20/03/2072	शनि	08/03/2075	गुरु	06/08/2077
मंगल	05/11/2067	बुध	02/07/2070	शनि	10/07/2072	गुरु	11/07/2075	राहु	03/01/2078
बुध	21/04/2068	शनि	24/08/2070	गुरु	07/02/2073	राहु	28/09/2075	शुक्र	22/09/2078
शनि	29/07/2068	गुरु	02/12/2070	राहु	21/06/2073	शुक्र	13/02/2076	सूर्य	06/12/2078
गुरु	01/02/2069	राहु	03/02/2071	शुक्र	11/02/2074	सूर्य	24/03/2076	चंद्र	12/06/2079
राहु	31/05/2069	शुक्र	25/05/2071	सूर्य	19/04/2074	चंद्र	30/06/2076	मंगल	20/09/2079
शुक्र	24/12/2069	सूर्य	25/06/2071	चंद्र	04/10/2074	मंगल	22/08/2076	बुध	19/04/2080
सूर्य	21/02/2070	चंद्र	12/09/2071	मंगल	01/01/2075	बुध	12/12/2076	शनि	22/08/2080

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - बुध	
22/08/2080		22/12/2082		23/04/2083		21/02/2084		02/08/2084	
22/12/2082		23/04/2083		21/02/2084		02/08/2084		13/07/2085	
राहु	25/11/2080	सूर्य	29/12/2082	चंद्र	04/06/2083	मंगल	04/03/2084	बुध	25/09/2084
शुक्र	09/05/2081	चंद्र	15/01/2083	मंगल	27/06/2083	बुध	30/03/2084	शनि	27/10/2084
सूर्य	26/06/2081	मंगल	24/01/2083	बुध	14/08/2083	शनि	14/04/2084	गुरु	27/12/2084
चंद्र	22/10/2081	बुध	12/02/2083	शनि	11/09/2083	गुरु	13/05/2084	राहु	03/02/2085
मंगल	24/12/2081	शनि	23/02/2083	गुरु	03/11/2083	राहु	31/05/2084	शुक्र	11/04/2085
बुध	07/05/2082	गुरु	17/03/2083	राहु	07/12/2083	शुक्र	01/07/2084	सूर्य	30/04/2085
शनि	25/07/2082	राहु	30/03/2083	शुक्र	04/02/2084	सूर्य	10/07/2084	चंद्र	17/06/2085
गुरु	22/12/2082	शुक्र	23/04/2083	सूर्य	21/02/2084	चंद्र	02/08/2084	मंगल	13/07/2085

सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
13/07/2085		01/02/2086		21/02/2087		23/10/2087		22/12/2088	
01/02/2086		21/02/2087		23/10/2087		22/12/2088		22/01/2091	
शनि	31/07/2085	गुरु	09/04/2086	राहु	20/03/2087	शुक्र	13/01/2088	चंद्र	06/04/2089
गुरु	05/09/2085	राहु	22/05/2086	शुक्र	07/05/2087	सूर्य	06/02/2088	मंगल	02/06/2089
राहु	28/09/2085	शुक्र	05/08/2086	सूर्य	20/05/2087	चंद्र	05/04/2088	बुध	30/09/2089
शुक्र	06/11/2085	सूर्य	27/08/2086	चंद्र	23/06/2087	मंगल	07/05/2088	शनि	09/12/2089
सूर्य	17/11/2085	चंद्र	19/10/2086	मंगल	11/07/2087	बुध	13/07/2088	गुरु	22/04/2090
चंद्र	16/12/2085	मंगल	17/11/2086	बुध	18/08/2087	शनि	21/08/2088	राहु	15/07/2090
मंगल	31/12/2085	बुध	16/01/2087	शनि	10/09/2087	गुरु	04/11/2088	शुक्र	10/12/2090
बुध	01/02/2086	शनि	21/02/2087	गुरु	23/10/2087	राहु	22/12/2088	सूर्य	22/01/2091

चंद्र - मंगल		चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु		चंद्र - राहु	
22/01/2091		02/03/2092		13/07/2094		02/12/2095		23/07/2098	
02/03/2092		13/07/2094		02/12/2095		23/07/2098		24/03/2100	
मंगल	21/02/2091	बुध	16/07/2092	शनि	29/08/2094	गुरु	20/05/2096	राहु	29/09/2098
बुध	26/04/2091	शनि	04/10/2092	गुरु	26/11/2094	राहु	04/09/2096	शुक्र	25/01/2099
शनि	02/06/2091	गुरु	05/03/2093	राहु	21/01/2095	शुक्र	10/03/2097	सूर्य	28/02/2099
गुरु	13/08/2091	राहु	09/06/2093	शुक्र	30/04/2095	सूर्य	03/05/2097	चंद्र	23/05/2099
राहु	27/09/2091	शुक्र	23/11/2093	सूर्य	28/05/2095	चंद्र	14/09/2097	मंगल	08/07/2099
शुक्र	15/12/2091	सूर्य	10/01/2094	चंद्र	07/08/2095	मंगल	24/11/2097	बुध	11/10/2099
सूर्य	06/01/2092	चंद्र	10/05/2094	मंगल	13/09/2095	बुध	25/04/2098	शनि	07/12/2099
चंद्र	02/03/2092	मंगल	13/07/2094	बुध	02/12/2095	शनि	23/07/2098	गुरु	24/03/2100

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : भद्रिका 0 वर्ष 6 मास 22 दिन

भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष	सिद्धा 7 वर्ष	संकटा 8 वर्ष	मंगला 1 वर्ष
05/05/1998	26/11/1998	26/11/2004	26/11/2011	26/11/2019
26/11/1998	26/11/2004	26/11/2011	26/11/2019	26/11/2020
00/00/0000	उल्क 26/11/1999	सिद्ध 07/04/2006	संक 06/09/2013	मंग 07/12/2019
00/00/0000	सिद्ध 26/01/2001	संक 27/10/2007	मंग 26/11/2013	पिंग 27/12/2019
00/00/0000	संक 28/05/2002	मंग 06/01/2008	पिंग 07/05/2014	धांय 26/01/2020
00/00/0000	मंग 27/07/2002	पिंग 27/05/2008	धांय 06/01/2015	भ्राम 07/03/2020
00/00/0000	पिंग 26/11/2002	धांय 26/12/2008	भ्राम 26/11/2015	भद्रि 27/04/2020
05/05/1998	धांय 28/05/2003	भ्राम 06/10/2009	भद्रि 05/01/2017	उल्क 27/06/2020
धांय 07/05/1998	भ्राम 26/01/2004	भद्रि 26/09/2010	उल्क 07/05/2018	सिद्ध 06/09/2020
भ्राम 26/11/1998	भद्रि 26/11/2004	उल्क 26/11/2011	सिद्ध 26/11/2019	संक 26/11/2020

पिंगला 2 वर्ष	धान्या 3 वर्ष	भ्रामरी 4 वर्ष	भद्रिका 5 वर्ष	उल्का 6 वर्ष
26/11/2020	26/11/2022	26/11/2025	26/11/2029	26/11/2034
26/11/2022	26/11/2025	26/11/2029	26/11/2034	26/11/2040
पिंग 05/01/2021	धांय 26/02/2023	भ्राम 07/05/2026	भद्रि 07/08/2030	उल्क 26/11/2035
धांय 07/03/2021	भ्राम 27/06/2023	भद्रि 26/11/2026	उल्क 07/06/2031	सिद्ध 26/01/2037
भ्राम 27/05/2021	भद्रि 26/11/2023	उल्क 28/07/2027	सिद्ध 27/05/2032	संक 28/05/2038
भद्रि 06/09/2021	उल्क 27/05/2024	सिद्ध 07/05/2028	संक 07/07/2033	मंग 27/07/2038
उल्क 06/01/2022	सिद्ध 26/12/2024	संक 27/03/2029	मंग 27/08/2033	पिंग 26/11/2038
सिद्ध 28/05/2022	संक 27/08/2025	मंग 07/05/2029	पिंग 06/12/2033	धांय 28/05/2039
संक 06/11/2022	मंग 26/09/2025	पिंग 27/07/2029	धांय 07/05/2034	भ्राम 26/01/2040
मंग 26/11/2022	पिंग 26/11/2025	धांय 26/11/2029	भ्राम 26/11/2034	भद्रि 26/11/2040

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
26/11/2040		26/11/2047		26/11/2055		26/11/2056		26/11/2058	
26/11/2047		26/11/2055		26/11/2056		26/11/2058		26/11/2061	
सिद्ध	07/04/2042	संक	06/09/2049	मंग	07/12/2055	पिंग	05/01/2057	धांय	26/02/2059
संक	27/10/2043	मंग	26/11/2049	पिंग	27/12/2055	धांय	07/03/2057	भ्राम	27/06/2059
मंग	06/01/2044	पिंग	07/05/2050	धांय	26/01/2056	भ्राम	27/05/2057	भद्रि	26/11/2059
पिंग	27/05/2044	धांय	06/01/2051	भ्राम	07/03/2056	भद्रि	06/09/2057	उल्क	27/05/2060
धांय	26/12/2044	भ्राम	26/11/2051	भद्रि	27/04/2056	उल्क	06/01/2058	सिद्ध	26/12/2060
भ्राम	06/10/2045	भद्रि	05/01/2053	उल्क	27/06/2056	सिद्ध	28/05/2058	संक	27/08/2061
भद्रि	26/09/2046	उल्क	07/05/2054	सिद्ध	06/09/2056	संक	06/11/2058	मंग	26/09/2061
उल्क	26/11/2047	सिद्ध	26/11/2055	संक	26/11/2056	मंग	26/11/2058	पिंग	26/11/2061

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
26/11/2061		26/11/2065		26/11/2070		26/11/2076		26/11/2083	
26/11/2065		26/11/2070		26/11/2076		26/11/2083		26/11/2091	
भ्राम	07/05/2062	भद्रि	07/08/2066	उल्क	26/11/2071	सिद्ध	07/04/2078	संक	06/09/2085
भद्रि	26/11/2062	उल्क	07/06/2067	सिद्ध	26/01/2073	संक	27/10/2079	मंग	26/11/2085
उल्क	28/07/2063	सिद्ध	27/05/2068	संक	28/05/2074	मंग	06/01/2080	पिंग	07/05/2086
सिद्ध	07/05/2064	संक	07/07/2069	मंग	27/07/2074	पिंग	27/05/2080	धांय	06/01/2087
संक	27/03/2065	मंग	27/08/2069	पिंग	26/11/2074	धांय	26/12/2080	भ्राम	26/11/2087
मंग	07/05/2065	पिंग	06/12/2069	धांय	28/05/2075	भ्राम	06/10/2081	भद्रि	05/01/2089
पिंग	27/07/2065	धांय	07/05/2070	भ्राम	26/01/2076	भद्रि	26/09/2082	उल्क	07/05/2090
धांय	26/11/2065	भ्राम	26/11/2070	भद्रि	26/11/2076	उल्क	26/11/2083	सिद्ध	26/11/2091

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
26/11/2091		26/11/2092		26/11/2094		26/11/2097		27/11/2101	
26/11/2092		26/11/2094		26/11/2097		27/11/2101		00/00/0000	
मंग	07/12/2091	पिंग	05/01/2093	धांय	26/02/2095	भ्राम	07/05/2098	भद्रि	08/08/2102
पिंग	27/12/2091	धांय	07/03/2093	भ्राम	27/06/2095	भद्रि	26/11/2098	उल्क	08/06/2103
धांय	26/01/2092	भ्राम	27/05/2093	भद्रि	26/11/2095	उल्क	28/07/2099	सिद्ध	28/05/2104
भ्राम	07/03/2092	भद्रि	06/09/2093	उल्क	27/05/2096	सिद्ध	08/05/2100	संक	08/07/2105
भद्रि	27/04/2092	उल्क	06/01/2094	सिद्ध	26/12/2096	संक	28/03/2101	मंग	28/08/2105
उल्क	27/06/2092	सिद्ध	28/05/2094	संक	27/08/2097	मंग	08/05/2101	पिंग	07/12/2105
सिद्ध	06/09/2092	संक	06/11/2094	मंग	26/09/2097	पिंग	28/07/2101	धांय	06/05/2106
संक	26/11/2092	मंग	26/11/2094	पिंग	26/11/2097	धांय	27/11/2101		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भ्राम - भ्राम	भ्राम - भद्रि	भ्राम - उल्क	भ्राम - सिद्ध	भ्राम - संक
26/11/2025	07/05/2026	26/11/2026	28/07/2027	07/05/2028
07/05/2026	26/11/2026	28/07/2027	07/05/2028	27/03/2029
भ्राम 14/12/2025	भद्रि 05/06/2026	उल्क 06/01/2027	सिद्ध 21/09/2027	संक 18/07/2028
भद्रि 06/01/2026	उल्क 08/07/2026	सिद्ध 22/02/2027	संक 23/11/2027	मंग 27/07/2028
उल्क 02/02/2026	सिद्ध 17/08/2026	संक 17/04/2027	मंग 01/12/2027	पिंग 14/08/2028
सिद्ध 05/03/2026	संक 01/10/2026	मंग 24/04/2027	पिंग 17/12/2027	धांय 10/09/2028
संक 10/04/2026	मंग 07/10/2026	पिंग 08/05/2027	धांय 09/01/2028	भ्राम 16/10/2028
मंग 15/04/2026	पिंग 18/10/2026	धांय 28/05/2027	भ्राम 10/02/2028	भद्रि 30/11/2028
पिंग 24/04/2026	धांय 04/11/2026	भ्राम 24/06/2027	भद्रि 20/03/2028	उल्क 23/01/2029
धांय 07/05/2026	भ्राम 26/11/2026	भद्रि 28/07/2027	उल्क 07/05/2028	सिद्ध 27/03/2029

भ्राम - मंग	भ्राम - पिंग	भ्राम - धांय	भद्रि - भद्रि	भद्रि - उल्क
27/03/2029	07/05/2029	27/07/2029	26/11/2029	07/08/2030
07/05/2029	27/07/2029	26/11/2029	07/08/2030	07/06/2031
मंग 29/03/2029	पिंग 12/05/2029	धांय 06/08/2029	भद्रि 31/12/2029	उल्क 26/09/2030
पिंग 31/03/2029	धांय 18/05/2029	भ्राम 20/08/2029	उल्क 11/02/2030	सिद्ध 25/11/2030
धांय 03/04/2029	भ्राम 27/05/2029	भद्रि 06/09/2029	सिद्ध 02/04/2030	संक 31/01/2031
भ्राम 08/04/2029	भद्रि 08/06/2029	उल्क 26/09/2029	संक 28/05/2030	मंग 09/02/2031
भद्रि 13/04/2029	उल्क 21/06/2029	सिद्ध 20/10/2029	मंग 04/06/2030	पिंग 26/02/2031
उल्क 20/04/2029	सिद्ध 07/07/2029	संक 16/11/2029	पिंग 18/06/2030	धांय 23/03/2031
सिद्ध 28/04/2029	संक 25/07/2029	मंग 19/11/2029	धांय 09/07/2030	भ्राम 26/04/2031
संक 07/05/2029	मंग 27/07/2029	पिंग 26/11/2029	भ्राम 07/08/2030	भद्रि 07/06/2031

भद्रि - सिद्ध	भद्रि - संक	भद्रि - मंग	भद्रि - पिंग	भद्रि - धांय
07/06/2031	27/05/2032	07/07/2033	27/08/2033	06/12/2033
27/05/2032	07/07/2033	27/08/2033	06/12/2033	07/05/2034
सिद्ध 15/08/2031	संक 25/08/2032	मंग 08/07/2033	पिंग 01/09/2033	धांय 19/12/2033
संक 02/11/2031	मंग 06/09/2032	पिंग 11/07/2033	धांय 10/09/2033	भ्राम 05/01/2034
मंग 12/11/2031	पिंग 28/09/2032	धांय 15/07/2033	भ्राम 21/09/2033	भद्रि 26/01/2034
पिंग 02/12/2031	धांय 01/11/2032	भ्राम 21/07/2033	भद्रि 05/10/2033	उल्क 20/02/2034
धांय 31/12/2031	भ्राम 16/12/2032	भद्रि 28/07/2033	उल्क 22/10/2033	सिद्ध 22/03/2034
भ्राम 09/02/2032	भद्रि 10/02/2033	उल्क 06/08/2033	सिद्ध 11/11/2033	संक 25/04/2034
भद्रि 29/03/2032	उल्क 19/04/2033	सिद्ध 15/08/2033	संक 03/12/2033	मंग 29/04/2034
उल्क 27/05/2032	सिद्ध 07/07/2033	संक 27/08/2033	मंग 06/12/2033	पिंग 07/05/2034

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भद्रि - भ्राम	उल्क - उल्क	उल्क - सिद्ध	उल्क - संक	उल्क - मंग
07/05/2034	26/11/2034	26/11/2035	26/01/2037	28/05/2038
26/11/2034	26/11/2035	26/01/2037	28/05/2038	27/07/2038
भ्राम 30/05/2034	उल्क 26/01/2035	सिद्ध 17/02/2036	संक 14/05/2037	मंग 29/05/2038
भद्रि 27/06/2034	सिद्ध 07/04/2035	संक 22/05/2036	मंग 27/05/2037	पिंग 02/06/2038
उल्क 31/07/2034	संक 27/06/2035	मंग 03/06/2036	पिंग 23/06/2037	धांय 07/06/2038
सिद्ध 08/09/2034	मंग 07/07/2035	पिंग 27/06/2036	धांय 03/08/2037	भ्राम 14/06/2038
संक 23/10/2034	पिंग 28/07/2035	धांय 01/08/2036	भ्राम 26/09/2037	भद्रि 22/06/2038
मंग 29/10/2034	धांय 27/08/2035	भ्राम 17/09/2036	भद्रि 03/12/2037	उल्क 02/07/2038
पिंग 09/11/2034	भ्राम 07/10/2035	भद्रि 16/11/2036	उल्क 22/02/2038	सिद्ध 14/07/2038
धांय 26/11/2034	भद्रि 26/11/2035	उल्क 26/01/2037	सिद्ध 28/05/2038	संक 27/07/2038

उल्क - पिंग	उल्क - धांय	उल्क - भ्राम	उल्क - भद्रि	सिद्ध - सिद्ध
27/07/2038	26/11/2038	28/05/2039	26/01/2040	26/11/2040
26/11/2038	28/05/2039	26/01/2040	26/11/2040	07/04/2042
पिंग 03/08/2038	धांय 11/12/2038	भ्राम 24/06/2039	भद्रि 09/03/2040	सिद्ध 02/03/2041
धांय 13/08/2038	भ्राम 01/01/2039	भद्रि 28/07/2039	उल्क 28/04/2040	संक 21/06/2041
भ्राम 27/08/2038	भद्रि 26/01/2039	उल्क 06/09/2039	सिद्ध 27/06/2040	मंग 05/07/2041
भद्रि 13/09/2038	उल्क 26/02/2039	सिद्ध 24/10/2039	संक 02/09/2040	पिंग 01/08/2041
उल्क 03/10/2038	सिद्ध 02/04/2039	संक 17/12/2039	मंग 11/09/2040	धांय 12/09/2041
सिद्ध 27/10/2038	संक 13/05/2039	मंग 24/12/2039	पिंग 28/09/2040	भ्राम 06/11/2041
संक 23/11/2038	मंग 18/05/2039	पिंग 06/01/2040	धांय 23/10/2040	भद्रि 14/01/2042
मंग 26/11/2038	पिंग 28/05/2039	धांय 26/01/2040	भ्राम 26/11/2040	उल्क 07/04/2042

सिद्ध - संक	सिद्ध - मंग	सिद्ध - पिंग	सिद्ध - धांय	सिद्ध - भ्राम
07/04/2042	27/10/2043	06/01/2044	27/05/2044	26/12/2044
27/10/2043	06/01/2044	27/05/2044	26/12/2044	06/10/2045
संक 11/08/2042	मंग 29/10/2043	पिंग 14/01/2044	धांय 14/06/2044	भ्राम 27/01/2045
मंग 27/08/2042	पिंग 02/11/2043	धांय 26/01/2044	भ्राम 08/07/2044	भद्रि 07/03/2045
पिंग 27/09/2042	धांय 08/11/2043	भ्राम 11/02/2044	भद्रि 06/08/2044	उल्क 24/04/2045
धांय 14/11/2042	भ्राम 16/11/2043	भद्रि 01/03/2044	उल्क 11/09/2044	सिद्ध 18/06/2045
भ्राम 16/01/2043	भद्रि 26/11/2043	उल्क 25/03/2044	सिद्ध 22/10/2044	संक 20/08/2045
भद्रि 05/04/2043	उल्क 07/12/2043	सिद्ध 22/04/2044	संक 08/12/2044	मंग 28/08/2045
उल्क 09/07/2043	सिद्ध 21/12/2043	संक 23/05/2044	मंग 14/12/2044	पिंग 13/09/2045
सिद्ध 27/10/2043	संक 06/01/2044	मंग 27/05/2044	पिंग 26/12/2044	धांय 06/10/2045

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 12 वर्ष 11 मास 11 दिन
कुल दशाकाल : 100 वर्ष
तिथि : मघा - 4 अपसव्य
देह : वृश्चिक जीव : मीन

कर्क 21 वर्ष		कन्या 9 वर्ष		तुला 16 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		मीन 10 वर्ष	
05/05/1998		17/04/2011		16/04/2020		16/04/2036		17/04/2043	
17/04/2011		16/04/2020		16/04/2036		17/04/2043		16/04/2053	
	00/00/0000	कन्या	07/02/2012	तुला	07/11/2022	वृश्चि	12/10/2036	मीन	16/04/2044
	05/05/1998	तुला	17/07/2013	वृश्चि	21/12/2023	मीन	25/06/2037	मेष	28/12/2044
तुला	14/12/1999	वृश्चि	04/03/2014	मीन	28/07/2025	मेष	21/12/2037	वृष	04/08/2046
वृश्चि	03/06/2001	मीन	26/01/2015	मेष	10/09/2026	वृष	03/02/2039	मिथु	29/06/2047
मीन	10/07/2003	मेष	14/09/2015	वृष	02/04/2029	मिथु	21/09/2039	सिंह	28/12/2047
मेष	28/12/2004	वृष	21/02/2017	मिथु	10/09/2030	सिंह	27/01/2040	कर्क	03/02/2050
वृष	08/05/2008	मिथु	13/12/2017	सिंह	29/06/2031	कर्क	17/07/2041	कन्या	28/12/2050
मिथु	29/03/2010	सिंह	27/05/2018	कर्क	07/11/2034	कन्या	04/03/2042	तुला	04/08/2052
सिंह	17/04/2011	कर्क	16/04/2020	कन्या	16/04/2036	तुला	17/04/2043	वृश्चि	16/04/2053

मेष 7 वर्ष		वृष 16 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		कर्क 21 वर्ष	
16/04/2053		16/04/2060		16/04/2076		16/04/2085		17/04/2090	
16/04/2060		16/04/2076		16/04/2085		17/04/2090		00/00/0000	
मेष	12/10/2053	वृष	07/11/2062	मिथु	06/02/2077	सिंह	17/07/2085	कर्क	13/09/2094
वृष	25/11/2054	मिथु	16/04/2064	सिंह	20/07/2077	कर्क	04/08/2086	कन्या	04/08/2096
मिथु	13/07/2055	सिंह	02/02/2065	कर्क	11/06/2079	कन्या	15/01/2087	तुला	05/05/2098
सिंह	18/11/2055	कर्क	13/06/2068	कन्या	01/04/2080	तुला	04/11/2087		00/00/0000
कर्क	08/05/2057	कन्या	21/11/2069	तुला	09/09/2081	वृश्चि	11/03/2088		00/00/0000
कन्या	24/12/2057	तुला	13/06/2072	वृश्चि	28/04/2082	मीन	09/09/2088		00/00/0000
तुला	06/02/2059	वृश्चि	28/07/2073	मीन	22/03/2083	मेष	15/01/2089		00/00/0000
वृश्चि	04/08/2059	मीन	04/03/2075	मेष	07/11/2083	वृष	03/11/2089		00/00/0000
मीन	16/04/2060	मेष	16/04/2076	वृष	16/04/2085	मिथु	17/04/2090		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

तुला - मेष		तुला - वृष		तुला - मिथु		तुला - सिंह		तुला - कर्क	
28/07/2025		10/09/2026		02/04/2029		10/09/2030		29/06/2031	
10/09/2026		02/04/2029		10/09/2030		29/06/2031		07/11/2034	
मेष	25/08/2025	वृष	06/02/2027	मिथु	19/05/2029	सिंह	24/09/2030	कर्क	13/03/2032
वृष	30/10/2025	मिथु	01/05/2027	सिंह	14/06/2029	कर्क	25/11/2030	कन्या	01/07/2032
मिथु	05/12/2025	सिंह	17/06/2027	कर्क	03/10/2029	कन्या	21/12/2030	तुला	13/01/2033
सिंह	26/12/2025	कर्क	31/12/2027	कन्या	19/11/2029	तुला	06/02/2031	वृश्चि	09/04/2033
कर्क	22/03/2026	कन्या	24/03/2028	तुला	11/02/2030	वृश्चि	26/02/2031	मीन	10/08/2033
कन्या	28/04/2026	तुला	20/08/2028	वृश्चि	20/03/2030	मीन	27/03/2031	मेष	04/11/2033
तुला	02/07/2026	वृश्चि	25/10/2028	मीन	12/05/2030	मेष	17/04/2031	वृष	19/05/2034
वृश्चि	31/07/2026	मीन	26/01/2029	मेष	17/06/2030	वृष	03/06/2031	मिथु	07/09/2034
मीन	10/09/2026	मेष	02/04/2029	वृष	10/09/2030	मिथु	29/06/2031	सिंह	07/11/2034

तुला - कन्या		वृश्चि - वृश्चि		वृश्चि - मीन		वृश्चि - मेष		वृश्चि - वृष	
07/11/2034		16/04/2036		12/10/2036		25/06/2037		21/12/2037	
16/04/2036		12/10/2036		25/06/2037		21/12/2037		03/02/2039	
कन्या	24/12/2034	वृश्चि	29/04/2036	मीन	07/11/2036	मेष	07/07/2037	वृष	24/02/2038
तुला	19/03/2035	मीन	16/05/2036	मेष	24/11/2036	वृष	05/08/2037	मिथु	02/04/2038
वृश्चि	24/04/2035	मेष	29/05/2036	वृष	04/01/2037	मिथु	21/08/2037	सिंह	22/04/2038
मीन	16/06/2035	वृष	27/06/2036	मिथु	27/01/2037	सिंह	30/08/2037	कर्क	17/07/2038
मेष	23/07/2035	मिथु	13/07/2036	सिंह	09/02/2037	कर्क	07/10/2037	कन्या	23/08/2038
वृष	15/10/2035	सिंह	22/07/2036	कर्क	04/04/2037	कन्या	23/10/2037	तुला	28/10/2038
मिथु	01/12/2035	कर्क	28/08/2036	कन्या	27/04/2037	तुला	20/11/2037	वृश्चि	25/11/2038
सिंह	28/12/2035	कन्या	13/09/2036	तुला	07/06/2037	वृश्चि	03/12/2037	मीन	05/01/2039
कर्क	16/04/2036	तुला	12/10/2036	वृश्चि	25/06/2037	मीन	21/12/2037	मेष	03/02/2039

वृश्चि - मिथु		वृश्चि - सिंह		वृश्चि - कर्क		वृश्चि - कन्या		वृश्चि - तुला	
03/02/2039		21/09/2039		27/01/2040		17/07/2041		04/03/2042	
21/09/2039		27/01/2040		17/07/2041		04/03/2042		17/04/2043	
मिथु	23/02/2039	सिंह	27/09/2039	कर्क	18/05/2040	कन्या	06/08/2041	तुला	08/05/2042
सिंह	07/03/2039	कर्क	24/10/2039	कन्या	06/07/2040	तुला	12/09/2041	वृश्चि	06/06/2042
कर्क	24/04/2039	कन्या	05/11/2039	तुला	30/09/2040	वृश्चि	28/09/2041	मीन	17/07/2042
कन्या	15/05/2039	तुला	25/11/2039	वृश्चि	06/11/2040	मीन	21/10/2041	मेष	14/08/2042
तुला	21/06/2039	वृश्चि	04/12/2039	मीन	30/12/2040	मेष	06/11/2041	वृष	19/10/2042
वृश्चि	07/07/2039	मीन	17/12/2039	मेष	06/02/2041	वृष	13/12/2041	मिथु	25/11/2042
मीन	30/07/2039	मेष	26/12/2039	वृष	02/05/2041	मिथु	03/01/2042	सिंह	15/12/2042
मेष	15/08/2039	वृष	15/01/2040	मिथु	20/06/2041	सिंह	14/01/2042	कर्क	11/03/2043
वृष	21/09/2039	मिथु	27/01/2040	सिंह	17/07/2041	कर्क	04/03/2042	कन्या	17/04/2043

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मीन - मीन		मीन - मेष		मीन - वृष		मीन - मिथु		मीन - सिंह	
17/04/2043		16/04/2044		28/12/2044		04/08/2046		29/06/2047	
16/04/2044		28/12/2044		04/08/2046		29/06/2047		28/12/2047	
मीन	23/05/2043	मेष	04/05/2044	वृष	31/03/2045	मिथु	03/09/2046	सिंह	08/07/2047
मेष	18/06/2043	वृष	14/06/2044	मिथु	23/05/2045	सिंह	19/09/2046	कर्क	15/08/2047
वृष	15/08/2043	मिथु	07/07/2044	सिंह	21/06/2045	कर्क	27/11/2046	कन्या	01/09/2047
मिथु	17/09/2043	सिंह	20/07/2044	कर्क	22/10/2045	कन्या	27/12/2046	तुला	30/09/2047
सिंह	05/10/2043	कर्क	11/09/2044	कन्या	13/12/2045	तुला	17/02/2047	वृश्चि	13/10/2047
कर्क	21/12/2043	कन्या	04/10/2044	तुला	17/03/2046	वृश्चि	12/03/2047	मीन	31/10/2047
कन्या	23/01/2044	तुला	14/11/2044	वृश्चि	27/04/2046	मीन	14/04/2047	मेष	13/11/2047
तुला	21/03/2044	वृश्चि	02/12/2044	मीन	24/06/2046	मेष	07/05/2047	वृष	12/12/2047
वृश्चि	16/04/2044	मीन	28/12/2044	मेष	04/08/2046	वृष	29/06/2047	मिथु	28/12/2047

मीन - कर्क		मीन - कन्या		मीन - तुला		मीन - वृश्चि		मेष - मेष	
28/12/2047		03/02/2050		28/12/2050		04/08/2052		16/04/2053	
03/02/2050		28/12/2050		04/08/2052		16/04/2053		12/10/2053	
कर्क	07/06/2048	कन्या	04/03/2050	तुला	01/04/2051	वृश्चि	22/08/2052	मेष	29/04/2053
कन्या	15/08/2048	तुला	26/04/2050	वृश्चि	12/05/2051	मीन	16/09/2052	वृष	27/05/2053
तुला	15/12/2048	वृश्चि	19/05/2050	मीन	09/07/2051	मेष	04/10/2052	मिथु	13/06/2053
वृश्चि	07/02/2049	मीन	21/06/2050	मेष	19/08/2051	वृष	14/11/2052	सिंह	22/06/2053
मीन	25/04/2049	मेष	14/07/2050	वृष	20/11/2051	मिथु	07/12/2052	कर्क	29/07/2053
मेष	17/06/2049	वृष	04/09/2050	मिथु	12/01/2052	सिंह	20/12/2052	कन्या	14/08/2053
वृष	18/10/2049	मिथु	04/10/2050	सिंह	10/02/2052	कर्क	11/02/2053	तुला	12/09/2053
मिथु	26/12/2049	सिंह	20/10/2050	कर्क	12/06/2052	कन्या	06/03/2053	वृश्चि	24/09/2053
सिंह	03/02/2050	कर्क	28/12/2050	कन्या	04/08/2052	तुला	16/04/2053	मीन	12/10/2053

मेष - वृष		मेष - मिथु		मेष - सिंह		मेष - कर्क		मेष - कन्या	
12/10/2053		25/11/2054		13/07/2055		18/11/2055		08/05/2057	
25/11/2054		13/07/2055		18/11/2055		08/05/2057		24/12/2057	
वृष	17/12/2053	मिथु	16/12/2054	सिंह	20/07/2055	कर्क	10/03/2056	कन्या	29/05/2057
मिथु	23/01/2054	सिंह	28/12/2054	कर्क	16/08/2055	कन्या	27/04/2056	तुला	05/07/2057
सिंह	12/02/2054	कर्क	14/02/2055	कन्या	27/08/2055	तुला	22/07/2056	वृश्चि	21/07/2057
कर्क	09/05/2054	कन्या	07/03/2055	तुला	17/09/2055	वृश्चि	29/08/2056	मीन	13/08/2057
कन्या	15/06/2054	तुला	12/04/2055	वृश्चि	26/09/2055	मीन	22/10/2056	मेष	29/08/2057
तुला	19/08/2054	वृश्चि	29/04/2055	मीन	08/10/2055	मेष	28/11/2056	वृष	05/10/2057
वृश्चि	17/09/2054	मीन	22/05/2055	मेष	17/10/2055	वृष	22/02/2057	मिथु	25/10/2057
मीन	28/10/2054	मेष	07/06/2055	वृष	07/11/2055	मिथु	11/04/2057	सिंह	06/11/2057
मेष	25/11/2054	वृष	13/07/2055	मिथु	18/11/2055	सिंह	08/05/2057	कर्क	24/12/2057

चर दशा

भोग्य दशा काल : कर्क 11 वर्ष 0 मास 0 दिन

कर्क 11 वर्ष	
05/05/1998	
05/05/2009	
मिथु	05/04/1999
वृष	05/03/2000
मेष	02/02/2001
मीन	03/01/2002
कुंभ	04/12/2002
मक	04/11/2003
धनु	04/10/2004
वृश्चि	04/09/2005
तुला	04/08/2006
कन्या	05/07/2007
सिंह	04/06/2008
कर्क	05/05/2009

मिथुन 9 वर्ष	
05/05/2009	
05/05/2018	
वृष	03/02/2010
मेष	04/11/2010
मीन	05/08/2011
कुंभ	05/05/2012
मक	02/02/2013
धनु	03/11/2013
वृश्चि	04/08/2014
तुला	05/05/2015
कन्या	03/02/2016
सिंह	03/11/2016
कर्क	04/08/2017
मिथु	05/05/2018

वृष 10 वर्ष	
05/05/2018	
05/05/2028	
मेष	05/03/2019
मीन	04/01/2020
कुंभ	03/11/2020
मक	04/09/2021
धनु	05/07/2022
वृश्चि	05/05/2023
तुला	05/03/2024
कन्या	03/01/2025
सिंह	03/11/2025
कर्क	04/09/2026
मिथु	05/07/2027
वृष	05/05/2028

मेष 12 वर्ष	
05/05/2028	
05/05/2040	
वृष	05/05/2029
मिथु	05/05/2030
कर्क	05/05/2031
सिंह	05/05/2032
कन्या	05/05/2033
तुला	05/05/2034
वृश्चि	05/05/2035
धनु	05/05/2036
मक	05/05/2037
कुंभ	05/05/2038
मीन	05/05/2039
मेष	05/05/2040

मीन 1 वर्ष	
05/05/2040	
05/05/2041	
मेष	04/06/2040
वृष	04/07/2040
मिथु	04/08/2040
कर्क	03/09/2040
सिंह	04/10/2040
कन्या	03/11/2040
तुला	04/12/2040
वृश्चि	03/01/2041
धनु	02/02/2041
मक	05/03/2041
कुंभ	04/04/2041
मीन	05/05/2041

कुम्भ 10 वर्ष	
05/05/2041	
05/05/2051	
मीन	05/03/2042
मेष	04/01/2043
वृष	04/11/2043
मिथु	03/09/2044
कर्क	05/07/2045
सिंह	05/05/2046
कन्या	05/03/2047
तुला	04/01/2048
वृश्चि	03/11/2048
धनु	04/09/2049
मक	05/07/2050
कुंभ	05/05/2051

मकर 9 वर्ष	
05/05/2051	
05/05/2060	
धनु	03/02/2052
वृश्चि	03/11/2052
तुला	04/08/2053
कन्या	05/05/2054
सिंह	03/02/2055
कर्क	04/11/2055
मिथु	04/08/2056
वृष	05/05/2057
मेष	03/02/2058
मीन	04/11/2058
कुंभ	05/08/2059
मक	05/05/2060

धनु 2 वर्ष	
05/05/2060	
05/05/2062	
वृश्चि	04/07/2060
तुला	03/09/2060
कन्या	03/11/2060
सिंह	03/01/2061
कर्क	05/03/2061
मिथु	05/05/2061
वृष	05/07/2061
मेष	04/09/2061
मीन	03/11/2061
कुंभ	03/01/2062
मक	05/03/2062
धनु	05/05/2062

वृश्चिक 5 वर्ष	
05/05/2062	
05/05/2067	
तुला	04/10/2062
कन्या	05/03/2063
सिंह	05/08/2063
कर्क	04/01/2064
मिथु	04/06/2064
वृष	03/11/2064
मेष	04/04/2065
मीन	04/09/2065
कुंभ	03/02/2066
मक	05/07/2066
धनु	04/12/2066
वृश्चि	05/05/2067

तुला 5 वर्ष	
05/05/2067	
05/05/2072	
वृश्चि	04/10/2067
धनु	05/03/2068
मक	04/08/2068
कुंभ	03/01/2069
मीन	04/06/2069
मेष	03/11/2069
वृष	05/04/2070
मिथु	04/09/2070
कर्क	03/02/2071
सिंह	05/07/2071
कन्या	04/12/2071
तुला	05/05/2072

कन्या 6 वर्ष	
05/05/2072	
05/05/2078	
तुला	03/11/2072
वृश्चि	05/05/2073
धनु	03/11/2073
मक	05/05/2074
कुंभ	04/11/2074
मीन	05/05/2075
मेष	04/11/2075
वृष	05/05/2076
मिथु	03/11/2076
कर्क	05/05/2077
सिंह	03/11/2077
कन्या	05/05/2078

सिंह 4 वर्ष	
05/05/2078	
05/05/2082	
कन्या	04/09/2078
तुला	04/01/2079
वृश्चि	05/05/2079
धनु	04/09/2079
मक	04/01/2080
कुंभ	05/05/2080
मीन	03/09/2080
मेष	03/01/2081
वृष	05/05/2081
मिथु	04/09/2081
कर्क	03/01/2082
सिंह	05/05/2082

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

वृष - कर्क		वृष - मिथु		वृष - वृष		मेष - वृष		मेष - मिथु	
03/11/2025		04/09/2026		05/07/2027		05/05/2028		05/05/2029	
04/09/2026		05/07/2027		05/05/2028		05/05/2029		05/05/2030	
मिथु	29/11/2025	वृष	29/09/2026	मेष	31/07/2027	मेष	04/06/2028	वृष	04/06/2029
वृष	24/12/2025	मेष	25/10/2026	मीन	25/08/2027	मीन	04/07/2028	मेष	05/07/2029
मेष	18/01/2026	मीन	19/11/2026	कुंभ	19/09/2027	कुंभ	04/08/2028	मीन	04/08/2029
मीन	13/02/2026	कुंभ	14/12/2026	मक	15/10/2027	मक	03/09/2028	कुंभ	04/09/2029
कुंभ	10/03/2026	मक	09/01/2027	धनु	09/11/2027	धनु	04/10/2028	मक	04/10/2029
मक	05/04/2026	धनु	03/02/2027	वृश्चि	04/12/2027	वृश्चि	03/11/2028	धनु	03/11/2029
धनु	30/04/2026	वृश्चि	28/02/2027	तुला	30/12/2027	तुला	04/12/2028	वृश्चि	04/12/2029
वृश्चि	25/05/2026	तुला	26/03/2027	कन्या	24/01/2028	कन्या	03/01/2029	तुला	03/01/2030
तुला	20/06/2026	कन्या	20/04/2027	सिंह	18/02/2028	सिंह	02/02/2029	कन्या	03/02/2030
कन्या	15/07/2026	सिंह	15/05/2027	कर्क	15/03/2028	कर्क	05/03/2029	सिंह	05/03/2030
सिंह	09/08/2026	कर्क	10/06/2027	मिथु	09/04/2028	मिथु	04/04/2029	कर्क	05/04/2030
कर्क	04/09/2026	मिथु	05/07/2027	वृष	05/05/2028	वृष	05/05/2029	मिथु	05/05/2030

मेष - कर्क		मेष - सिंह		मेष - कन्या		मेष - तुला		मेष - वृश्चि	
05/05/2030		05/05/2031		05/05/2032		05/05/2033		05/05/2034	
05/05/2031		05/05/2032		05/05/2033		05/05/2034		05/05/2035	
मिथु	04/06/2030	कन्या	05/06/2031	तुला	04/06/2032	वृश्चि	04/06/2033	तुला	04/06/2034
वृष	05/07/2030	तुला	05/07/2031	वृश्चि	04/07/2032	धनु	05/07/2033	कन्या	05/07/2034
मेष	04/08/2030	वृश्चि	05/08/2031	धनु	04/08/2032	मक	04/08/2033	सिंह	04/08/2034
मीन	04/09/2030	धनु	04/09/2031	मक	03/09/2032	कुंभ	04/09/2033	कर्क	04/09/2034
कुंभ	04/10/2030	मक	04/10/2031	कुंभ	04/10/2032	मीन	04/10/2033	मिथु	04/10/2034
मक	04/11/2030	कुंभ	04/11/2031	मीन	03/11/2032	मेष	03/11/2033	वृष	04/11/2034
धनु	04/12/2030	मीन	04/12/2031	मेष	04/12/2032	वृष	04/12/2033	मेष	04/12/2034
वृश्चि	04/01/2031	मेष	04/01/2032	वृष	03/01/2033	मिथु	03/01/2034	मीन	04/01/2035
तुला	03/02/2031	वृष	03/02/2032	मिथु	02/02/2033	कर्क	03/02/2034	कुंभ	03/02/2035
कन्या	05/03/2031	मिथु	05/03/2032	कर्क	05/03/2033	सिंह	05/03/2034	मक	05/03/2035
सिंह	05/04/2031	कर्क	04/04/2032	सिंह	04/04/2033	कन्या	05/04/2034	धनु	05/04/2035
कर्क	05/05/2031	सिंह	05/05/2032	कन्या	05/05/2033	तुला	05/05/2034	वृश्चि	05/05/2035

मेष - धनु		मेष - मक		मेष - कुंभ		मेष - मीन		मेष - मेष	
05/05/2035		05/05/2036		05/05/2037		05/05/2038		05/05/2039	
05/05/2036		05/05/2037		05/05/2038		05/05/2039		05/05/2040	
वृश्चि	05/06/2035	धनु	04/06/2036	मीन	04/06/2037	मेष	04/06/2038	वृष	05/06/2039
तुला	05/07/2035	वृश्चि	04/07/2036	मेष	05/07/2037	वृष	05/07/2038	मिथु	05/07/2039
कन्या	05/08/2035	तुला	04/08/2036	वृष	04/08/2037	मिथु	04/08/2038	कर्क	05/08/2039
सिंह	04/09/2035	कन्या	03/09/2036	मिथु	04/09/2037	कर्क	04/09/2038	सिंह	04/09/2039
कर्क	04/10/2035	सिंह	04/10/2036	कर्क	04/10/2037	सिंह	04/10/2038	कन्या	04/10/2039
मिथु	04/11/2035	कर्क	03/11/2036	सिंह	03/11/2037	कन्या	04/11/2038	तुला	04/11/2039
वृष	04/12/2035	मिथु	04/12/2036	कन्या	04/12/2037	तुला	04/12/2038	वृश्चि	04/12/2039
मेष	04/01/2036	वृष	03/01/2037	तुला	03/01/2038	वृश्चि	04/01/2039	धनु	04/01/2040
मीन	03/02/2036	मेष	02/02/2037	वृश्चि	03/02/2038	धनु	03/02/2039	मक	03/02/2040
कुंभ	05/03/2036	मीन	05/03/2037	धनु	05/03/2038	मक	05/03/2039	कुंभ	05/03/2040
मक	04/04/2036	कुंभ	04/04/2037	मक	05/04/2038	कुंभ	05/04/2039	मीन	04/04/2040
धनु	05/05/2036	मक	05/05/2037	कुंभ	05/05/2038	मीन	05/05/2039	मेष	05/05/2040

चर दशा - प्रत्यन्तर

मीन - मेष		मीन - वृष		मीन - मिथु		मीन - कर्क		मीन - सिंह	
05/05/2040		04/06/2040		04/07/2040		04/08/2040		03/09/2040	
04/06/2040		04/07/2040		04/08/2040		03/09/2040		04/10/2040	
वृष	07/05/2040	मेष	06/06/2040	वृष	07/07/2040	मिथु	06/08/2040	कन्या	06/09/2040
मिथु	10/05/2040	मीन	09/06/2040	मेष	09/07/2040	वृष	09/08/2040	तुला	08/09/2040
कर्क	12/05/2040	कुंभ	12/06/2040	मीन	12/07/2040	मेष	11/08/2040	वृश्चि	11/09/2040
सिंह	15/05/2040	मक	14/06/2040	कुंभ	15/07/2040	मीन	14/08/2040	धनु	13/09/2040
कन्या	17/05/2040	धनु	17/06/2040	मक	17/07/2040	कुंभ	17/08/2040	मक	16/09/2040
तुला	20/05/2040	वृश्चि	19/06/2040	धनु	20/07/2040	मक	19/08/2040	कुंभ	18/09/2040
वृश्चि	22/05/2040	तुला	22/06/2040	वृश्चि	22/07/2040	धनु	22/08/2040	मीन	21/09/2040
धनु	25/05/2040	कन्या	24/06/2040	तुला	25/07/2040	वृश्चि	24/08/2040	मेष	24/09/2040
मक	27/05/2040	सिंह	27/06/2040	कन्या	27/07/2040	तुला	27/08/2040	वृष	26/09/2040
कुंभ	30/05/2040	कर्क	29/06/2040	सिंह	30/07/2040	कन्या	29/08/2040	मिथु	29/09/2040
मीन	01/06/2040	मिथु	02/07/2040	कर्क	01/08/2040	सिंह	01/09/2040	कर्क	01/10/2040
मेष	04/06/2040	वृष	04/07/2040	मिथु	04/08/2040	कर्क	03/09/2040	सिंह	04/10/2040

मीन - कन्या		मीन - तुला		मीन - वृश्चि		मीन - धनु		मीन - मक	
04/10/2040		03/11/2040		04/12/2040		03/01/2041		02/02/2041	
03/11/2040		04/12/2040		03/01/2041		02/02/2041		05/03/2041	
तुला	06/10/2040	वृश्चि	06/11/2040	तुला	06/12/2040	वृश्चि	06/01/2041	धनु	05/02/2041
वृश्चि	09/10/2040	धनु	08/11/2040	कन्या	09/12/2040	तुला	08/01/2041	वृश्चि	08/02/2041
धनु	11/10/2040	मक	11/11/2040	सिंह	11/12/2040	कन्या	11/01/2041	तुला	10/02/2041
मक	14/10/2040	कुंभ	13/11/2040	कर्क	14/12/2040	सिंह	13/01/2041	कन्या	13/02/2041
कुंभ	16/10/2040	मीन	16/11/2040	मिथु	16/12/2040	कर्क	16/01/2041	सिंह	15/02/2041
मीन	19/10/2040	मेष	18/11/2040	वृष	19/12/2040	मिथु	18/01/2041	कर्क	18/02/2041
मेष	21/10/2040	वृष	21/11/2040	मेष	21/12/2040	वृष	21/01/2041	मिथु	20/02/2041
वृष	24/10/2040	मिथु	23/11/2040	मीन	24/12/2040	मेष	23/01/2041	वृष	23/02/2041
मिथु	27/10/2040	कर्क	26/11/2040	कुंभ	26/12/2040	मीन	26/01/2041	मेष	25/02/2041
कर्क	29/10/2040	सिंह	29/11/2040	मक	29/12/2040	कुंभ	28/01/2041	मीन	28/02/2041
सिंह	01/11/2040	कन्या	01/12/2040	धनु	31/12/2040	मक	31/01/2041	कुंभ	02/03/2041
कन्या	03/11/2040	तुला	04/12/2040	वृश्चि	03/01/2041	धनु	02/02/2041	मक	05/03/2041

मीन - कुंभ		मीन - मीन		कुंभ - मीन		कुंभ - मेष		कुंभ - वृष	
05/03/2041		04/04/2041		05/05/2041		05/03/2042		04/01/2043	
04/04/2041		05/05/2041		05/03/2042		04/01/2043		04/11/2043	
मीन	07/03/2041	मेष	07/04/2041	मेष	30/05/2041	वृष	31/03/2042	मेष	29/01/2043
मेष	10/03/2041	वृष	09/04/2041	वृष	25/06/2041	मिथु	25/04/2042	मीन	23/02/2043
वृष	13/03/2041	मिथु	12/04/2041	मिथु	20/07/2041	कर्क	20/05/2042	कुंभ	21/03/2043
मिथु	15/03/2041	कर्क	14/04/2041	कर्क	14/08/2041	सिंह	15/06/2042	मक	15/04/2043
कर्क	18/03/2041	सिंह	17/04/2041	सिंह	09/09/2041	कन्या	10/07/2042	धनु	10/05/2043
सिंह	20/03/2041	कन्या	20/04/2041	कन्या	04/10/2041	तुला	04/08/2042	वृश्चि	05/06/2043
कन्या	23/03/2041	तुला	22/04/2041	तुला	29/10/2041	वृश्चि	30/08/2042	तुला	30/06/2043
तुला	25/03/2041	वृश्चि	25/04/2041	वृश्चि	24/11/2041	धनु	24/09/2042	कन्या	25/07/2043
वृश्चि	28/03/2041	धनु	27/04/2041	धनु	19/12/2041	मक	19/10/2042	सिंह	20/08/2043
धनु	30/03/2041	मक	30/04/2041	मक	13/01/2042	कुंभ	14/11/2042	कर्क	14/09/2043
मक	02/04/2041	कुंभ	02/05/2041	कुंभ	08/02/2042	मीन	09/12/2042	मिथु	10/10/2043
कुंभ	04/04/2041	मीन	05/05/2041	मीन	05/03/2042	मेष	04/01/2043	वृष	04/11/2043

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	चंद्र, मंगल, गुरु
		मारक	-	सूर्य, बुध, शनि
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, चंद्र, सूर्य
		मारक	-	केतु, राहु, गुरु

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	65%	व्यावसायिक उन्नति, धन
चन्द्र	71%	धन, स्वास्थ्य
मंगल	62%	व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख
बुध	54%	भाग्योदय, कम खर्च, पराक्रम
गुरु	43%	दुर्घटना से बचाव, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
शुक्र	72%	भाग्योदय, धनार्जन, सुख
शनि	48%	व्यावसायिक उन्नति, दम्पति, दुर्घटना से बचाव
राहु	33%	धन, व्यावसायिक उन्नति
केतु	32%	दुर्घटना से बचाव, व्यावसायिक उन्नति

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
केतु	16/02/1999	38	41	62	45	71	67	30	22	78
शुक्र	16/02/2019	38	41	49	89	40	98	55	47	47
सूर्य	16/02/2025	95	83	93	45	52	42	61	39	22
चन्द्र	16/02/2035	80	98	66	58	40	54	59	54	22
मंगल	16/02/2042	95	83	93	33	52	54	74	39	47
राहु	17/02/2060	55	73	53	45	40	67	71	79	22
गुरु	17/02/2076	63	66	62	33	84	42	42	35	66
शनि	16/02/2095	70	58	68	58	40	67	86	64	22
बुध	18/02/2112	63	41	49	89	40	98	42	35	34

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	5
भाग्यांक	1
मित्र अंक	3, 5, 9, 1
शत्रु अंक	2, 4, 8
शुभ वर्ष	23,32,41,50,59
शुभ दिन	मंगल, सोम, गुरु
शुभ ग्रह	मंगल, चन्द्र, गुरु
मित्र राशि	वृश्चिक, मेष
मित्र लग्न	तुला, मीन, वृष
अनुकूल देवता	सूर्य
शुभ रत्न	मोती
शुभ उपरत्न	चन्द्रमणि
भाग्य रत्न	पुखराज
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	श्वेत
शुभ दिशा	पश्चिमोत्तर
शुभ समय	संध्या
दान पदार्थ	शंख, कपूर, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दही

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
मूंगा	मंगल	100%	व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख
मोती	चंद्र	88%	धन, स्वास्थ्य
माणिक्य	सूर्य	80%	व्यावसायिक उन्नति, धन
हीरा	शुक्र	78%	भाग्योदय, धनार्जन, सुख
गोमेद	राहु	62%	धन, व्यावसायिक उन्नति
पुखराज	गुरु	41%	दुर्घटना, शत्रु व रोग, नेष्ट भाग्य
लहसुनिया	केतु	28%	दुर्घटना, व्यावसायिक हानि
पन्ना	बुध	12%	नेष्ट भाग्य, व्यय, पराक्रम हानि
नीलम	शनि	0%	व्यावसायिक हानि, दाम्पत्य कष्ट, दुर्घटना

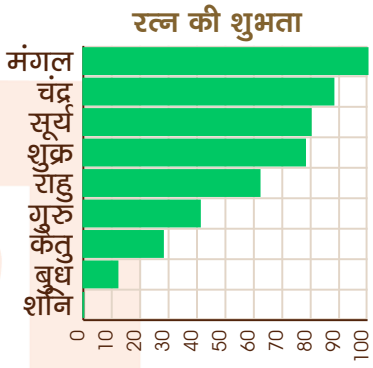

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
केतु	16/02/1999	67%	75%	100%	12%	41%	84%	0%	50%	52%
शुक्र	16/02/2019	67%	75%	100%	25%	41%	91%	3%	69%	41%
सूर्य	16/02/2025	92%	94%	100%	12%	52%	66%	0%	50%	3%
चंद्र	16/02/2035	86%	100%	100%	25%	41%	78%	0%	50%	3%
मंगल	16/02/2042	86%	94%	100%	0%	52%	78%	0%	50%	41%
राहु	17/02/2060	67%	75%	93%	12%	41%	84%	3%	75%	3%
गुरु	17/02/2076	86%	94%	100%	0%	58%	66%	0%	62%	28%
शनि	16/02/2095	67%	75%	93%	25%	41%	84%	16%	69%	3%
बुध	18/02/2112	86%	75%	100%	38%	41%	84%	0%	62%	28%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुंडली और रत्न

आपके लिए मूंगा, मोती, माणिक्य व हीरा रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

मोती आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

मूंगा, माणिक्य व हीरा रत्न आपके कारक रत्न हैं। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए गोमेद शुभ रत्न है। इसकी शुभता स्व-दशा या मित्र दशाओं में बढ़ जाती है। अतः इस रत्न को इसकी शत्रु दशा में न पहनकर मित्रादि की दशा में पहनकर इसके शुभ फलों का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इसकी शत्रु दशा में आप रुद्राक्ष पहनकर या दान, मंत्र जाप आदि से लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

पुखराज व लहसुनिया रत्न आपके लिए नेष्ट हैं। अतः इन्हें न पहनना ही बेहतर है। यदि आप इन रत्नों को धारण करते हैं तो इनकी अनुकूलता का परिक्षण अवश्य कर लें। अनुकूलता होने पर ही इन्हें धारण करें, अन्यथा शीघ्र अति शीघ्र उतार दें। इन रत्नों के धारण करने से आपको मानसिक परेशानी, स्वास्थ्य में कमी या धन हानि हो सकती है।

पन्ना व नीलम रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल दशम भाव में स्थित है। मंगल रत्न मूंगा धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। धन, यश, सुख और वाहनों का सुख प्रदान करेगा। मूंगा रत्न आपको महत्वाकांक्षी और दृढनिश्चयी व्यक्ति बनाएगा। मूंगा रत्न शुभता से बड़े पद और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। मूंगा रत्न प्रभाव आपको इंजीनियरिंग क्षेत्रों में सफलता प्राप्ति के अवसर दे सकता है। इसके अतिरिक्त यह मंगल आपको शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत पर ओर अधिक अनुकूल सिद्ध हो सकता है। आजीविका क्षेत्र में आपकी नेतृत्व योग्यता का विकास करने में भी मूंगा रत्न शुभ दायक रहेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में मंगल पंचम भाव एवं दशम भाव के स्वामी तथा मंगल लग्नेश चंद्र के मित्र भी है। यह मंगल योगकारक ग्रह होने के कारण आपके लिए सबसे अधिक शुभ ग्रह है। मंगल रत्न मूंगा आपके लिए अतिउत्तम रत्न है। संतान सुख और शैक्षिक जीवन में अनुकूल सफलता पाने के लिए आपको यह रत्न अवश्य धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न आपको संतान प्राप्ति के योग, पिता एवं आजीविका क्षेत्र से लाभ दिला सकता है। रत्न की शुभता से आपको भूमि, भवन, दैनिक व्यवसाय, परिश्रम से सम्मान प्राप्ति हो सकती है। मंगल रत्न मूंगा आपके ग्रहस्थ जीवन को भी सुखमय बनाए रख सकता है।

मूंगा रत्न अनामिका अंगूली में, चांदी धातु में जड़वाकर मंगलवार को प्रातः काल में स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर इस रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर अपने ईष्ट देव का पूजन करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। मूंगा रत्न धारण करने के पश्चात मंगल मंत्र ऊँ अं अंगारकाय नमः का १ माला जाप करना चाहिए। इसके पश्चात मंगल वस्तुएं जैसे - गेहूं, गुड़, तांबा, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मूंगा रत्न कम से कम ६ रत्ती से लेकर अधिकतम ८ रत्ती तक का धारण करना शुभ रहता है।

मूंगा रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ हीरा, गोमेद एवं नीलम रत्न को धारण करना अनुकूल नहीं माना गया है। यदि आप इस रत्न को अंगूठी रूप में धारण न कर पाएं तो आप इसे लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। यह रत्न रजत धातु के अलावा स्वर्ण धातु में भी धारण किया जा सकता है। मूंगा रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में आप इस रत्न के उपरत्न लाल हकीक एवं ३ मुखी रुद्राक्ष भी आप धारण कर सकते है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र द्वितीय भाव में स्थित है। इसलिए आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। मोती रत्न आपके लिए शुभ रत्न है इससे आप मधुरभाषी, सहनशील एवं शांति प्रिय व्यक्तित्व के स्वामी होंगे। पारिवारिक स्नेह को सुखद बनाये रखने में मोती अहम भूमिका निभा सकता है। मोती रत्न से धन-धान्य और परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। मोती रत्न आपकी त्याग भावना, बुद्धिमानी, चंचलता और यश को बढ़ायेगा। चंद्र की शुभता प्राप्ति के लिए आपका मोती रत्न धारण करना शुभ रहेगा। इस रत्न की शुभता से परिवार में धन आगमन

बना रहेगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में चंद्र लग्न भाव के स्वामी है। लग्नेश चंद्र का रत्न मोती धारण कर आप अपने जीवन को दीर्घकालिन बना सकते है। मोती रत्न आपके स्वास्थ्य को अनुकूल, तेज एवं स्फूर्ति दे सकता है। मोती रत्न की शुभता से आप को प्रयासों में सफलता, यश-सम्मान एवं भावुकता में कमी कर सकता है। रत्न शुभता से आप व्यवहारिक बनेंगे तथा आपका मनोबल उच्च रहेगा। मोती रत्न आपको यशस्वी बनाकर व्यवसाय में सफलता दे सकता है। इसके साथ ही रत्न की शुभता आपके दांपत्य जीवन को सुखी रख सकती है। आपके स्वभाव की अस्थिरता को नियंत्रित करने में भी मोती रत्न अहम भूमिका निभा सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य दशम भाव में स्थित है। आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न आपको बुद्धिमान, विद्वान और प्रसिद्ध बनाएगा। इसकी शुभता से आप आत्मविश्वास से भरे हुए आर्थिक रूप से सुदृढ़ व्यक्ति होंगे। रत्न शक्तियां आपको कार्यक्षत्र में अधिकारिक शक्तियां प्राप्त करने में सहयोग करेंगी। आपको सरकारी क्षेत्र में नौकरी प्राप्त हो सकती है। आजीविका क्षेत्र में भी आपको उच्चाधिकारियों का सुख-सहयोग सहजता से प्राप्त होगा। यह रत्न आपको कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता दिला सकता है। रत्न शुभता से नेतृत्त्व करने की अद्भुत योग्यता सामने आयेगी।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में सूर्य द्वितीय भाव के स्वामी है। सूर्य लग्नेश चंद्र का मित्र है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य शुभता प्राप्त कर सकते है। सूर्य रत्न की शुभता से आपको धन व कुटुम्ब एवं मान-सम्मान प्राप्त करा सकता है। माणिक्य के प्रभाव से आयु व दैनिक जीवन में सुख-शांति प्राप्त की जा सकती है। यह रत्न बातचीत में राजसिक प्रभाव, वाणी में आत्मविश्वास भाव दे सकता है। तथा यह रत्न आपको बैंक, रेवेन्यी, अकाउन्ट, सात्विक भोजन, कीमती धातु जैसे विषयों में शुभता दे सकता है। माणिक्य रत्न को धारण पर आप छोटे भाई- बहनों की विदेश यात्रा, कर्जा चुकाना, जेल, सजा, माता को होने वाले लाभ,

मामा की यात्राएं, उच्च शिक्षा, दुर्घटना, ऋण इत्यादि में शुभता प्राप्त कर सकते है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

हीरा

आपकी कुड़ली में शुक्र नवम भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभ फलकारी रहेगा। हीरा रत्न धारण से आप धार्मिक, शुद्धचित्त, परोपकारी और गुणवान व्यक्ति बनेंगे। रत्न प्रभाव से आपका धार्मिक विश्वास बढ़ेगा। पवित्र तीर्थ यात्राओं के आपको पर्याप्त अवसर मिलेंगे। हीरा रत्न आपको शुद्धचित्त, परोपकारी और गुणवान बनाएगा। हीरा रत्न दयालु, उदार, संतोषी जैसे गुणों से युक्त कर आपकी रुचि गायन, वादन और सिनेमा जैसी ललित कलाओं में आपकी सहभागिता बनाएगा। यह रत्न आपको एक अच्छा अभिनेता, काव्य नाटक पढने वाले और विद्या अध्ययन में निपुण बनाएगा।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शुक्र चतुर्थेश एवं आयेश है। शुक्र ग्रह की शुभता प्राप्त करने के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते है। हीरे की शुभता आपको घर, जमीन-जायदाद, वाहन, प्रतिष्ठा और माता के सुख प्राप्त हो सकते है। शुक्र रत्न हीरा आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने में सहयोग कर सकता है। आय, उन्नति, सफलता के अतिरिक्त यह रत्न आपको बडी उम्र के दोस्त, सभी प्रकार के लाभ, इच्छापूर्ति की संभावना, दया, सलाहकार, अनुयायी, दोस्त एवं उत्तम शुभ चिन्तक दे सकता है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है।

अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

गोमेद

आपकी कुंड़ली में राहु दूसरे भाव में स्थित है। राहु रत्न गोमेद धारण करना आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। यह रत्न धारण कर आप धन संचय के प्रति सचेत रहेंगे। धन के प्रति आपका मोह बढ़ेगा। सत्य बोलने की ओर आप अग्रसर होंगे। गोमेद रत्न की शुभता चातुर्य एवं नीति निर्माण से धन संचय करने में आपको सफलता देगी। गोमेद आपके स्वभाव को सौम्य बनाए रखेगा। गोमेद रत्न धारण कर आप पारिवारिक संस्कारों का नियम से पालन करेंगे। यह रत्न आपको विचार अभिव्यक्ति का कौशल देगा।

राहु सिंह राशि में स्थित है व इसका स्वामी सूर्य दशम भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण कर आप आजीविका क्षेत्र में चातुर्य से उन्नति प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको कर्मक्षेत्र में उच्च पद, सम्मान एवं अधिकार शक्ति देगा तथा रत्न पहन कर आप व्यवहार कुशल होंगे। रत्न शुभता से आप धनवान, बुद्धिमान और पितृ-सुखयुक्त होंगे। यह रत्न आपको आजीविका क्षेत्र में व्यर्थ विवादों में सम्मिलित होने से बचाएगा। इस रत्न को धारण करने से आपको अधीनस्थों का सुख-सहयोग प्राप्त होगा। तथा यह रत्न आपके कार्यभार में कमी करेगा। आपके कार्यों में नियमितता आएगी। न्याय और परिश्रम कुशलता में वृद्धि होगी। आपको उत्तम व्यक्तियों के संपर्क में रहने के अवसर प्राप्त होंगे।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान करायें। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ऊँ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर आपका स्वजनों से लगाव कुछ कम हो सकता है। यह रत्न पैतृक धन की हानि करा सकता है। पुखराज रत्न प्रभाव से आपकी आर्थिक उन्नति में बाधाएं आ सकती है। धन, आय और लाभ रुक रुक कर आगे बढ़ेंगे। यह रत्न आपको सुमार्ग से हटा सकता है। आपकी अस्वस्थता बढ़ सकती है। कुल परंपराओं से आप हट सकते है। पुखराज रत्न आपको कंजूस और लालची भी बना सकता है।

आपको अपनी योग्यता अनुसार कार्य न मिलने के योग भी बन रहे है। गैरधार्मिक विषयों पर आपके व्यय अधिक हो सकते है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में गुरु षष्ठ भाव एवं नवम भाव के स्वामी है। गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर आपका व्यक्तित्व का प्रभाव कुछ कम हो सकता है। विद्या और संतति के पक्ष से भी इस रत्न की शुभता आपको प्राप्त नहीं हो पाएगी. पुखराज रत्न आपमें बुद्धि व विवेक की कमी करा सकता है। पुखराज रत्न से आपका दांपत्य जीवन कष्टमय बना सकता है। यह रत्न आपको शत्रुओं द्वारा हानि दे सकता है। भाग्य व धर्म कार्यो में आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। पुखराज रत्न धारण के बाद आप अपने विरोधियों का पूर्ण क्षमता से विरोध नहीं कर पाएंगे। शुभ कार्यो में विघ्न आपकी मानसिक चिंताओं का कारण बन सकते है। संतान सुख में भी आंशिक कमी हो सकती है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु अष्टम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः केतु रत्न लहसुनिया धारण करने आप कुछ विषयों में आप लोभी और चालाक हो सकते है। आपके द्वारा दूसरों को शारीरिक और मानसिक कष्ट हो सकते है। अनजाने में आपसे पाप हो सकते है। आपके द्वारा किये गये कार्यो से विवेकहीनता परिलक्षित हो सकती है। रत्न प्रतिकूलता से आपको मुखरोग या दंत रोग हो सकता है। केतु रत्न आपको अकस्मात हानि करा सकता है। यह रत्न आपका ऑपरेशन करा सकता है। आपको विरासत मिलने में तकलीफ हो सकती है। सरकार के द्वारा आपकी धन हानि हो सकती है।

केतु कुम्भ राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि दशम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने से तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करना कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। यंत्रों के रख-रखाव और इंजीनियरिंग क्षेत्र में कार्य करने पर आप असुविधा महसूस करेंगे। आजीविका क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों का सामना आप सहजता के साथ नहीं कर पायेंगे। यह रत्न आपको असफलता का स्वाद भी चखा सकता है। इस रत्न को धारण करने पर आपको राजनैतिक क्षेत्र में सफलता बहुत विलम्ब से प्राप्त होगी। रत्न प्रतिकूलता आपको अस्पष्ट परिणाम और कमजोर आर्थिक स्थिति प्रदान कर सकती है। साथ ही इस रत्न प्रभाव से आप अहंकारी और बातूनी स्वभाव के हो सकते हैं।

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध नवम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको अपने ज्ञान और बुद्धि पर घमण्ड करने से बचना होगा। यह रत्न आपको ज्ञान, धन और यश का अहंकार दे सकता है। पन्ना रत्न आपकी बुद्धि और तीर्थ यात्राओं में कमी कर सकता है। रत्न प्रभाव आपमें वक्ता, संगीतज्ञ, संपादक, लेखक या ज्योतिषी बनने के गुणों में कमी कर सकता है। बुध रत्न पन्ना प्रभाव से आप धर्म, यज्ञ के विपरीत जाकर कोई काम कर सकते है। विभिन्न प्रकार के सुःखों में कमी हो सकती है। पन्ना रत्न आपके अपने पिता से संबंध खराब कर सकता है। सज्जनों की संगति के अवसर आपको कम मिल सकते है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में बुध तीसरे भाव एवं द्वादश भाव के स्वामी है। बुध रत्न पन्ना धारण करने पर आपको बंधु बांधवों का सुख कम प्राप्त हो सकता है। पराक्रम भाव के पक्ष से भी यह रत्न आपके लिए अनुकूल फलदायक नहीं रहेगा। भाई-बहनों से संबंधों की मधुरता में कमी हो सकती है। बौद्धिक बल से धनार्जन करने में पन्ना रत्न आपको सहयोग नहीं करेगा। व्यावसायिक यात्राओं में असफलता का सामना आपको करना पड़ सकता है। पन्ना रत्न आपके भाग्योदय में बाधक का कार्य कर सकता है। रत्न प्रभाव से आपके व्यय व्यर्थ हो सकते है। व्ययों को नियंत्रित रखने में आपको कष्ट हो सकते है। विद्या और बौद्धिक विषयों में आपके साथ परेशानियां बनी रहेंगी।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि दशम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः शनि रत्न नीलम धारण करने पर आपकी सफलताओं का श्रेय अन्यों को मिल सकता है। रत्न प्रभाव से आपके नेतृत्त्व गुणों में कमी आ सकती है। यह रत्न आपके कार्यभार में वृद्धि कर सकता है। लोक सेवा और समाज सेवा के लिए भी यह रत्न आपको सहयोग नहीं कर पाएगा। रत्न प्रभाव से आपमें कर्तव्यनिष्ठा की कमी हो सकती है। इस रत्न से कार्यक्षेत्र में आपकी प्रगति धीरे धीरे बढ़ेगी। रत्न आपके परिश्रम भाव में कमी करेगा। व्ययों में वृद्धि कर सकता है। नीलम रत्न प्रभाव से आप नीतियों के विपरीत, रुखे स्वभाव वाले और अतिमहत्वाकांक्षी हो सकते है। लड़ाई-झगड़ा में आप फंस सकते है। यह रत्न आपकी पदोन्नति में बाधक बन सकता है।

आपकी कर्क लग्न की कुंडली में शनि सप्तमेश एवं अष्टमेश है। शनि का रत्न नीलम धारण करना आपके लिए सुख फलदायक नहीं रहेगा। नीलम रत्न आपके भाग्योदय में रुकावट ला सकता है। संतान, जीवन साथी व माता के कष्ट रत्न प्रभाव से बढ़ सकते है। यह रत्न आपको पेशाब से संबंधित रोग दे सकता है। शत्रु आपको शारीरिक कष्ट दे सकते है। रत्न प्रभाव से आपका मन चंचल रहेगा। मित्रों से मित्रताएं बनती बिगड़ती रहेंगी। यह रत्न आपकी आयु में कमी का कारण बन सकता है। जीवन साथी का स्वास्थ्य कमजोर होगा। गुप्त रोग भी रत्न प्रभाव से प्रभावी हो सकते है। यह रत्न आपकी शारीरिक अस्वस्थता को बढ़ाएगा। कलह और अपयश की स्थिति आपके लिए यह रत्न बना सकता है।

दशानुसार रत्न विचार

सूर्य
(16/02/2019 - 16/02/2025)

सूर्य की दशा में आपका मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, पुखराज व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पन्ना, लहसुनिया व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण

करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र
(16/02/2025 - 16/02/2035)

चन्द्र की दशा में आपका मोती, मूंगा, माणिक्य व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज व पन्ना रत्न नेष्ट हैं और लहसुनिया व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल
(16/02/2035 - 16/02/2042)

मंगल की दशा में आपका मूंगा, मोती, माणिक्य व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

पुखराज व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु
(16/02/2042 - 17/02/2060)

राहु की दशा में आपका मूंगा, हीरा, मोती व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और पन्ना, नीलम व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

गुरु
(17/02/2060 - 17/02/2076)

गुरु की दशा में आपका मूंगा, मोती व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

हीरा, गोमेद व पुखराज रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और पन्ना व नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शनि
(17/02/2076 - 16/02/2095)

शनि की दशा में आपका मूंगा, हीरा व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज व पन्ना रत्न नेष्ट हैं और नीलम व लहसुनिया रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(16/02/2095 - 18/02/2112)

बुध की दशा में आपका मूंगा, माणिक्य, हीरा व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज, पन्ना व लहसुनिया रत्न नेष्ट हैं और नीलम रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

रूद्राक्ष

रूद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रूद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के हृदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रूद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रूद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रूद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रूद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रूद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रूद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रूद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रूद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रूद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रूद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रूद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली कर्क लग्न की हैं। कर्क लग्न आपको संवेदनशील बना रहा है। चर लग्न आपको लगातार कार्य करने का स्वभाव दे रहा हैं। आपको जलीय स्थानों के नजदीकरहना अधिक प्रिय हो सकता हैं। लगातार कार्य करना आपका स्वभाव , बिना थके निरन्तर कार्य करना आपके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है। आप भावुक, धैर्यवान है,और कठिन से कठिन समय में भी घबराते नहीं हैं। कुछ विषयों पर आप जिद्धी भी हो जाते हैं। अपने स्वभाव के नकारात्मक पक्ष को छोड़ने का प्रयास आपको करना चाहिए। साथ ही आपको अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना चाहिए। कार्य के घण्टो में से थोड़ा समय आराम के लिए भी निकालें। आप अत्यधिक भावनात्मक हैं इसलिए आपके निर्णय कई बार गलत भी हो जाते हैं।

फिर भी आप जब किसी काम को करने की ठान लेते है, तो उसे करके ही बैठते हैं।

कुंडली के 6, 8 व 12 भाव त्रिक भाव कहलाते हैं। तथा इन भावों के स्वामियों को त्रिक भावेश के नाम से जाना जाता हैं। त्रिक भाव, भावेश व इन भावों में बैठे ग्रह स्वयं में किसीन किसी प्रकार की अशुभता लिये होते हैं। यहीं कारण है की ये सभी आपके जीवन में कष्ट और बाधाओं का कारण बन सकते है। जिसमें छठा भाव रोग, ऋण और शत्रुओं सेकष्ट देता है, इसका स्वामी जिस भाव में जाता है, उसके शुभ फलों में कुछ न कुछ कमी अवश्य करता हैं। जिसके फलस्वरूप आपको षष्ट भाव के स्वामी या इस भाव में स्थितग्रहों की महादशा-अन्तर्दशाओं में भाव सम्बंधित रोग, ऋण या शत्रुओं के द्वारा शारीरिक या मानसिक कष्टों का सामना करना पड़ता हैं।

6, 8 व 12 भावों में अष्टम भाव विशेष अशुभता लिए होते हैं। इस भाव का स्वामी अष्टमेश, जिस भाव में बैठता है, उस भाव के फलों का नाश करता हैं। अष्टम भाव अशुभता, बाधा और पाप का भाव हैं। और इस भाव या इस भाव के स्वामी से किसी भी भावेश का सम्बन्ध होना, भावेश की शुभता में कमी कर अशुभता को बढाता है। तीसरा और अंतिम त्रिक भाव, द्वादश भाव है जिसे व्यय भाव भी कहा जाता हैं। द्वादश भाव से हानि, टैक्स, निद्रा, शैय्या भोग, कारागार, विदेश यात्रा और मोक्ष का विचार किया जाता हैं। इस भाव का स्वामी और इस भाव में स्थित ग्रह भी इस भाव के विषयों में अशुभता लाते हैं। इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके लग्न में षष्ठ भाव व नवम भाव के स्वामी गुरु हैं। षष्टेश गुरु आपका मामा-मौसी से बैर करा सकता हैं। संतान सुख में कमी कर सकता है तथा संतान रोगों के प्रभाव में शीघ्र आ सकती हैं, बुद्धि और विवेक का समय पर उपयोग नहीं मिलता। इसके अतिरिक्त ऋण आदि विषयों में शत्रु बाधक हो सकते हैं।

सप्तम व अष्ठम भाव के शनि की यह स्थिति जीवन साथी से प्राप्त होने वाले सुखों में कमी, सरकारी क्षेत्रों व आजीविका क्षेत्रों से अल्प लाभ, धन संचय कठिन, कुटुंबका न्यून सुख, विद्या बुद्धि से अल्प लाभ व संतान सुख में बाधक बनता हैं।

द्वादश व तृतीय भाव के स्वामी बुध हैं। बुध आपके लग्न के लिए अशुभ ग्रहों की श्रेणी में आते हैं। बुध की यह स्थिति आपको अधिक व्ययों से परेशान, पारिवारिक सुख में न्यूनता, धन संचय दुष्कर, शत्रु संघर्ष से हानि के योग बना सकता हैं।

गुरु का अष्टम भाव में स्थित होने से पैतृक संपति का नाश हो सकता है। बुद्धि विवेक से धनार्जन करने में सफल, माता के सहयोग से भाग्योन्नति, उन्नति में विलम्ब, कारावास संभव। आपका भाग्योदय विलम्ब से होगा। संघर्षो के उपरान्त आपको कार्यो में सफलता, धन और यश की प्राप्ति होगी। व्यय शुभ कार्यो पर होंगे। धन, कुटुंब और विद्या से सुख की प्राप्ति होगी। माता, घर, जमीन -जायदाद और वाहन सुख दे रहे हैं।

अष्टम भाव में केतु अशुभ फलदायक होते है। आपको अपनी बुद्धि को गलत कार्यो

में लगाने से बचना चाहिए। आपका उद्यम बाधित हो सकता है। साथ ही यह योग आपको परिश्रम का उचित प्रतिफल नहीं देता। जीवन साथी से शत्रुता भाव उत्पन्न हो सकता है। स्वजनों से संबंधों को मधुर बनाए रखने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 4, 5, 7, 9 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती द्वितीय ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	27/08/2036-22/10/2038	05/04/2039-13/07/2039	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	----------

तृतीय चक्रः

साढेसाती प्रथम ढैया	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
साढेसाती द्वितीय ढैया	13/10/2065-03/02/2066	03/07/2066-30/08/2068	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	30/08/2068-04/11/2070	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
अष्टम स्थानस्थ ढैया	20/03/2084-21/05/2086	21/05/2086-08/02/2087	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	बुरा स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	शुभ	पराक्रम
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	सम	सन्तति कष्ट
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपकी जन्म कुंडली में मंगल की स्थिति दशम भाव में है। यह भाव कर्म का मुख्य प्रतिनिधि भाव है। अतः इसके प्रभाव से आप एक कर्मठ एवं पराक्रमी व्यक्ति होंगे। अपने कार्य क्षेत्र में सर्वदा उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही आप अपनी बुद्धि एवं योग्यता के बल पर किसी उच्च प्रशासनिक पद इंजीनियरिंग, मेडिकल या होटल आदि के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता अर्जित करेंगे तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे जिससे समाज में आप एक आदरणीय पुरुष समझें जाएंगे । आप अपने कार्यों के द्वारा विशिष्ट सम्मान एवं ख्याति भी अर्जित करेंगे। आपके पिता का स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा रहेगा तथा आपको वे पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आप भी उनकी आज्ञा का अनुपालन करेंगे तथा यत्नपूर्वक उनकी सेवा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

दशम भाव से मंगल की दृष्टि प्रथम भाव पर रहेगी इसके प्रभाव से आप यदा कदा पित या गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा कष्ट की अनुभूति कर सकते हैं लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। सामान्यतया आप परिश्रम एवं उत्साह से अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। चतुर्थ भाव पर सप्तम दृष्टि के प्रभाव से आप जीवन में आवश्यक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग भी करेंगे। जमीन जायदाद तथा वाहन आदि से भी आप युक्त रहेंगे परन्तु माता का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आप उनको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। पंचम भाव पर मंगल की दृष्टि से संतति से सुख एवं सहयोग मध्यम रहेगा साथ ही संतति की प्राप्ति में विलम्ब हो सकता है। आपकी बुद्धि में भी यदा कदा उग्रता का भाव विद्यमान रहेगा लेकिन आप अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को बुद्धिमत्ता से सम्पन्न करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको न्यूनाधिक सहयोग समय समय पर प्राप्त होता रहेगा।

इस प्रकार दशमस्थ मंगल के प्रभाव से आप एक प्रभावी व्यक्ति होंगे। जीवन में

धनऐश्वर्य एवं सुख संसाधनों से सर्वदा युक्त रहेंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा पारिवारिक जनों का आधुनिक परिवेश में लालन पालन करने में समर्थ रहेंगे जिससे परिवार में शान्ति तथा सन्तुष्टि रहेगी। इसके अतिरिक्त सभी लोग आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में कुलिक नामक कालसर्प योग विद्यमान है। फलस्वरूप जातक को अर्थोपार्जन करने में विशेष रूप से संघर्ष करना पड़ता है। खर्चों की बहुलता रहती है। परिणामस्वरूप आर्थिक परेशानियाँ बनी रहती हैं और विद्या अध्ययन में विशेष रूप से सफलता हासिल नहीं होती है। चन्द्रमा के प्रभावित होने के कारण जीवन मानसिक रूप से अशान्त रहता है तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए विशेष रूप से संघर्ष करना पड़ता है।

इस योग के प्रभाव से जातक का वैवाहिक जीवन कष्टमय व्यतीत होता है। यहाँ तक कि कभी-कभी संबंध विच्छेद होने की सम्भावना भी बन जाती है। जातक अपने जीवन में अनेक स्त्रियों से संसर्ग कर अपमानित होता है। परिवारिक सदस्यों से विभेद रहता है और मित्रगण कदम-कदम पर धोखा देते हैं तथा सामाजिक प्रतिष्ठा का अभाव रहता है। जातक सदा परोपकार करने में तत्पर रहता है परन्तु अन्य लोग इसका नाजायज फायदा उठाते रहते हैं, जिससे जातक को केवल नुकसान ही मिलता है। जातक के पिता की मृत्यु अल्पायु में हो जाती है। सुख भोग का अभाव रहता है। भूत प्रेतों से परेशानियाँ बनी रहती हैं।

इस योग के कारण जातक को सन्तान सुख का अभाव रहता है। पुत्र होकर भी क्रूर एवं दुष्ट प्रवृत्ति का हो जाता है और मनमानी करने वाला होता है तथा आज्ञा का पालन प्रायः नहीं के बराबर ही करता है। जातक के स्वास्थ्य में निरन्तर गिरावट होती रहती है और इस योग के प्रभाव से जातक मानसिक रूप से चिन्तित रहता है। अपने वृद्धावस्था को लेकर सोचता रहता है कि क्या होगा, किस तरह समय व्यतीत होगा तथा इस अवस्था में जाकर जातक को कष्ट ही मिलता है। लेकिन सब कुछ होते हुए भी जातक व्यापार में इच्छित सफलता प्राप्त करता है और जीवन में सम्मान भी पाता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. 16 सोमवार का व्रत करें।
3. राहु मन्त्र का 18000(अट्ठारह हजार) उनकी महादशा, अन्तर्दशा में करें या करवायें।
4. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
5. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।
6. नव नाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
7. श्रावण मास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।
8. तिरुपति बालाजी के समीप कालहस्ती शिवमन्दिर में जाकर कालसर्प योग की शान्ति का उपाय

विधि-विधान से एक बार करें।

9. श्रद्धापूर्वक पितरों का प्रतिवर्ष श्राद्धपक्ष में श्राद्ध करें। कम से कम सात वर्ष तक अवश्य करें।

10. सरस्वती जी की एक वर्ष तक विधिवत उपासना करें।

11. गोमेद, तिल, सरसों, कम्बल, खड्ग, नीलवस्त्र, शूर्प आदि समय समय पर दान करें।

12. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबालकर राहु की महादशा या अन्तर दशा आदि में सवा महीने तक स्नान करें।

13. शुभ मुहूर्त में नागपाश यन्त्र को अभिमन्त्रित कर धारण करें।

14. शुक्ल पक्ष के प्रथम (जेठे) शनिवार से यह व्रत आरंभ करना चाहिए। यह व्रत 18 करें। काला वस्त्र धारण करके 18 या 3 बीज मन्त्र की माला जपें। तदन्तर एक बर्तन में जल, दूर्वा और कुश लेकर पीपल की जड़ में डालें। भोजन में मीठा चूरमा, मीठी रोटी समयानुसार रेवड़ी, भुग्गा, तिल के बने मीठे पदार्थ सेवन करें और यही दान में भी दें। रात को घी का दीपक जलाकर पीपल की जड़ में रख दें।

15. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वास्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।

16. मंगलवार एवं शनिवार को रामचरितमानस के सुन्दरकाण्ड का 108 बार पाठ श्रद्धापूर्वक करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ॐ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- सूर्य पर राहु और शनि दोनों का प्रभाव है।
- पंचम् भाव के स्वामी पर शनि और राहु का प्रभाव है।
- नवम् भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुडली में सूर्य, मंगल और गुरु के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में सूर्य पितृदोष कारक ग्रह है अतः पिता के पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गायत्री जप, सूर्योपासना, आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ, आक की समिधा से हवन करें। रविवार को गाय या बैल को गेहूँ और गुड़ खिलाएं।

आपकी कुंडली में मंगल पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा क्रोधवश किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आपको नौकर, छोटे भाईयों को दान देना चाहिए।

आपकी कुंडली में वृहस्पति पितृदोष कारक ग्रह है अतः दादाजी द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आप विद्वानजनों, वृद्ध ब्राहमण

और पति को दान दें। विद्यालय में पुस्तकों का दान करें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

एस्ट्रोग्राफ - 2025

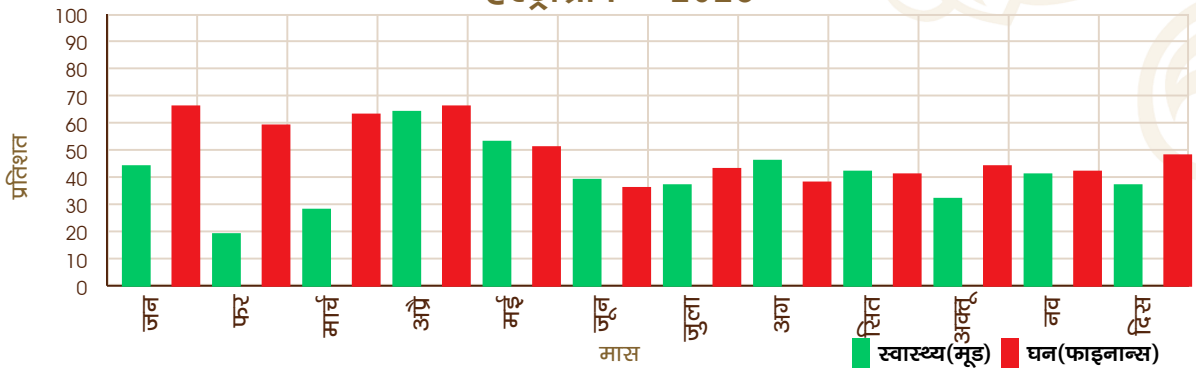

एस्ट्रोग्राफ - 2026

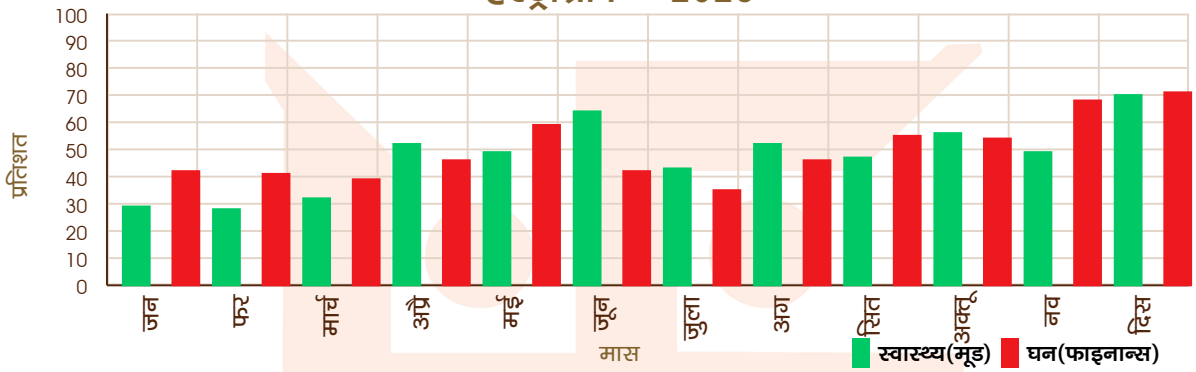

एस्ट्रोग्राफ - 2027

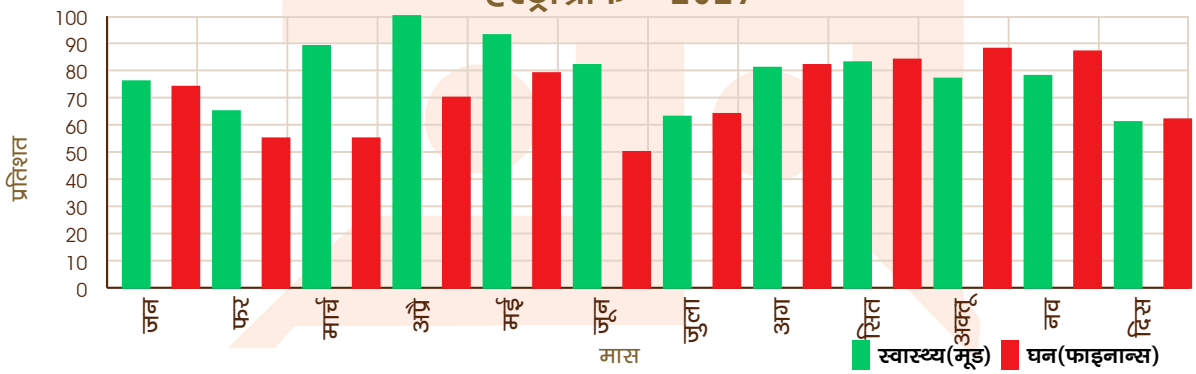

एस्ट्रोग्राफ - 2028

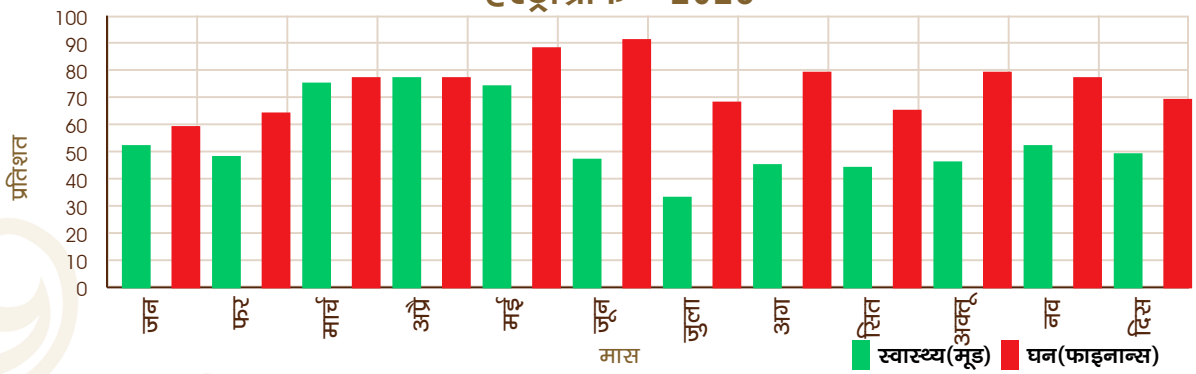

एस्ट्रोग्राफ - 2029

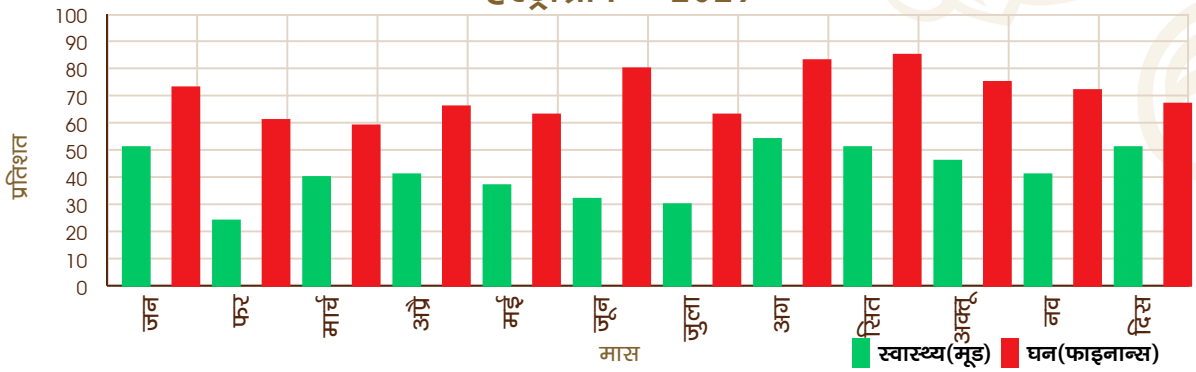

एस्ट्रोग्राफ - 2030

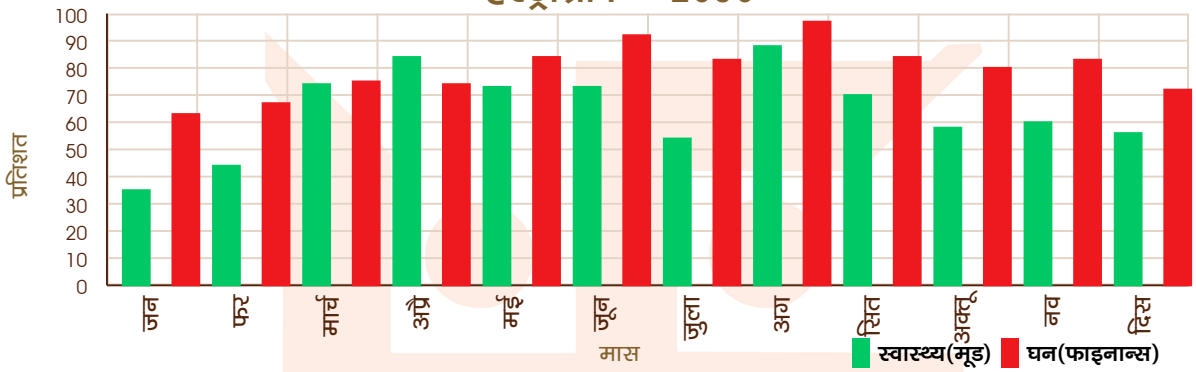

एस्ट्रोग्राफ - 2031

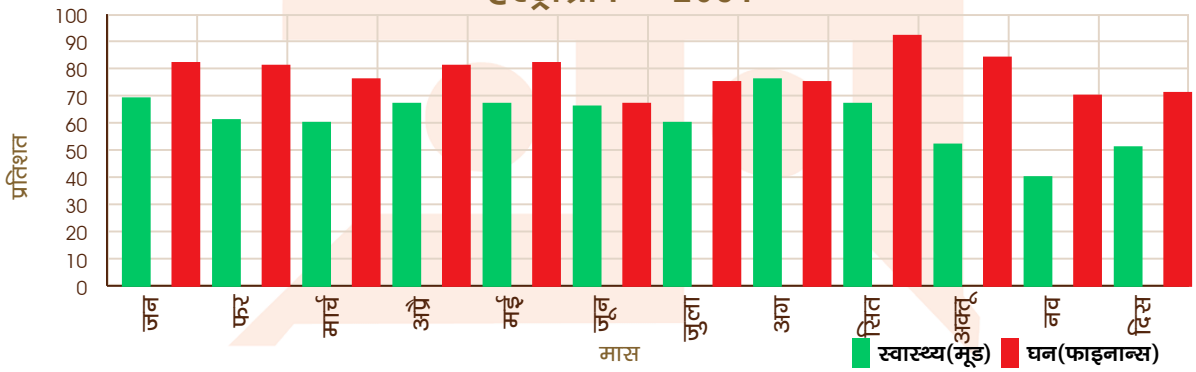

एस्ट्रोग्राफ - 2032

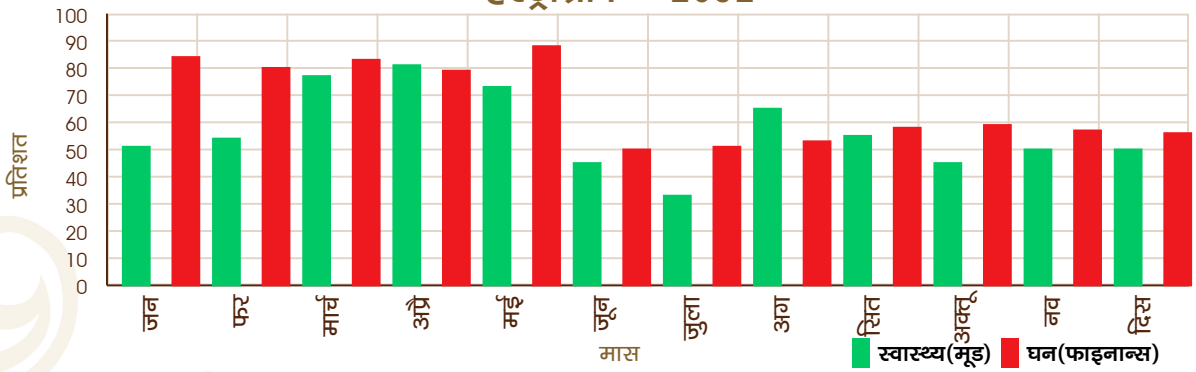

एस्ट्रोग्राफ - 2033

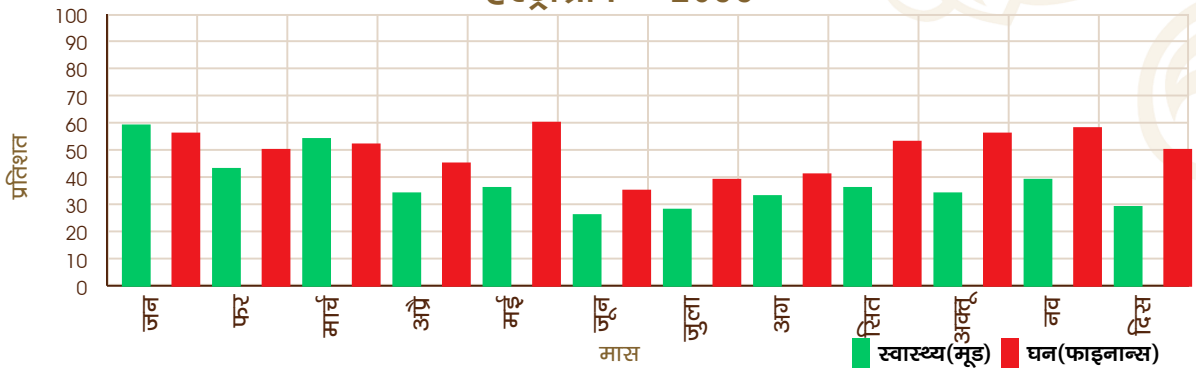

एस्ट्रोग्राफ - 2034

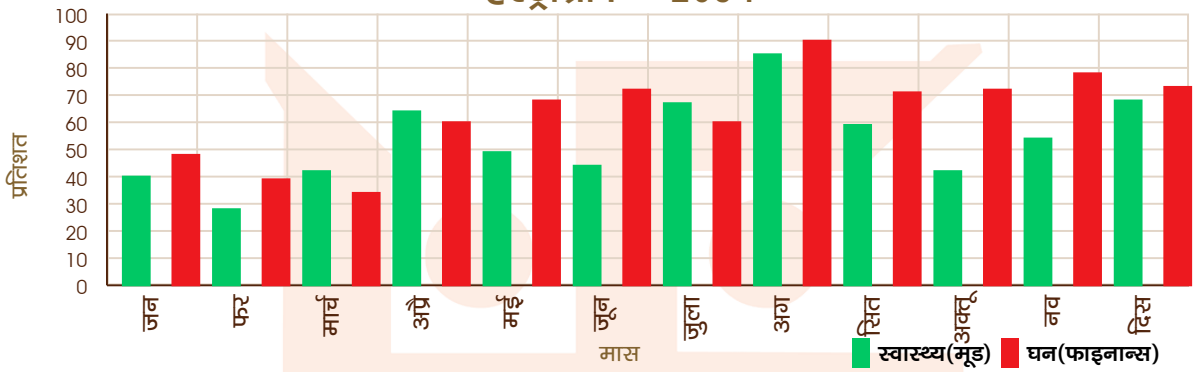

एस्ट्रोग्राफ - 2035

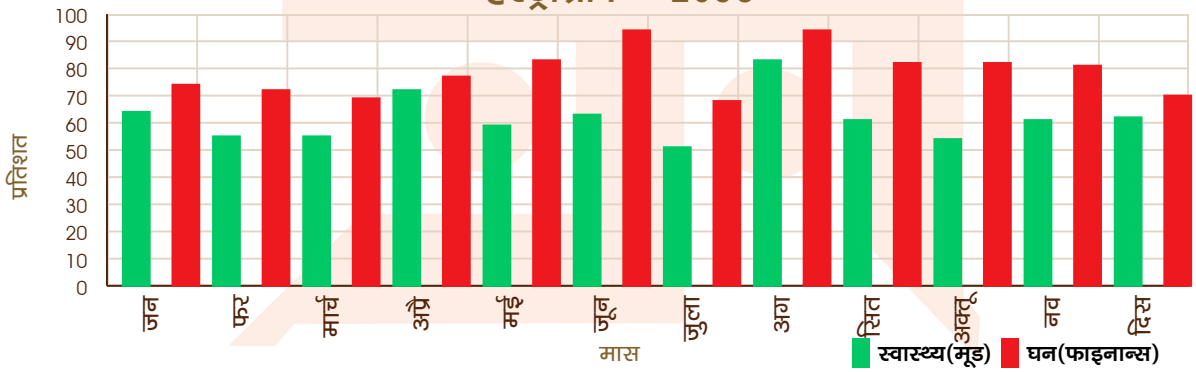

एस्ट्रोग्राफ - 2036

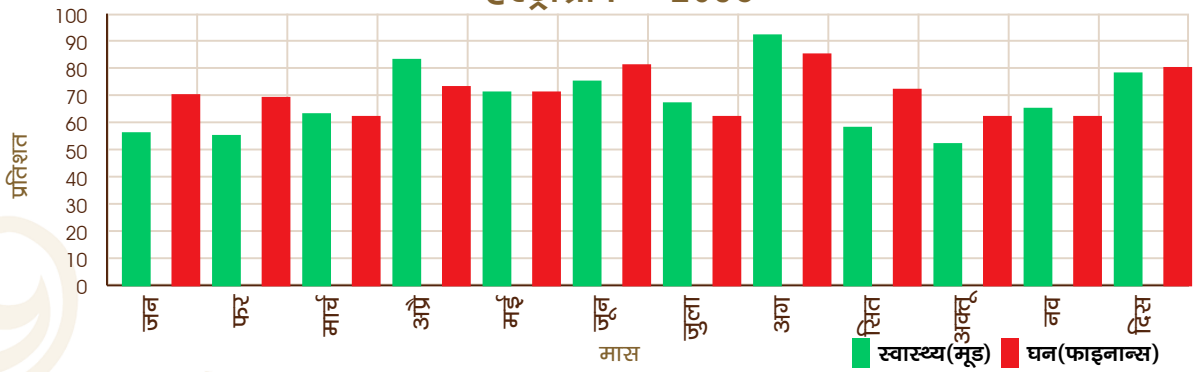

एस्ट्रोग्राफ - 2037

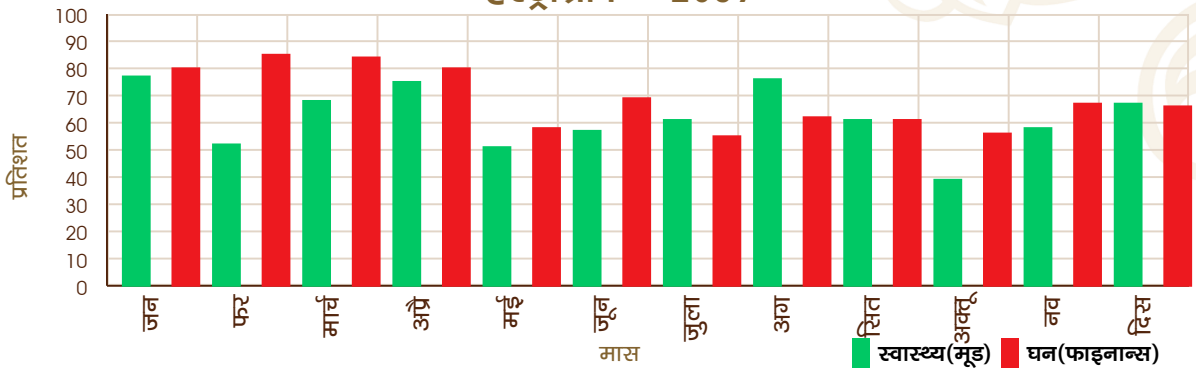

एस्ट्रोग्राफ - 2038

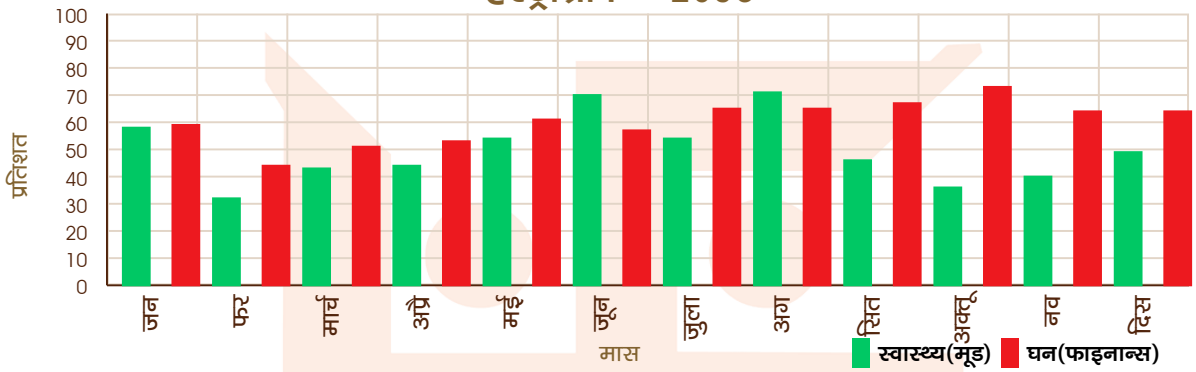

एस्ट्रोग्राफ - 2039

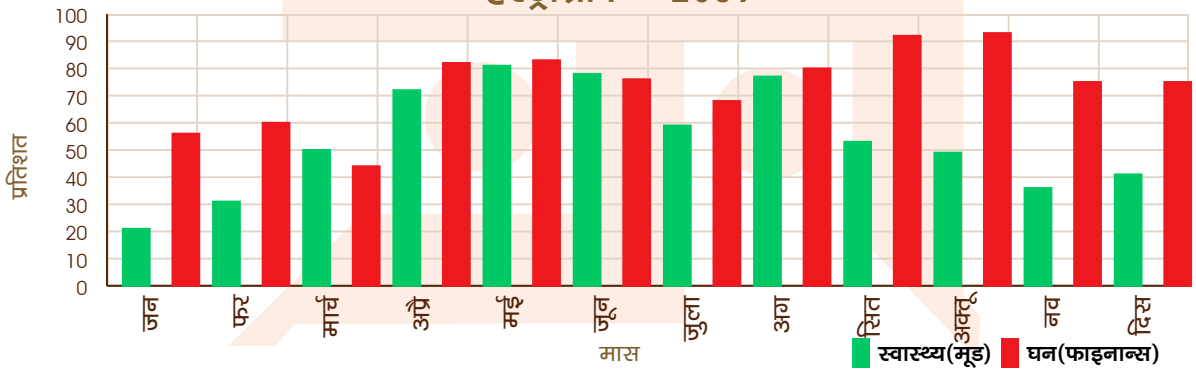

एस्ट्रोग्राफ - 2040

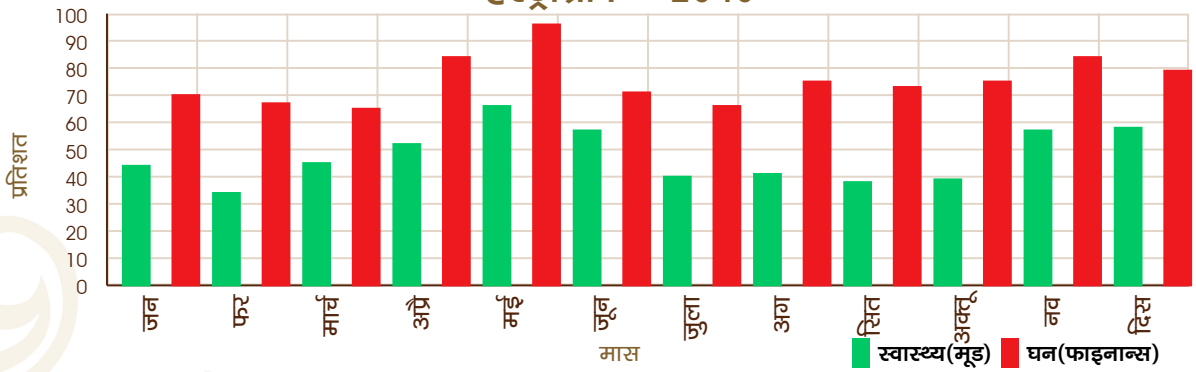

एस्ट्रोग्राफ - 2041

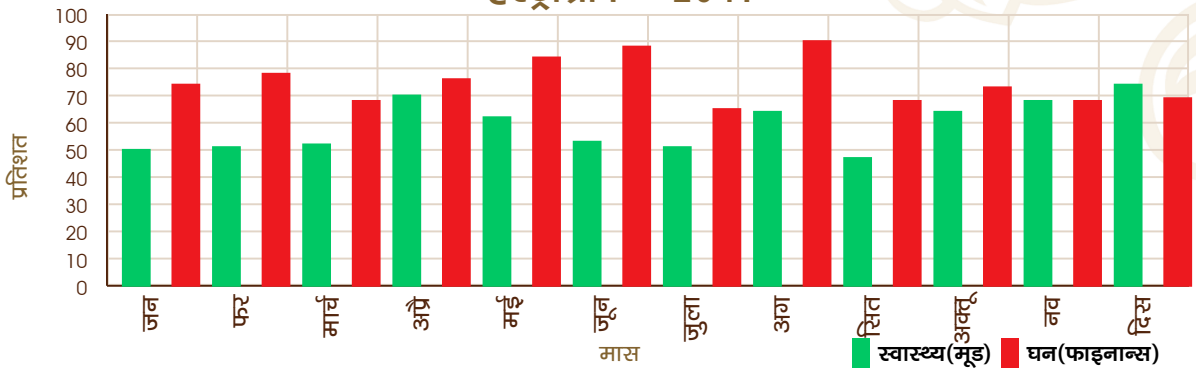

एस्ट्रोग्राफ - 2042

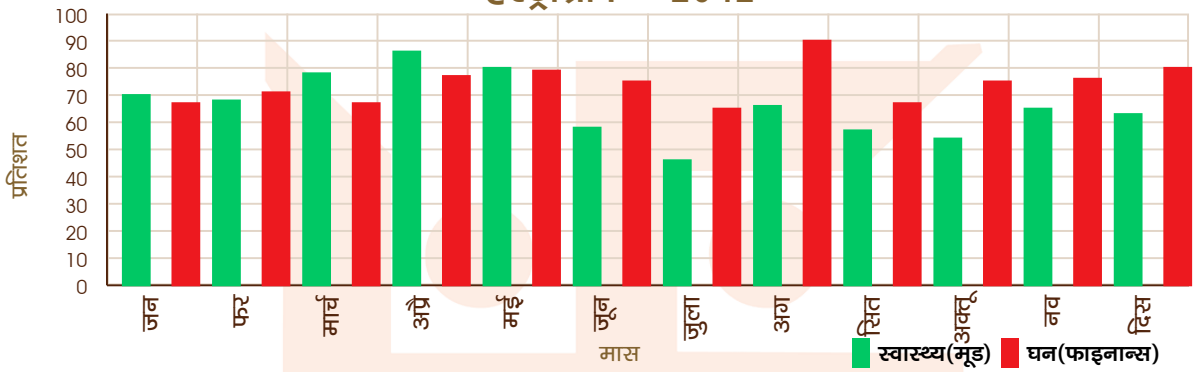

एस्ट्रोग्राफ - 2043

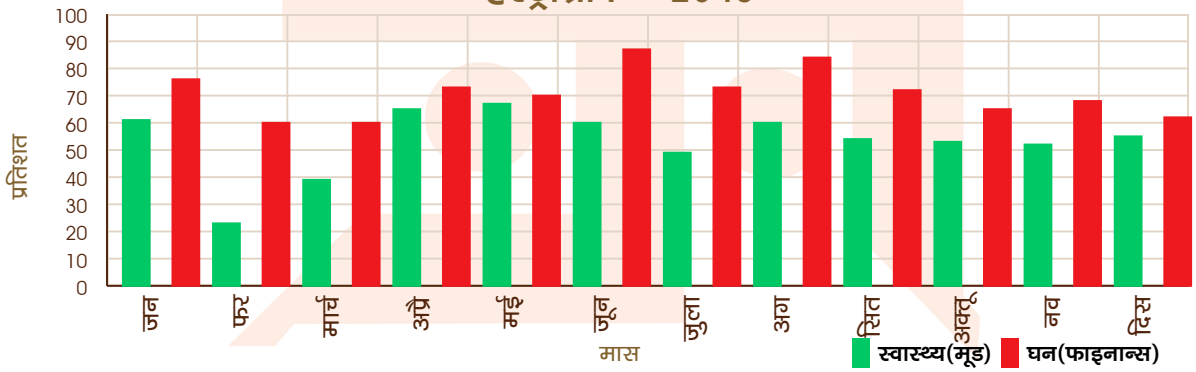
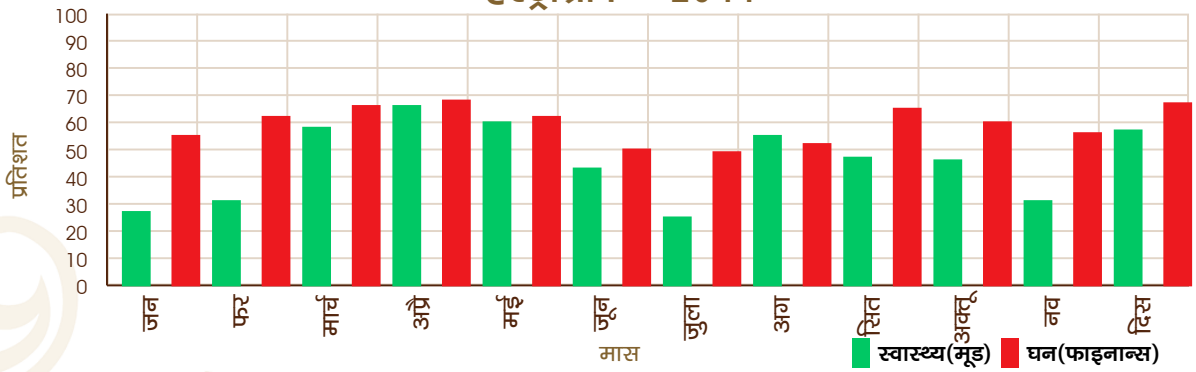
एस्ट्रोग्राफ - 2044